हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

10 मार्च, 2008

खण्ड 1, अंक 2

अधिकृत विवरण

विषय सूची

सोमवार, 10 मार्च, 2008

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2)1
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(2)33
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2)64
अनुपस्थिति की अनुमति	(2)73
अनुपस्थिति के सम्बन्ध में सूचना	(2)75
हरियाणा विधान सभा भवन का नवीनीकरण	(2)75
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा	(2)76
माननीय मुख्यमंत्री को मॉरिशस का आमन्त्रण	(2)97
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)97
सदस्य का नाम लेना	(2)109
वाक-आउट	(2)110
सदस्य का निलम्बन	(2)111
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)113

मूल्य : 130

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 10 मार्च, 2008

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में 2.00 बजे (अपरान्ह) हुई। अध्यक्ष (डॉ० रघुवीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब सवाल होंगे।

तारांकित प्रश्न संख्या 846

(इस समय माननीय सदस्य श्री राम कुमार गौतम सदन में उपस्थित नहीं थे इसलिए यह सवाल पूछा नहीं गया।)

Construction of Roads

*801. **Sh. Naresh Yadav** : Will the P.W.D. (B&R) Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the following roads in Ateli constituency, district Mahendergarh :—

1. Kunjpura to Doomdoli,
2. Ratakalan to Ramchandpura,
3. Bihali to Kaysa,
4. Rajpura to Kaysa,
5. Bihali to Chuhar Singh Ki Dhani,
6. Ghari Mahasar to Raghunathpura,
7. Kati to Talwana,
8. Rampura to Khundroth,
9. Bihali to Talwana Border; and
10. Bhushan to Dhoomdoli Naysarana.

(b) if so, the time by which the aforesaid roads are likely to be constructed ?

Irrigation Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) :

(a) No, Sir.

(b) Question does not arise.

श्री नरेश यादव : स्पीकर सर, माननीय मंत्री जी ने जवाब दे दिया कि प्रश्न ही नहीं उठता है। स्पीकर सर, मैंने जितनी भी रोडज़ दी हैं ये सभी राजस्थान से जुड़ने वाली लिंक रोडज़ हैं। राजस्थान सरकार ने ये पूरी रोडज़ बोर्डर तक बना दी हैं। वे सभी 10 सड़कें हरियाणा से लिंकड रोडज़ हैं। ये सभी सड़कें आधा, एक या दो किलोमीटर्ज लम्बी हैं सिर्फ एक सड़क ही 6 किलोमीटर लम्बी है। इसके अलावा हमारे यहां पर शोभापुर गांव है जो कि बहुत बड़ा गांव है और वह गांव हरियाणा में अकेला ऐसा गांव है जो सड़क से जुड़ा हुआ नहीं है। मंत्री जी का अपने जवाब में यह कहना कि प्रश्न ही नहीं उठता सही नहीं है, इनको ऐसा नहीं कहना चाहिए था। ये सड़कें सभी शर्तें पूरी करती हैं और इनको अभी तक नहीं बनाया गया है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो सड़कें दी हैं ये 10 सड़कें हैं इनमें से बहुत सी ऐसी सड़कें हैं जो राजस्थान बोर्डर से जुड़ी हुई हैं। इनमें से तीन सड़कें बिहाली से कायसा, बिहाली से तलवाना बोर्डर और भूषण से धूमडोली न्यसराना। इन सड़कों को राजस्थान सरकार ने राजस्थान बोर्डर तक बनाया हुआ है। अध्यक्ष महोदय, वहां पर सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि जो रास्ते राजस्थान से कनैक्ट होते हैं वे मात्र 22 फुट चौड़े हैं और जो पालिसी पी०डब्ल्यू०डी० (बी० एण्ड आर०) की है उसके अनुसार जो सड़क 40 फीट चौड़ी होगी उसको ही रिपेयर किया जाएगा। सर, अगर 33 फीट भी सड़क चौड़ी होती है तो हम उसके बारे में कंसीडर कर लेते हैं। सर, सैक्शन 4 और 6 के नोटिस होने में काफी समय लग जाता है। सर, मैंने जिन तीन सड़कों का जिक्र किया है उनके अलावा जो सात सड़कें हैं वह राजस्थान सरकार ने बोर्डर तक नहीं बना रखी हैं। वहां पर दिक्कत यह है कि अगर हम सभी सड़कों को राजस्थान से कनैक्ट कर देते हैं तो वहां पर जो इल-लीगल कवरीज हैं वे बहुत ज्यादा चल रही हैं जिसकी वजह से हमारी सारी सड़कें टूट जाती हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर इनके यहां पर 10,000 आबादी वाला कोई ऐसा गांव है जो सड़क से जुड़ा हुआ नहीं है तो हम उस बारे में विचार कर सकते हैं लेकिन वहां पर कोई ऐसा गांव नहीं है जो ज्यादा आबादी वाला हो। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहता हूं कि आज हम इनके हल्के में 2 नई सड़कें बनाने जा रहें हैं। अध्यक्ष महोदय, अकोली से खोरना गांव है वहां पर 2.20 किलोमीटर की सड़क है। शोभापुर से राजस्थान बोर्डर तक सड़क है, जिस पर 5.55 लाख रुपए खर्च होंगे। इसके अलावा इनके हल्के में चार और सड़कें प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत इम्प्रूव कर रहे हैं, जिनपर लगभग 19 करोड़ रुपए का खर्चा होगा। जिसमें अटेली खेड़ी से राजस्थान बोर्डर तक, नारनौल से मढाणा अप-टू राजस्थान बोर्डर तक, महेन्द्रगढ़ से लेकर कनीना अटेली तक, इसी के साथ रेवाड़ी-नारनौल रोड, खोड़, सागरपुर, सीमा, रोडल अहीर की सड़कें भी आती हैं। इनकी चौड़ाई भी हम बढ़ा रहे हैं। हम इनकी चौड़ाई 12 फुट से बढ़ाकर 18 फुट तक कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, ऐसा कोई हल्का नहीं है जहां पर एक भी सड़क न बनी हो। ये जिस एक गांव शाहपुर दोयम की बात कर रहे हैं कि वहां पर कोई भी एप्रोच रोड नहीं है इनका

कहना सही है इसलिए मैं इनको आश्वासन देता हूं कि हम उस गांव की सड़क अवश्य बनवा देंगे क्योंकि उस गांव में कोई एप्रोच रोड नहीं है।

Digging of Ottu Lake

*822. **Dr. Sushil Indora :** Will the Irrigation Minister be pleased to state—

(a) whether the digging work of the Ottu Lake is in progress ;

(b) the time by which digging work of the above said lake is likely to be completed ;

(c) whether the environment in the vicinity of said lake is being polluted by digging work ; and

(d) if so, the steps taken to check the said pollution ?

Irrigation Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) :

(a) Yes, Sir. The work of digging of Ottu Lake under Phase-1 is in progress.

(b) The digging of Ottu Lake in an area of 325 acres under Phase-1 is in progress and will be completed by 15.3.2008. Therefore, the digging of Ottu Lake under Phase-II in balance area of 650 acres is likely to be commenced by 10.4.2008 and is scheduled to be completed by 30.6.2009.

(c) Yes, Sir. Due to running of dumpers, minor dust pollution takes place.

(d) Regular sprinkling of water is being done to contain the dust pollution.

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर साहब, ओटू झील की खुदाई एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात है। यह एक सीजनल नहर है। इसकी पानी की क्षमता बढ़ाने की बात कही गयी है। इसकी खुदाई पर 70 करोड़ रुपये का खर्च आएगा।

श्री अध्यक्ष : डॉ० साहब, आप यह बताएं कि ओटू लेक है या नहर है?

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, यह एक बरसाती नदी है और बरसाती नदी का पानी ही इसमें आता है। बग्गर नदी पर ओटू झील का निर्माण किया जाना है। इस झील को बनाने का मकसद पानी रोककर रिजरवायर बनाना है। चूंकि इसमें बरसाती पानी आता रहता है इसमें पानी का फ्लो कभी ज्यादा रहता है कभी कम रहता है जिस मकसद के लिए खुदाई की जा रही है कि इसकी मिट्टी निकालकर पानी रोक दिया जाए वह मकसद पूरा नहीं हो पाएगा।

श्री अध्यक्ष : डॉ० साहब, क्या इसमें पानी आ रहा है। आप फ्लो की बात कर रहे हैं फ्लो तो आलरेडी एग्जिस्ट करता है।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, इसमें पानी बहता है। इसमें पानी निकलता है लेकिन इस पानी के साथ-साथ मिट्टी भी आती है। वहां पर जब खुदाई करते हैं तो उसके बाद पानी के साथ फिर से मिट्टी आ जाती है। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इस खुदाई का मकसद क्या है? जो 70 करोड़ रुपये इस काम पर लगाए जा रहे हैं क्या उसका कोई फायदा है? क्या ऐसे प्रावधान किए गए हैं कि झील भी बन जाए और बरसाती पानी के साथ-साथ जो मिट्टी बहकर आती है वह भी न आए?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जो ओटू वियर झील है इसमें घग्गर का पानी आता है। यह करीबन सौ साल पुरानी झील है। इनकी सरकार के दौरान वर्ष 2000 में इन्होंने उसका कुछ जीर्णोद्धार किया था और 32 करोड़ रुपये इस पर खर्च किए थे। उस समय उसके चारों तरफ गेट भी लगा दिए गए थे और रैगुलेटर भी लगा दिये थे। अध्यक्ष महोदय, इस झील की लम्बाई 17142 फुट है जबकि इसकी चौड़ाई 3430 फुट है और इसकी गहराई 6 फुट है। अध्यक्ष महोदय, उस समय सबसे बड़ी कमी यह रह गयी थी कि इसकी डिसिल्टिंग नहीं करवायी थी जबकि 32 करोड़ रुपये खर्च कर दिये गए थे। अध्यक्ष महोदय, अगर गेट बन्द भी रखे जाएं तो भी जो पानी आता है वह आगे बह जाता है। घग्गर नदी के पानी में राजस्थान का एक पैसे का शेयर नहीं है, इसके टोटल पानी में पंजाब और हरियाणा का हिस्सा है। उसमें राजस्थान का कोई हिस्सा नहीं है। जब बरसात के दिनों में उसमें पानी आता है तो सारा पानी राजस्थान में चला जाता है। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की सरकार आने के बाद यह फैसला लिया गया कि वहां पर जो करीबन 6 छोटे-छोटे रजबाहे निकलते हैं जैसे नार्दन घग्गर और सदर्न घग्गर कैनाल, कस्बा माईनर तथा मंगला डायरैक्ट माईनर, शेरांवाली पैरलल डिस्ट्रीब्यूटरी, घग्गर सुखचैन लिंक और घग्गर बनी सदेवा तथा ममखेड़ा लिंक चैनल इनके बारे में हमने डिसिल्टिंग का फैसला लिया है। अगर इसका सारा पानी बह जाता है तो इस हिसाब से तो पिछली सरकार ने जो 32 करोड़ रुपया खर्च किया था वह वेस्ट हो गया। अब हम इसकी डिसिल्टिंग करवाकर 6 फुट गहरा कर रहे हैं और इस काम पर हम टोटली 59.68 करोड़ रुपया खर्च कर रहे हैं। पहले फेज में हमने इसकी 325 एकड़ डिगिंग आलमोस्ट कर दी है और मात्र 2 प्रतिशत काम बच गया है जो दूसरा फेज है उसमें 650 एकड़ के अंदर उसकी डिसिल्टिंग अप्रैल, 2008 में शुरू कर देंगे जिसकी सारी फोर्मैलिटीज कंप्लीट कर दी गई हैं। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने बोलते हुए एक बात और रख दी है कि डिसिलटिंग हो जाएगी, उसका भी हम समाधान कर रहे हैं। उसके लिए एक बांध झील के चारों और बनायेंगे, जिसकी वजह से जब सिल्ट आएगी वह बाहर रह जाएगी और पानी घग्गर में जाकर गिरेगा। इसमें हम क्रश भी बनाएंगे और उसके अलावा हम इसकी स्लजिंग भी कराएंगे जिससे कि इसमें जो सिल्ट आएगी उसकी भी साथ ही साथ स्लजिंग होती रहेगी। जो इनको अंदेशा है कि इसमें सिल्ट हो जाएगी, इस समस्या का भी समाधान कर रहे हैं। जितने रजबाहे हैं उनमें अगर पानी स्टोर होगा तो उनकी रीचार्जिंग होगी और उससे आसपास के किसानों को बड़ा फायदा होगा। रीचार्जिंग में वाटर लैवल ऊपर आएगा। दूसरी बात यह जो छह रजबाहे हैं उनके द्वारा

इरीगेशन भी होगी। इस समय इससे करीबन 18 हजार एकड़ फुट पानी हम दे सकेंगे जिससे एरिया की सिंचाई होगी। इससे बड़ा और कोई काम किसी सरकार के लिए हो नहीं सकता है। माननीय साथियों को इस काम की सराहना करनी चाहिए। इन साथियों ने 32 करोड़ रुपये भी खर्च किए थे फिर भी उसका पानी राजस्थान जाता था। अब इस काम से हरियाणा के लोगों को बड़ा भारी फायदा होगा।

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो माननीय मंत्री जी ने माननीय सदस्य के सवाल का जवाब देते हुए बड़ी तफसील से बताया है कि किस प्रकार से ओटू झील के माध्यम से हरियाणा प्रदेश की सरकार ने चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में एक दूरगामी सोच और नीति के तहत इसके दोबारा से निर्माण करने का निर्णय किया है। अध्यक्ष महोदय, यहां तो लोग छह-छह साल तक मुख्यमंत्री बने रहे परन्तु उनके अपने इलाके के अंदर जहां कि वे पैदा हुए और जो उनकी जन्म भूमि व कर्मभूमि रही, उसका भी उन्होंने निर्माण नहीं कराया। माननीय मंत्री जी ने बताया है कि जब यह निर्माण पूरा हो जाएगा तो 18 हजार एकड़ फुट पानी सिरसा के किसानों को मिला करेगा और 2311 क्यूसिक फिट पर सैकेंड की दर से मिलेगा। यह है किसी सरकार की सोच और उसका विजन। किसी सरकार के मुख्यमंत्री और किसी विभाग के मंत्री का विजन। मैं तो माननीय सदस्य को यह भी कहना चाहूंगा कि वैसे तो इन्होंने इस बात को सराहा है लेकिन इनको सरकार के इस दूरगामी निर्णय के लिए सरकार का धन्यवाद भी करना चाहिए।

Average Load of Electricity

***806. Dr. Sita Ram :** Will the Power Minister be pleased to state the average load of electricity of different feeders before and after the installation of C.F.L. Tubes in district Sirsa during the year 2007 ?

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala) : Sir, the district has 234 Nos. 11 KV Feeders. Reduction in load has been observed in the feeders after introduction of CFL lighting. Sample analysis/conducted on the basis of load recorded during evening peak hours has indicated that there is reduction ranging from 2% to 60% in these feeders compared to the load of the corresponding period of the previous year. This is in spite of load growth in these feeders. Details of study are placed on the table of the House.

Details

Sr. No.	Name of 11 KV feeder	Average Gen. Load recorded during Jul.-06 before provision of CFL (Amp.)	Average Gen. load recorded in Jul-07 after provision of CFL (Amp.)	Average Load reduced %age
1.	City Feeder	210	180	14.29
2.	Hisar Road IInd Feeder	160	155	3.13
3.	Kirty Nagar Feeder	120	95	20.83

[Shri Randeep Singh Surjewala]

Sr. No.	Name of 11 KV feeder	Average Gen. Load recorded during Jul.-06 before provision of CFL (Amp.)	Average Gen. load recorded in Jul-07 after provision of CFL (Amp.)	Average Load reduced %age
4.	Hissar Road I Feeder	240	235	2.08
5.	Mini Sect. Feeder	130	60	53.85
6.	Bharat Nagar Feeder	110	80	27.27
7.	Civil Hospital Feeder	150	125	16.67
8.	Shiv Chowk Feeder	140	130	7.14
9.	M-I	190	160	15.79
10.	M-II	175	155	11.43
11.	Alikan	148	130	12.16
12.	Bijuwali	85	40	52.94
13.	Gori Wala	60	40	33.33
14.	Keharwala (Urban)	15	10	33.33
15.	Bhuna Chakkan feeder	60	35	41.67
16.	Kariwala Mandi	30	20	33.33
17.	Jiwan Nagar Mandi	50	20	60.00
18.	Talwara feeder	50	30	40.00
19.	Lakhji Dhani	15	10	33.33
20.	Ottu feeder	40	30	25.00
21.	City feeder	130	95	26.92
22.	Panihari feeder	55	52	5.45
23.	Dabar feeder	20	18	10.00
24.	Dera Sacha Soda	45	40	11.11

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि सी०एफ०एल० ट्यूब्स लगने से डिफरैंट फीडर्स पर अब लोड कितना है और उससे पहले कितना लोड था? यह ठीक है कि सी०एफ०एल० ट्यूब्स लगाने से लोड घटा है। जब हमारे जिले में सी०एफ०एल० ट्यूब्स लगवाई जा रही थीं तब कहा गया था कि आपके घरों में लोड घटेगा और लोड घटने से बिजली के बिल कम होंगे। लेकिन जब ये सी०एफ०एल० लगा दी गई तो जहां पहले लोगों के बिजली के बिल एक हजार रुपये की दर से आते थे वह दो हजार रुपये के आने लग गए। एक-एक और दो-दो किलोवाट लोड बढ़ाकर बिल भेज दिए गये। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि सरकार ने उपभोक्ता के साथ एक बहुत बड़ा अन्याय किया है। क्या सरकार इस सारे मामले की जांच करवायेगी कि ये सभी गलत बिल उपभोक्ता के पास क्यों

भेजे गये? उन अधिकारियों के खिलाफ सरकार क्या कार्यवाही करेगी? दूसरा मेरा प्रश्न यह है कि सी०एफ०एल० बल्ब और ट्यूब खरीदे गये हैं अगर वे खराब हो जाते हैं तो जब उपभोक्ता उनको बदलवाने के लिए जाता है तो उसको बदलवाने के लिए दस रुपये या पांच रुपये कमीशन देना पड़ता है। क्या सरकार इस मामले की भी जांच करवायेगी? यह मैं माननीय मंत्री महोदय से आश्वासन चाहता हूं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, डॉक्टर सीताराम जी बहुत बुद्धिमान व्यक्ति हैं। यह बात तो सर्वविदित है कि सी०एफ०एल० बल्ब, ट्यूब तथा दूसरे इक्विपमैंट लगने से बिजली के बिलों में कमी आई है फिर भी माननीय सदस्य ने एक बात रखी है मैं उनका आदर करता हूं और उनसे कहना चाहता हूं कि माननीय सदस्य किसी उपभोक्ता के घर का कोई एक स्पैसिफिक इन्सटान्स लिखकर भेज दें हम उसकी जांच अवश्य करवा देंगे। मैं माननीय सदन को बताना चाहूंगा कि माननीय सदस्य ने इस बारे में आज तक न तो माननीय मुख्यमंत्री जी को लिखकर कोई पत्र भेजा है और न ही मुझे इस बारे में कभी कोई पत्र लिखा है या दूरभाष पर बात की है जिसमें कोई एक उदाहरण दिया हो कि अमुक व्यक्ति के सी०एफ०एल० बल्ब या ट्यूब लगने के बाद उसका बिजली का बिल बढ़ा है। यह इस बारे में यदि स्पैसिफिक लिखकर भेजेंगे तो सरकार उसके बारे में जांच अवश्य करवायेगी। जहां कहीं भी कोई ऐसी बात होगी उसको दुरुस्त भी करवा लेंगे।

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में सिरसा में रोड पर काफी प्रदर्शन हुए थे और लोगों ने रोड को जाम कर दिया था। इस बारे में राज्यपाल महोदय को एक ज्ञापन भी दिया था। लोगों की भावनाओं को राज्यपाल महोदय के माध्यम से सरकार तक पहुंचा दिया गया है लेकिन मंत्री जी यह कह रहे हैं कि हमें इस बारे में ज्ञान नहीं है। मैं यह कहता हूं कि 90 प्रतिशत लोगों के घरों के बिल बढ़कर आये हैं। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार इस मामले की जांच करवायेगी?

श्री अध्यक्ष : डाक्टर साहब, आप कोई स्पैसिफिक उदाहरण देकर मंत्री जी को लिख देना कि उस गांव में ऐसा हुआ है।

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, सिरसा जिले के सभी गांवों में बिजली के बिल बढ़कर आये हैं।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, मंत्री जी इस बात को चैक करवा लेना।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, डाक्टर सीता राम जी कोई स्पैसिफिक इन्सटान्स लिखकर भिजवा दें हम उसकी पूरी जांच करवायेंगे और उसके बारे में डॉक्टर सीताराम जी को वापिस सूचित भी करूंगा।

श्रीमती सुमिता सिंह : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि हम सभी जानते हैं कि सी.एफ.एल. बल्ब या ट्यूब लगने से बिजली के बिल कम हुए हैं क्योंकि इनसे बिजली की कंजम्पशन कम होती है। क्या मंत्री जी बतायेंगे कि क्या सरकार ऐसी योजना बनाने के बारे में सोच रही है जिससे कम से कम शाम को मार्केट की दुकानों, शापिंग कम्पलैक्स और माल हैं उनमें भी इन सी०एफ०एल० बल्ब और ट्यूब कम्पलसरी लगाये जाने चाहिएं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, नॉन रिन्यूवेबल इनर्जी डिपार्टमैंट ने इस बारे में यह इन्सट्रक्शंज जारी कर दी हैं। लेकिन पहले फेस में केवल सरकारी बिल्डिंगज में ही ये सी०एफ०एल० बल्ब और ट्यूब लगाये जायेंगे। भारत सरकार के स्तर पर एक कमेटी बनाई गई है जो इस बारे में विचार करेगी कि इन सी०एफ०एल० बल्ब और ट्यूब को डिसपोज ऑफ कैसे किया जाये। For the time being distribution companies CFL bulb खराब होने पर वापिस ले लेती हैं। जैसे ही उस कमेटी में डिसपोज ऑफ के बारे में फैसला हो जायेगा तो सारे सरकारी विभागों में सी.एफ.एल. बल्ब लगाने की नीति को इम्लीमेंट कर देंगे और उसके बाद धीरे-धीरे इसका विस्तार करेंगे। वैसे हमने अभी दो जिलों में यह काम शुरू कर दिया है। यह कोर्सिव की बजाए पार्टिसिपेटरी स्कीम बने ताकि बिजली की बचत हो और इलेक्ट्रिकल इक्विपमैंट का ज्यादा यूज करें। बल्ब और ट्यूब का इस्तेमाल करें जिससे बिजली की बचत को बढ़ावा मिले। यह सरकार की नीति है।

श्री रामकिशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि सी०एफ०एल० के लगाने से पहले कितने बिल आते थे और लगाने के बाद बिल कितने बढ़े या घटे हैं और कितनी बिजली की यूनिट घटी हैं। क्या लोगों को कोई फायदा हुआ है या नहीं?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अभी पूरे हरियाणा के अन्दर सी.एफ.एल. इस्तेमाल करने शुरू नहीं हुए हैं। सी.एफ.एल. के ट्यूब और बल्ब लगाने के लिए नान रिन्यूवेबल इनर्जी विभाग इसके इस्तेमाल को प्रोमोट कर रहा है और इस स्कीम को प्रोमोट करने के लिए पूरे देश में बिजली बचत और खपत दोनों को लेकर चिन्ता है। हमने सभी सरकारी विभागों में नोटिफिकेशन के माध्यम से सी.एफ.एल. यूज करना कम्पलसरी किया है लेकिन इसका पूरा क्रियान्वयन अभी नहीं हो पाया है। इसके क्रियान्वयन की कार्यवाही चालू है। जहां तक पूरे हरियाणा के फिगर्स का सवाल है इस समय ये फिगर्स उपलब्ध नहीं हैं कि सी.एफ.एल. के इस्तेमाल के बाद का डाटा क्या आया है चूंकि आप फीडर्स का स्पैसिफिक डाटा मांगेंगे तो इस बारे में आप लिखकर दें तो मैं उससे पहले के एवरेज बिलिंग लिखवाकर वापिस आपको भिजवा दूंगा।

Regional Centre at Phool Singh Women University in Narnaul

***813. Sh. Radhey Shyam Sharma Amar :** Will the Education Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set-up a regional centre of Bhagat Phool Singh Women University in Narnaul City or in its rural area ; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to set-up a Yoga University in Narnaul area ?

Education Minister (Sh. Mange Ram Gupta) :

(a) No, Sir.

(b) No, Sir.

श्री राधे श्याम शर्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, हमारे क्षेत्र में लड़कियों की संख्या बढ़ रही है, गवर्नमैंट कालेजिज इस जिले में सबसे ज्यादा हैं और हम रीजनल सैंटर के लिए 200 एकड़ जमीन फ्री देने के लिए तैयार हैं। हमारा क्षेत्र शांडिल्य ऋषि, महर्षि चवन और आज के योगगुरु रामदेव की कर्म भूमि है, हमारे यहां कोई रीजनल सैंटर नहीं है, किसी का सैंटर नहीं है लेकिन मंत्री जी ने अपने उत्तर में सीधा 'नो सर' कह दिया है और इस पर जरा भी विचार नहीं किया। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि यहां पर रीजनल सैंटर खोलने बारे कोई विचार क्यों नहीं किया गया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आपका सवाल है whether there is any proposal under consideration. कंसीडरेशन में बता दिया "नहीं है"। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राधे श्याम शर्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने सीधा जवाब दे दिया 'नो सर'। इस पर विचार नहीं किया कि यह सवाल क्यों किया है इन्होंने कह दिया 'नो सर' और कागज फैंक दिया। कुछ तो इसके बारे में विचार करते कि इतनी सुविधाएं, पैसा हमारे यहां लगा हुआ है, छोटा सा रीजनल सैंटर वहां बना दें उसके लिए हम 200 एकड़ जमीन भी दे रहे हैं। हमसे इतना भेदभाव क्यों किया जा रहा है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि जो भगत फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में है वह एक नान एफीलेयटिंग यूनिवर्सिटी है। जहां तक दक्षिणी हरियाणा का प्रश्न है, आपके इलाके और उसके चारों ओर के इलाके की शिक्षा की सुविधाओं का प्रश्न है, मैं माननीय सदस्य को और पूरे सदन को बताना चाहता हूं कि मानेसर में नैशनल लॉ यूनिवर्सिटी के लिए हरियाणा सरकार ने लॉ मिनिस्ट्री से ऑलरेडी अनुमति ले ली है और इसके लिए 25 एकड़ जमीन हमने लॉ मिनिस्ट्री को ऑफर की है और वहां राष्ट्रीय लॉ यूनिवर्सिटी बनाई जाएगी। इसके अलावा इस बजट के अन्दर हमारी यू.पी.ए. की सरकार के वित्त मंत्री ने कहा था कि हम बहुत सी नई सैंट्रल यूनिवर्सिटीज खोल रहे हैं। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने आलरेडी शिक्षा विभाग के अधिकारियों को हुक्म दे दिया था कि हमने हरियाणा के अंदर जो सैंट्रल यूनिवर्सिटीज खोलनी है और इसके लिए जो 3 साइटस चुनी जानी हैं उनमें से पहली साइट जो चुनी है वह महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी का सैंटर, मीरपुर जिला रिवाड़ी है जो कप्तान साहब की कांस्टीच्युंसी है और इनके पड़ोस में है। हमने आग्रह किया है कि सबसे पहली साइट जब आप चुने तो वहां एक केन्द्रीय यूनिवर्सिटी खोलने के लिए चुनें। इसके अलावा दूसरी और तीसरी आप्शन के लिए राजीव गांधी एजुकेशन सिटी, कुण्डली और फरीदाबाद को चुना है मुझे उम्मीद है कि जैसे ही भारत सरकार हरियाणा में केन्द्रीय यूनिवर्सिटी खोलने का निर्णय करेगी तो एक और यूनिवर्सिटी शायद आपकी तरफ आ जाएगी और हम नैशनल यूनिवर्सिटी ऑलरेडी मानेसर में खोल रहे हैं।

Filling up the vacant posts of Doctors in District Bhiwani

*825. **Shri Ranbir Singh Mahendra :** Will the Health Minister be pleased to state :—

[Shri Ranbir Singh Mahendra]

(a) the number of the sanctioned posts of the doctors in each Hospital, Primary Health Centre and Community Health Centre etc. in District, Bhiwani together with the names of the doctors who are posted therein and the number of posts lying vacant and since when such posts are lying vacant ; and

(b) the time by which the said vacant posts are likely to be filled up ?

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी) : श्रीमान् जी,

(क) सूचना सदन के समक्ष तालिका भाग-1 तथा 2 पर वर्णित है ।

(ख) 232 चिकित्सा अधिकारियों (जिसमें जिला भिवानी के 85 पद सम्मिलित हैं) के रिक्त पदों को भरने के लिए मांग-पत्र हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को भेज दिया है । जैसे ही चयन सूची प्राप्त होगी डाक्टरों के रिक्त पदों को भरने के लिए कार्यवाही आरम्भ कर दी जायेगी । वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों के रिक्त पदों को सीधी भर्ती द्वारा भरने के लिए कार्यवाही प्रक्रियाधीन है ।

तालिका-I

जिला भिवानी की स्टाफ स्थिति

क्र० सं०	पद नाम/संस्था	स्वीकृत	भरे हुए	रिक्त
	सिविल सर्जन, कार्यालय			
1.	सिविल सर्जन, भिवानी	1	1	--
2.	जिला चिकित्सा अधिकारी	1	1	--
3.	जिला स्वास्थ्य अधिकारी	1	1	--
4.	जिला प्रतिरक्षण अधिकारी	1	1	--
5.	जिला परिवार कल्याण अधिकारी	1	1	--
6.	जिला मलेरिया अधिकारी	1	1	--
7.	जिला प्रशिक्षण अधिकारी	1	--	1
8.	जिला स्कूल चिकित्सा अधिकारी	1	--	1
9.	जिला क्षयरोग अधिकारी	1	1	--
	सामान्य अस्पताल			
1.	प्रधान चिकित्सा अधिकारी	1	1	--
2.	सामान्य अस्पताल, भिवानी			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	3	4	--
	चिकित्सा अधिकारी	24	14	10

क्र० सं०	पद नाम/संस्था	स्वीकृत	भरे हुए	रिक्त
3.	पी०पी०सी० भिवानी	2	1	1
4.	रविम्पिग सैन्टर, भिवानी	1	1	--
5.	सामान्य अस्पताल, सिवानी	2	2	--
6.	सामान्य अस्पताल, दादरी			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	1	1	--
	चिकित्सा अधिकारी	9	4	5
7.	सामान्य अस्पताल, बवानी खेड़ा	2	1	1
8.	सामान्य अस्पताल, देवराला	2	--	--
9.	के०एल० जालान आई० अस्पताल			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	1	1	--
	चिकित्सा अधिकारी	2	2	--
	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र			
1.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बौन्द कलां			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	1	--	--
	चिकित्सा अधिकारी	4	1	3
2.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, धनाना			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	1	--	1
	चिकित्सा अधिकारी	2	1	1
3.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, गोपी			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	1	--	1
	चिकित्सा अधिकारी	4	--	4
4.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, झोझू कलां			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	1	1	--
	चिकित्सा अधिकारी	2	--	2
5.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कैरू			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	1	--	1
	चिकित्सा अधिकारी	4	--	4
6.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लोहारू			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	1	1	--
	चिकित्सा अधिकारी	5	3	2

[बहिन करतार देवी]

क्र० सं०	पद नाम/संस्था	स्वीकृत	भरे हुए	रिक्त
7.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मानेहरू			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	1	1	--
	चिकित्सा अधिकारी	4	2	2
8.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मिरान			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	1	1	--
	चिकित्सा अधिकारी	4	2	2
9.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, तोषाम			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	1	1	--
	चिकित्सा अधिकारी	4	2	2
	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र			
1.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अचीना	2	1	1
2.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अलखपुरा	2	2	--
3.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बाढड़ा	2	1	1
4.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बहल	2	--	2
5.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बलकरा	2	1	1
6.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बामला	2	1	1
7.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बड़वा	2	2	--
8.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बीरन	1	--	1
9.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चांग	1	1	--
10.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, छपार	2	1	1
11.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ढाणी माहू	2	--	2
12.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दिनौद	2	1	1
13.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गुरेरा	2	1	1
14.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हड़ोदी	2	--	2
15.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जमालपुर	2	1	1
16.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, झूण्डा कलां	2	1	1
17.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जुई	2	--	2
18.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कादमा	2	2	--
19.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, खरक कलां	2	2	--
20.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, लीलस	2	1	1

क्र० सं०	पद नाम/संस्था	स्वीकृत	भरे हुए	रिक्त
21.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, माई कलां	2	1	1
22.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मानकावास	2	1	1
23.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नकीपुर	2	1	1
24.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुर	2	—	2
25.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रानिला	2	1	1
26.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सन्तोखपुरा	2	—	2
27.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सांवड़	2	1	1
28.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सोहासड़ा	2	—	2
29.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सूई	2	2	--
30.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ढीगावा	2	—	2
31.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, तालू	2	—	2
	डिस्पैंसरीज			
1.	सिविल डिस्पैंसरी, दादरी	2	—	2
2.	टी०बी० क्लीनिक	1	1	--
3.	हुडा डिस्पैंसरी, भिवानी	1	1	—
4.	मोबाईल डिस्पैंसरी, भिवानी	3	—	3
5.	स्पैशल मोबाईल डिस्पैंसरी, भिवानी	1	—	1
6.	जिला जेल, भिवानी	2	1	1
7.	रूरल डिस्पैंसरी, बुसान (भिवानी)	1	—	1

तालिका-II

जिला भिवानी की स्टाफ स्थिति

क्र० सं०	पद नाम/संस्था	डॉक्टर का नाम	नियुक्ति की तिथि	कब से
	सिविल सर्जन कार्यालय			
1.	सिविल सर्जन, भिवानी	डॉ० खजान सिंह	3.1.07	—
2.	जिला चिकित्सा अधिकारी	डॉ० रणदीप सिंह पूनिया	2.11.07	--
3.	जिला स्वास्थ्य अधिकारी	डॉ० के०के० बसोतिया	31.10.05	—
4.	जिला प्रतिरक्षण अधिकारी	डॉ० एल०एल० बुन्देला	14.11.05	—
5.	जिला परिवार कल्याण अधिकारी	डॉ० करणी सिंह राठौर	7.9.07	—

[बहिन करतार देवी]

क्र० सं०	पद नाम/संस्था	डॉक्टर का नाम	नियुक्ति की तिथि	कब से
6.	जिला मलेरिया अधिकारी	डॉ० रोताश तुरकीया	13.7.07	--
7.	जिला प्रशिक्षण अधिकारी	--	--	4 मास
8.	जिला स्कूल चिकित्सा अधिकारी	--	--	4 मास
9.	जिला क्षयरोग अधिकारी	डॉ०ए०एस० गुप्ता	12.11.05	अण्डर ट्रांसफर
	सामान्य अस्पताल			
1.	प्रधान चिकित्सा अधिकारी	डॉ० आर०एस० दलाल	12.11.05	--
2.	सामान्य अस्पताल, भिवानी			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	डॉ० आर०एस० सिवाच	15.10.05	
		डॉ० आर०पी० शर्मा	28.11.98	
		डॉ० एच०एस० झांझड़िया	14.12.07	
		डॉ० रविन्द्र सिंह पूनिया	24.4.06	
	चिकित्सा अधिकारी	डॉ० एन०के० गर्ग	18.11.99	
		डॉ० अनिल चौधरी	24.10.03	
		डॉ० एडविन	23.10.07	
		डॉ० एन०के० वर्मा	4.10.04	
		डॉ० अनिल शर्मा	24.10.02	
		डॉ० वेद कुमार	28.7.05	
		डॉ० एस०एस० धनखड़	26.7.07	
		डॉ० टी०एस० बागड़ी	31.10.06	
		डॉ० दिनेश कुमार	9.2.08	
		डॉ० संध्या गुप्ता	8.8.05	
		डॉ० नताशा मलिक	4.5.07	
		डॉ० राजेश	21.11.07	
		डॉ० तेजपाल शर्मा	23.10.07	
		डॉ० अमृता भारद्वाज	10.2.08	
3.	पी०पी०सी० भिवानी	डॉ० मीना बारबर	15.12.92	
4.	रिम्पिंग सैन्टर, भिवानी	डॉ० सरोज रावत	11.11.05	

क्र० सं०	पद नाम/संस्था	डॉक्टर का नाम	नियुक्ति की तिथि	कब से
5.	सामान्य अस्पताल, सिवानी	डॉ० क्रीति राज	6.9.07	
		डॉ० रीतू नान्दल	6.9.07	
6.	सामान्य अस्पताल, दादरी			दो पद
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	डॉ० हीरा लाल बैनीवाल	18.9.06	6 मास से रिक्त हैं
	चिकित्सा अधिकारी	डॉ० ईश्वर सिंह	27.7.05	
		डॉ० एस०के० गुप्ता	31.8.05	दो पद
		डॉ० अनिता गुलिया	26.11.02	5 वर्ष से रिक्त हैं
		डॉ० ज्योति कादयान	18.5.07	30.5.07 से अनुपस्थित
7.	सामान्य अस्पताल, बवानी खेड़ा	डॉ० भूपेन्द्र सिंह	22.1.08	दो वर्ष से रिक्त
8.	सामान्य अस्पताल, देवराला	—	—	एक वर्ष से रिक्त
9.	के०एल० जालान आई० अस्पताल, भिवानी			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	डॉ० रमेश धनखड़	29.9.02	
	चिकित्सा अधिकारी	डॉ० हेमन्त सिंह	25.11.05	
		डॉ० एन०के० बतरा	7.5.03	
	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र			
1.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बौन्द कलां			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	—		एक मास
	चिकित्सा अधिकारी	डॉ० निहाल चन्द सौलंकी	8.12.07	से
2.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, धनाना			ज्वाईन नहीं किया
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	डॉ० एस०के० गुप्ता	—	
	चिकित्सा अधिकारी	डॉ० अमित वर्मा	15.5.07	एक पद 5 वर्ष से
3.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, गोपी			एक वर्ष से
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	—	—	तीन पद 5
	चिकित्सा अधिकारी	—	—	वर्ष से

[बहिन करतार देवी]

क्र० सं०	पद नाम/संस्था	डॉक्टर का नाम	नियुक्ति की तिथि	कब से
4.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, झोझू कलां			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	डॉ० उमेद सिंह दिसोदिया	2.11.07	--
	चिकित्सा अधिकारी	--	--	एक पद दो वर्ष से
5.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कैरू			एक पद 3
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	--	--	वर्ष से
	चिकित्सा अधिकारी	--	--	तीन पद 5 वर्ष से
6.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लोहारू			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	डॉ० कमल सिंह	16.10.07	--
	चिकित्सा अधिकारी	डॉ० युद्धवीर सिंह	21.9.07	
		डॉ० सुनीता कुमारी	21.9.07	
		डॉ० नरेन्द्र लोहरा	11.1.08	
		डॉ० दारा सिंह	ज्वाईन नहीं किया	दो पद 3 माह से
		डॉ० नरेन्द्र सिंह		स्थानान्तरण उपरान्त नहीं
7.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मानेहरू			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	डॉ० ए०के० बिन्दल	9.5.06	
	चिकित्सा अधिकारी	डॉ० डी०पी० यादव	9.6.07	दो पद 5 मास से रिक्त
		डॉ० सुमन फोगाट	5.1.2000	20.11.05 से अनुपस्थित
8.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मिरान			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	डॉ० विनोद खन्ना	29.8.06	एक पद

क्र० सं०	पद नाम/संस्था	डाक्टर का नाम	नियुक्ति की तिथि	कब से
	चिकित्सा अधिकारी	डॉ० विवेक श्योराण डॉ० ममता रानी (31.3.08)	20.11.07 19.11.04	1.9.06 से रिक्त एक पद दो वर्ष से
9.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, तोशाम			
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	डॉ० बलजीत सिंह	8.2.08	एक पद 3 मास से
	चिकित्सा अधिकारी	डॉ० जयवीर शर्मा डॉ० नीरज इन्दौरा डॉ० अतूल खेड़ा	18.6.07 10.7.06 12.8.05	तथा एक पद 12.8.05 से खाली
	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र			
1.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अचीना	डॉ० टीका राम	28.6.02	4 मास से
2.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अलखपुरा	डॉ० बलवान सिंह डॉ० कुनाल लाठर	23.7.07 25.6.07	--
3.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बाढरा	डॉ० महिन्द्र सिंह	21.10.05	एक पद दो वर्ष से
4.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बड़ल			दो पद 2 वर्ष से
5.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बलकरा	डॉ० पवन चौधरी	8.2.08	एक पद पिछले 5 वर्ष से
6.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बामला	डॉ० संजय सचदेवा	22.7.04	एक पद 6 मास से
7.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बड़वा	डॉ० हरेन्द्र कुमार डॉ० ज्ञानेन्द्र सिंह	9.11.2000 16.2.06	
8.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बीरण			एक पद दस मास से
9.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चांग	डॉ० राकेश टांक	15.5.07	--
10.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, छपार	डॉ० सोनिया दहिया	3.12.07	एक पद पिछले 5 वर्ष से

[बहिन करतार देवी]

क्र० सं०	पद नाम/संस्था	डॉक्टर का नाम	नियुक्ति की तिथि	कब से
11.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ढानी माहू			एक पद 6 मास से तथा एक पद 8/07 से नया सृजित
12.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दिनौद	डॉ० कुलवन्त डाबला	8.2.08	एक पद 2 मास से
13.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गुरेरा	डॉ० इन्द्रजीत सिंह	21.8.07	एक पद 4 मास से रिक्त
14.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हड़ोदी	--	--	एक पद पिछले 4 मास से एक पद 3 वर्ष से
15.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जमालपुर	डॉ० जितेन्द्र कुमार	18.10.03	एक पद पिछले 4 साल से
16.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, झूम्पा कलां	डॉ० सुनील कुमार	1.7.02	एक पद पिछले 5 वर्ष से
17.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जूई	डॉ० सीमा वर्मा	4.5.07	एक पद पिछले 4 मास से
18.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कादमा	डॉ० नरेन्द्र कुमार डॉ० ममता	12.9.06 2.7.06	--
19.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, खरक कलां	डॉ० सारिका डॉ० रोहित कपूर	3.7.06 11.9.07	--
20.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, लीलस	डॉ० सुखबीर सिंह	3.7.06	एक पद 19.11.07 से रिक्त

क्र० सं०	पद नाम/संस्था	डॉक्टर का नाम	नियुक्ति की तिथि	कब से
21.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, माई कलां	डॉ० राहूल राठी	11.2.04	एक पद 3 वर्ष से
22.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मानकावास	डॉ० सतीश कुमार सांगवान डॉ० किरन मीत सिंह ज्वाईन नहीं किया है	31.8.07	
23.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नकीपुर	डॉ० हेमन्त कृष्ण	4.7.06	एक पद 1.10.07 से रिक्त है
24.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुर	--	--	एक पद 15.9.07 से रिक्त एक पद दो वर्ष से
25.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रानिला	डॉ० एम०एस० सिन्धू	14.2.02	एक पद पिछले 5 वर्ष से
26.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सन्तोखपुरा	--	--	एक पद पिछले दो वर्ष से तथा एक पद पिछले 6 मास से रिक्त
27.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सांवड	डॉ० कृष्णा मलिक	14.6.02	एक पद 4 वर्ष से रिक्त
28.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सोहासड़ा	--	--	दो पद 5 मास से रिक्त
29.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सूई	डॉ० सुनीता कुमारी डॉ० राकेश अरोड़ा	17.8.07 29.9.07	—
30.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ढीगावा	--	--	दो नये पद 10/07 से सृजित हैं

[बहिन करतार देवी]

क्र० सं०	पद नाम/संस्था	डॉक्टर का नाम	नियुक्ति की तिथि	कब से
31.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, तालू	--	--	दो नये पद 10/07 से सृजित हैं
	डिस्पैंसरीज			
1.	सिविल डिस्पैंसरी, दादरी	--	--	दो नये पद 10/07 से सृजित हैं
2.	टी०बी० क्लीनिक	डॉ० राज कुमार	11.5.07	--
3.	हुड्डा डिस्पैंसरी, भिवानी	डॉ० यतिन गुप्ता	8.10.03	--
4.	मोबाईल डिस्पैंसरी, भिवानी			एक पद 3 वर्ष से रिक्त
5.	स्पैशल मोबाईल डिस्पैंसरी, भिवानी			दो पद 3 वर्ष से
6.	जिला जेल, भिवानी	डॉ० रमिन्द्र सांगवान	26.2.02	एक पद 3 वर्ष से रिक्त
7.	रूरल डिस्पैंसरी, बुसान भिवानी			एक पद 10.2.08 से रिक्त है

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को यह भी बताना चाहती हूं कि डाक्टरों के कितने पद खाली हैं यह सूचना तो सदन के पटल पर तालिका क और ख में वर्णित की गई है । पूरे हरियाणा में 232 डॉक्टरों के पद खाली हैं उसके लिए हमने रिक्वीजिशन हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन को भेज रखी है और जैसे ही वहां से सिलैक्शन होकर लिस्ट आ जाएगी इन डॉक्टर्ज की भर्ती का काम शुरू कर दिया जाएगा । डाक्टर्ज की कमी तो शुरू से चल रही है । पिछली सरकार के बाद हमने आकर देखा कि 500 से ज्यादा डॉक्टर्ज की कमी थी, हमने दो बार डॉक्टर्ज की भर्ती की है, डैंटल सर्जन की अब कोई कमी नहीं रही लेकिन दूसरे मैडीकल ओफिसर्ज के जो पद रिक्त हैं वे गांवों में रिक्त हैं । डाक्टर्ज को जब गांवों में पोस्टिंग देते हैं तो वे गांवों में जाना नहीं चाहते ! इस समय 68 डाक्टर्ज ऐसे हैं जो एबसैंट चल रहे हैं । हमने 232 डाक्टर्ज के पदों की भर्ती करने के लिए रिक्वीजीशन फिर से भेज रखी है । जैसे ही डॉक्टर्ज सिलैक्ट होकर आ जायेंगे हम उनको खाली जगहों पर पोस्टिंग दे देंगे । मैं सभी माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगी कि हमारी सरकार लोगों की हैल्थ के बारे में पूरी तरह से चिंतित है और हम जानते हैं कि डाक्टर्ज के बिना हम लोगों को परोपर मैडीकल सुविधा नहीं दे सकते । मैं माननीय सदस्य

को आश्वासन देना चाहूंगी कि इनके यहां डाक्टर्ज के जो 85 पद खाली हैं उनको जल्दी से जल्दी भरा जायेगा।

श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि इन्होंने चार्ट में जो डिटेल दी है इनमें से प्राईमरी हैल्थ सैंटरज़ और सी०एच०सीज० में से कितने डॉक्टर शहरों में आ बैठे हैं?

बहिन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगी कि हमने शहरों में डॉक्टर नहीं भेजे हैं बल्कि जिन पी०एच०सीज० में कोई डॉक्टर नहीं है उनमें हम शहरों में जो डॉक्टर पोस्टिड हैं उनकी ड्यूटी लगाकर उन्हें वहां भेजते हैं। मेरे माननीय साथी के यहां चार एस०एम०ओज० के पद खाली हैं वे जल्दी ही सीनियोरिटी के हिसाब से परमोशन करके भर दिए जायेंगे।

श्री सोमवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम पिछले तीन साल से बार-बार यही प्रश्न पूछते आ रहे हैं और सरकार की तरफ से जवाब आता है कि भर्ती चल रही है जल्दी ही डॉक्टर्ज की पोस्टें भर दी जायेंगी। हमारे यहां बहल के अंदर दो डाक्टर्ज की पोस्टें हैं और वे दोनों पोस्टें खाली पड़ी हैं। बहल बहुत बड़ा कस्बा है लेकिन वहां पर पिछले दो साल से एक भी डाक्टर नहीं है। इसी तरह से सुहासड़ा गांव में भी दो डॉक्टर्ज की पोस्टें हैं वहां भी दोनों पोस्टें खाली पड़ी हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि क्या कारण है कि हरियाणा में 20 जिलों में 232 डॉक्टर्ज की पोस्टें खाली हैं जिनमें से केवल भिवानी जिले में 85 डॉक्टर्ज की पोस्टें खाली हैं?

बहिन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगी कि पहले जहां-जहां डॉक्टर्ज की कमी थी वहां पर डॉक्टर्ज की पोस्टिंग की गई थी। लेकिन उनमें से कई जगहों पर किसी न किसी कारणवश डाक्टर्ज अपनी ड्यूटी से एबसैंट हो गये हैं। इस समय कुल 68 डॉक्टर्ज एबसैंट हैं और कुछ डॉक्टर अपनी नौकरी से इस्तीफा देकर चले गये हैं। वे ऐसा इसलिए करते हैं कि वे गांवों की बजाय शहरों में बड़े हास्पिटल्ज में नौकरी करना चाहते हैं। डॉक्टर्ज को गांवों की तरफ कैसे भेजा जाये इस बारे में हमारी सरकार विचार कर रही है। (शोर एवं व्यवधान) जहां-जहां पर पोस्टें खाली हैं वे कब तक भर दी जायेंगी इस बारे में मैं अभी आश्वासन नहीं दे सकती।

श्रीमती सुमिता सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि करनाल में एक ट्रॉमा सैंटर बनाया गया है लेकिन वहां पर अलग से डॉक्टर नहीं लगाया गया है। जो करनाल सिविल हस्पताल के डॉक्टर्ज हैं उनमें से ही डॉक्टर वहां जाते हैं। इस कारण वहां बहुत प्रोब्लम हो रही है। क्या मंत्री जी बतायेंगे कि कोई ऐसा प्रोविजन किया जायेगा ताकि करनाल ट्रॉमा सैंटर के लिए अलग से डॉक्टर की भर्ती की जा सके।

बहिन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, सभी सवालों का एक ही जवाब है कि डॉक्टर्ज की चारों तरफ कमी है। जहां-जहां भी ट्रॉमा सैंटर बनाये गये हैं उनमें डॉक्टर्ज की कमी है। लेकिन मैं मेरी माननीय सदस्या को बताना चाहूंगी कि तीन-चार दिन पहले एक बहुत ही अच्छे औरथो सर्जन की पोस्टिंग इनके यहां की गई है।

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, कई माननीय सदस्यों ने जिज्ञासा रखी है उनको मैं आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]
जी द्वारा माननीय हैल्थ मंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश की जनता को अच्छी हैल्थ सर्विसिज दी जायेंगी । जिस समय वर्ष 2005 में हमारी सरकार आई उस समय पैरा मैडीकल स्टाफ के अधिकतर पद खाली पड़े थे । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को बताना चाहूंगा कि जब हमने सरकार सम्भाली उस समय 107 पद सीनियर मैडीकल आफिसर के, 198 पद मैडीकल आफिसर के, 185 पद डैंटल सर्जन के, 289 पद फार्मासिस्ट के और 400 पद स्टाफ नर्सिज के खाली थे । हमारी सरकार ने उनकी नियुक्ति की प्रक्रिया चालू की है । जैसा कि माननीय मंत्री महोदया ने बताया कि 232 पद मैडीकल आफिसरों की नियुक्ति के लिए हरियाणा स्टाफ सिलैक्शन कमीशन को भेजे हैं जिनके इन्ट्रव्यू चल रहे हैं और जल्दी ही भर्ती प्रक्रिया पूरी हो जायेगी । इसी तरह से 90 पद फार्मासिस्ट के, 488 पद स्टाफ नर्सिज के, 30 पद रेडियो ग्राफर के और 22 पद ओ०टी० ऐज०, के भरने के लिए हरियाणा स्टाफ सिलैक्शन कमीशन को रिक्वीजिशन भेजी है । बहुत जल्दी ही ये पद भर दिए जायेंगे । अध्यक्ष महोदय, हमारी मंत्री महोदया ने आने के बाद बहुत सारे पद बढ़वाये भी हैं ताकि प्रदेश के लोगों को परोपर हैल्थ सर्विसिज दी जा सकें । हमारी सरकार जनता के स्वास्थ्य को लेकर बहुत चिंतित है । जैसे ही उपरोक्त पदों की भर्ती हो जायेगी सभी जगह डाक्टर्ज और दूसरा पैरा मैडीकल स्टाफ लगा दिया जायेगा ।

Survey for the Ladli Social Security Pension Scheme

*** 829.@Shri Balwant Singh Sadhora**
(Dr. Sushil Indora) : Will the Women and Child Development Minister be please to state:—

(a) whether any survey has been conducted by the Government to identify the beneficiaries of Ladli Social Security Pension Scheme ; and

(b) if the reply to part (a) above be in affirmative, the criteria adopted for the said scheme together with the number of beneficiaries identify.

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी) :

(क) नहीं, श्रीमान जी ।

(ख) सम्बन्धित नहीं है ।

माननीय स्पीकर महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्यों को बताना चाहती हूं कि लाडली सुरक्षा पैंशन योजना की जो स्कीम है उसका तो एक ही प्वायंट है कि जिन दम्पति के पास कोई लड़का नहीं है केवल लड़कियां ही हैं और उनकी उम्र 45 साल से ऊपर है, सरकार उनको 500 रुपये प्रति महीने की पैंशन देती है । अलग से इसका कोई सर्वे नहीं

@ Put by Sh. Balwant Singh Sadhora.

हुआ है। सरकार ने इसके लिए एक अलग से कमेटी बना रखी है। लाडली पैंशन योजना में हैंडीकैप्ड और ओल्ड ऐज पैंशन की तरह कोई टाईम बाऊंड की पाबन्दी नहीं है। जो दम्पति इस पैंशन के लिए एलीजिबल हो वह कमेटी को आवेदन कर दे तो कमेटी मौके पर जांच करके उसी टाईम पैंशन लगा देती है।

श्री बलवंत सिंह सढौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह कहना चाहता हूं कि सरकार बहुत बड़ा प्रचार कर रही है कि हमने इतने लोगों को इस योजना के तहत पैंशन दी है। मंत्री जी ने अपने जवाब में लिखा है कि "Not applicable" मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि हरियाणा में कुल कितने लोग हैं जिनको इस स्कीम के अन्तर्गत पैंशन दी गई है और सर्वे के मुताबिक कितने लोग इसके पात्र बनते हैं?

बहिन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि जैसा कि मैंने पहले भी बताया है कि इस योजना के लिए अलग से सर्वे नहीं करवाया गया है बल्कि सरकार ने इसके लिए एक कमेटी बनाई हुई है। हर महीने इस कमेटी की मीटिंग होती है उसमें 45 वर्ष की उम्र का कोई भी आदमी आवेदन दे सकता है। तत्पश्चात् कमेटी मौके पर जांच करके पैंशन लगा देती है। अभी तक इस योजना के तहत 10425 लोग लाभान्वित हो चुके हैं।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष जी, सामाजिक सुरक्षा किसी भी सरकार की नैतिक जिम्मेवारी है और उस नैतिक जिम्मेवारी के तहत हर सरकार हर वर्ग के लोगों के लिए कुछ न कुछ कल्याणकारी योजनायें बनाती है। जैसे कि माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी बार-बार यह दावा कर रहे हैं कि हमारी सरकार ने ऐसा किया और हमारी सरकार यह कर रही है। जैसे लाडली सामाजिक सुरक्षा पैंशन योजना के बारे में पूछा गया तो माननीय मंत्री जी ने बताया कि अभी तक इसमें कोई सर्वे नहीं करवाया गया है। कोई लाभार्थी नहीं है सरकार को अभी तक कोई लाभार्थी नहीं दिखाई दिया। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या ऐसी कोई स्कीम सरकार के विचाराधीन है जिसके तहत सरकार लाभार्थियों का सर्वे करवाकर, समयबद्ध कार्यक्रम बनाकर उनको इस पैंशन का लाभ देने जा रही हो?

बहिन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि यह स्कीम ऐसी है जिसमें कोई कास्ट या क्रीड का क्राईटेरिया हमने नहीं रखा है इसमें मुख्य बात यही है कि जिस बी०पी०एल० कैटेगरी वाले के पास लड़का नहीं है और उसकी आयु 45 वर्ष से ऊपर है तो उसको यह पैंशन मिलेगी। इसमें सर्वे का प्रोविजन हमने इसलिए नहीं रखा क्योंकि ओल्ड ऐज एवं दूसरी पैंशन स्कीम्ज के लिए जो सर्वे होता है वह साल में केवल एक बार ही होता है लेकिन इसमें ऐसी शर्त नहीं है। अगर कोई व्यक्ति पैंशन से वंचित रह गया हो तो हर महीने इस बारे में बनी कमेटी की मीटिंग होती है उसमें आकर कोई भी व्यक्ति इस पैंशन के लिए अपना आवेदन दे सकता है। अगर माननीय सदस्य के नोटिस में ऐसा कोई केस जो एलीजिबल हो और इस पैंशन के लाभ से वंचित रह गया हो तो वह उसके बारे में डी०एस०डब्ल्यू० से भी बात कर सकते हैं और सीधे मुझे भी बता सकते हैं। ऐसी पैंशन हम किसी की रोकेंगे नहीं क्योंकि हरेक के मन में यह बात होती है

[बहिन करतार देवी]
कि उनके यहां लड़का नहीं है उनका गुजारा कैसे चलेगा तो उसके लिए बिना लड़के वाले दम्पति को 300 रुपये मिलते हैं और जिनके पास लड़की/लड़कियां हैं उनको 45 वर्ष की उम्र से 500 रुपये प्रति मास मिलते हैं ताकि वे दम्पति ठीक से अपना गुजारा कर सकें और लड़कियों के प्रति उनके मन में कोई दुर्भावना न आये ।

Development of Transport Nagar by HUDA in Kaithal

***830. Shri Shamsher Singh Surjewala :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a Transport Nagar was established/developed by the HUDA in the Municipal area of Kaithal town ;

(b) whether the sites of shops/workshops were auctioned by the HUDA, if not, the reasons for the delay ; and

(c) the time by which the shops/workshops are likely to be auctioned by the HUDA ?

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) :

(क) हां श्रीमान जी, यह तथ्य है कि प्राधिकरण द्वारा सैक्टर 25 कैथल में ट्रांसपोर्ट नगर की योजना बनाई गई है जो कि नगरपालिका की बढ़ाई गई सीमा में पड़ता है ।

(ख) नहीं श्रीमान जी, प्राधिकरण द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर सैक्टर 25 कैथल में अब तक किसी भी दुकानों/कार्यशालाओं के स्थलों की नीलामी नहीं की गई है । डिमारकेशन प्लान के अनुमोदन के बाद विकास कार्य आरम्भ किए गए । सैक्टर के एक भाग, जिसके अन्तर्गत 119 स्थल सम्मिलित हैं, में सिविल कार्य जुलाई, 2006 में पूर्ण कर दिए गए थे । इस पाकेट में बिजली के कार्य जून, 2007 में सम्पूर्ण कर दिए गए थे । तत्पश्चात अगस्त, 2007 में इसकी आरक्षित कीमत निर्धारित कर दी गई और आर्किटेक्चर कन्ट्रोल का निर्धारण भी फरवरी, 2008 में पूर्ण कर दिया गया ताकि इन स्थलों की नीलामी आरम्भ की जा सके ।

(ग) कैथल ट्रांसपोर्ट नगर में 16 व्यावसायिक स्थलों की प्रथम नीलामी (बूथ, रिपेयर/स्पेयर पार्टस की दुकानें) दिनांक 24.3.2008 को तय है । अध्यक्ष महोदय, अब हमने यह संख्या 16 से बढ़ा कर 50 कर दी है ।

Shri Shamsher Singh Surjewala : In which year the land was acquired for the Transport Nagar Kaithal?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, यह सैक्शन 6 का नोटिस 11 अक्तूबर, 2001 को हुआ था और अवार्ड 28 जून, 2002 को हुआ था ।

Shri Shamsher Singh Surjewala : At what time auction of all the sites will be completed ?

Shri Randeep Singh Surjewala : Speaker Sir, we have started the process. As I have pointed out, 50 sites are being auctioned on 24th of March, 2008 and the remaining will also be done shortly. We are also examining that whether the existing persons who are sitting in the old Transport Nagar in Kaithal whether they can be given any concession on the pattern of the concession which was given in Karnal and Panipat. That is not an assurance but we will examine that policy.

Shri Shamsher Singh Surjewala : I would like to know the category wise number of sites which exist in the transport Nagar.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, जो कुछ बाकी रह गया है वह ये लिख कर भिजवा दें।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, आप लिखकर भिजवा दें।

Arrangements of Water Supply

***850. Shri Randhir Singh :** Will the Water Supply & Sanitation Minister be pleased to state whether any arrangement for the smooth supply of water to the two hundred houses of Harijan Mohalla of village Rakhi Khas is being made ; if so, the time by which provision may be made for such water supply?

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Sir, the work of improving the Water Supply to the Harijan Mohalla of village Rakhi Khas will be completed within the financial year 2008-09. स्पीकर सर, 19 लाख 50 हजार रुपये हमने इसके लिए मंजूर किए हैं।

श्री रणधीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि माननीय मंत्री जी ने बताया कि इन गांवों के लिए इतना रुपया मंजूर किया गया है। मैं अभी उन गांवों में जा कर आया हूं, बहुत सारे गांव ऐसे हैं जहां पर पानी की व्यवस्था ठीक नहीं है। मैं मंत्री जी का इसके लिए धन्यवाद करता हूं कि बरवाला शहर के लिए 467 लाख रुपये पानी की व्यवस्था के लिए मंजूर किये गये हैं और इन तीन वर्षों में सिर्फ 20 लाख रुपये पानी की व्यवस्था के लिए रिलीज किये गये हैं। इसी के साथ-साथ मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को कहना चाहता हूं कि सिर्फ राखी खास गांव में ही नहीं बल्कि राखी शाहपुर गांव में भी अनुसूचित जाति के जो मोहल्ले हैं उनमें भी पानी की व्यवस्था ठीक नहीं है। इसी तरह से कोथकलां, खेड़ी जालम और खेड़ी लोहचब गांवों में भी पीने के पानी की व्यवस्था सुचारू रूप से नहीं चल रही है। मैं कुछ दिन पहले ही गांवों में गया था और गांवों के लोगों ने मुझे बताया कि 15 दिनों से कोथ खुर्द गांव में पानी की सप्लाई चालू नहीं है। स्पीकर सर, पिछले दो वर्ष से जिन वाटर लाईनों के जरिये से पानी आना था वह लाइनें आज करीब 75 प्रतिशत तक डैमेज्ड हो गई हैं। इस बारे में मैंने वहां के अधिकारियों से बात की थी लेकिन उनकी तरफ से एक ही

[श्री रणधीर सिंह]
जवाब आता है कि इनको ठीक करवा देंगे लेकिन वे ठीक नहीं करवाई गई हैं। इस बारे में सीनियर अधिकारियों अथवा मंत्री महोदय को कोई जानकारी है या नहीं इस बारे में मुझे पता नहीं है लेकिन अगर पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट इसी प्रकार से काम करेगा तो दिक्कत होगी।

श्री अध्यक्ष : रणधीर सिंह जी, आप अपना स्पैसिफिक सवाल पूछें।

श्री रणधीर सिंह : स्पीकर सर, यह पानी की व्यवस्था का मामला है इसलिए मैं इसके बारे में बात कर रहा हूं।

श्री अध्यक्ष : आप बात न करें बल्कि स्पैसिफिक सवाल पूछें।

श्री रणधीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो इन्दिरा गांधी पेयजल योजना का कार्यक्रम शुरू किया है उसके तहत आठ लाख पानी के नये कनैक्शन्ज लगने हैं लेकिन अगर मोहल्लों में पानी की सप्लाई की यही व्यवस्था रही तो यह कैसे सम्भव हो पाएगा। मेरे विधान सभा क्षेत्र में 20-22 गांव ऐसे हैं जिनमें अनुसूचित जाति के लोगों के मोहल्ले हैं और उनमें पीने के पानी की सही व्यवस्था नहीं है। स्पीकर सर, बरवाला विधान सभा क्षेत्र के लिए पब्लिक हैल्थ के लिए 20 लाख रुपये रिलीज किए गए हैं। मैं माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि इस 20 लाख रुपये की राशि से जो लाइनें मैंने बताई हैं क्या उनकी मुरम्मत का कार्य हो पाना सम्भव होगा?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि उनकी जानकारी सही नहीं है, मैं आपकी अनुमति से उनको यह बताना चाहूंगा कि पिछले दो साल में बरवाला विधान सभा क्षेत्र में पीने के पानी की सप्लाई के लिए 452.97 हजार रुपये की राशि तथा अर्बन वाटर वर्क्स के लिए 94.88 हजार रुपये, सीवरेज के लिए 116.90 हजार रुपये, इन्दिरा गांधी ड्रिंकिंग वाटर स्कीम के लिए 27.80 लाख रुपये दिये गये हैं। अध्यक्ष महोदय, पिछले 3 साल में बरवाला विधान सभा क्षेत्र के लिए 392.55 लाख रुपये की राशि जारी की गई है। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो फैक्ट्स बताएं हैं वे गलत हैं इसलिए इनसे यह निवेदन है कि ये इन्हें ठीक कर लें। इन्होंने बहुत ही लम्बी चौड़ी डिमांड रखी है, इस बारे में ये मुझे लिख कर भिजवा दें इन लाइनों को ठीक करवा दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, आप ग्रामीण अंचल से आने वाले हैं और आप जानते हैं कि जब वाटर सप्लाई की लाईन डलवाते हैं तो कई बार किसान भाई उसको तोड़ने का प्रयास करते हैं। कई बार ये लाईन्ज टूट भी जाती हैं और इनकी मुरम्मत भी करवा दी जाती है लेकिन हर रोज पाईप लाईन बदलना सम्भव नहीं होता है। स्पीकर सर, अगर इनकी कोई लाईन डैमेज हो गई है तो माननीय सदस्य मुझे लिख कर भिजवा दें उसे ठीक करवा दिया जाएगा।

श्री रणधीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, जो फैक्ट्स मेरे पास हैं वे सही हैं और जो फिगर्ज इन्होंने बताएं हैं वे मेरे पास जो फिगर्ज हैं उनके साथ मिलते हैं। इस वर्ष के लिए जो राशि इस काम के लिए रखी गई है वह 20 लाख रुपये है, यह फिगर भी इनके साथ मिलती है।

माननीय मुख्यमंत्री जी भी बरवाला में गए थे। बरवाला हल्के में एक जगह से नहीं बल्कि लास्ट छोर से फर्स्ट छोर तक वह लाईनें टूटी हुई हैं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी से यह निवेदन करूंगा कि वे इस बारे में लिख कर भिजवा दें या मेरे पास मेरे आफिस में आकर मुझ से मिल लें।

श्री रणधीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी का कोई मिलने का समय तय नहीं है ये मुझे इस बारे में बताने की कृपा करें कि ये किस वक्त आफिस में मिलेंगे ताकि मैं इनको मिल सकूं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा इनसे निवेदन है कि ये छोटी राजनीति की बात यहां पर न करें और व्यक्तिगत रंजिश को लेकर यहां विधान सभा में कोई बात न कहें। इनकी तरफ से आज तक मुझे कोई भी लिखित शिकायत नहीं मिली है। मैं इनसे यह कहना चाहूंगा कि ये मेरे आफिस में आकर कभी भी मुझ से मिल सकते हैं।

श्री अध्यक्ष : रणधीर सिंह जी, आप अपनी समस्या लिख कर इनको भिजवा दें।

श्री रणधीर सिंह : अध्यक्ष महादेय, माननीय मंत्री महोदय के आफिस में मैं कई बार गया हूं लेकिन मुझे ये कभी मिले नहीं हैं। ये मुझे दिन और समय बता दें मैं इनके आफिस में इनको मिल लूंगा।

श्री अध्यक्ष : आप समय लेकर इनके पास जाएं ये आपसे जरूर मिलेंगे। आपकी जो समस्या है वह आप इनको लिख कर भी भिजवाएं।

श्रीमती सुमिता सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगी कि इन्दिरा गांधी पेयजल योजना शहरों में कब लागू की जाएगी? आज शहरों में बहुत सी ऐसी बस्तियां हैं जहां पर लोग पिछले 50-60 सालों से बसे हुए हैं और ये बस्तियां शामलात भूमि पर बनी हुई हैं। उन बस्तियों की आज तक रजिस्ट्रियां भी नहीं हुई हैं। क्या इस स्कीम के तहत वहां के लोगों को भी फायदा मिलेगा?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, इस स्कीम के तहत मुख्यमंत्री जी ने घोषणा की है कि पहले चरण में जो 8 लाख अनुसूचित जातियों के परिवार हैं सबसे पहले हम उनके कनैक्शन जोड़ेंगे। जब हम यह काम पूरा कर लेंगे उसके बाद ही जैसा कि मैडम ने कहा है दूसरे चरण के बारे में विचार किया जाएगा। स्पीकर सर, इस बारे में तो हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी के भी स्पष्ट आदेश हैं कि सर्व-प्रथम पहले चरण में 8 लाख परिवारों को पानी का कनैक्शन देने का टारगेट है, पहले उसको पूरा किया जाए और जो दूसरे चरण की बात है उस बारे में अभी कोई भी तिथि निश्चित करना मुश्किल है।

आई० जी० शेर सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह सही बात है कि गांव में स्वच्छ पीने के पानी की व्यवस्था की जा रही है और सिंचाई के लिए जल का प्रोविजन किया जा रहा है। लेकिन मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि ये जो गांव हैं जहां पर खुली नालियां और खुले चैनल्ज हैं क्या उनको भी कवर करने के बारे में विचार कर रहे हैं? अगर इनका कोई विचार है तो उनको कब तक कवर किया जाएगा?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, माननीय सदस्य ने जो बात कही है यह वाजिब है। अध्यक्ष महोदय, जो ओपन चैनल आ रहे हैं उनको पाईप वाटर में कन्वर्ट करने की बात है। इसके अलावा जो रा-वाटर, वाटर सप्लाई के लिए आता है इस बारे में माननीय सदस्य की बात वाजिब है कि कई बार उसके अन्दर कई पोल्यूटैंट मिक्स होकर आ जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, यह कास्ट इफैक्टिवनैस का प्रश्न है। हमारे पास अपना एक सीमित बजट है और जहां तक हमें लगता है कि यह एक गम्भीर समस्या है। जहां-जहां पाईप लाईनज या इस तरह के ओपन चैनल शहरों से गुजर रहे हैं या जहां किसी ने ओपन ड्रेन उसमें डाल दी है, वहां पर हमारे प्रयास होते हैं कि उसे प्राथमिकता के आधार पर ठीक करें। इस काम को चरणबद्ध तरीके से ठीक किया जाता है। जहां-जहां पर मुश्किल ज्यादा होती है वहां पर प्राथमिकता के आधार पर पहले काम किया जाता है। इसके अलावा जहां पर ऐसे इलाके हैं कि उनको खुला छोड़ा जा सकता है उनको खुला छोड़ देते हैं। सर, इसमें लागत की भी बात है और हर काम के भिन्न-भिन्न तरीके हैं। यह प्रोजैक्ट टू प्रोजैक्ट डिपैन्ड करता है।

श्री राम किशन फौजी : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से एक प्रश्न पूछना चाहता हूं और यह प्रश्न मैं पिछले तीन सालों से हर सैशन में पूछता आ रहा हूं कि किकराल राजस्थान बोर्डर पर, गैंडावास सिवानी ब्लाक में पड़ता है वहां पर पानी नहीं है। न तो राजस्थान में पानी है और न ही यहां पर है। तीन सालों में इस बारे में मैंने अधिकारियों को भी कई बार चिट्ठियां लिखी हैं। लेकिन उस बारे में कुछ नहीं किया गया है। मंत्री जी, मुझे ये बताने की कृपा करें कि आने वाले दो सालों में क्या इस बारे में सरकार द्वारा कुछ किया जाएगा या नहीं?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से सदन में यह बताना चाहूंगा कि यह समस्या बहुत ही गम्भीर है। भिवानी के अन्दर लिफ्ट इरीगेशन स्कीम है और वहीं से उनको पीने का पानी मिलता है। भिवानी में बहुत सी जगहों पर और वैस्टर्न हरियाणा नारनौल का इलाका है जहां से राधेश्याम शर्मा जी भी यहां पर बैठे हुए हैं वहां पर भी कई ऐसे गांव हैं जहां नहरों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है जिसकी वजह से पीने के पानी की किल्लत है। इसी समस्या को देखते हुए हमारे मुख्यमंत्री जी ने समान पानी के वितरण को लेकर हांसी बुटाना लिंक नहर का निर्माण शुरू किया है ताकि दक्षिणी हरियाणा में पीने का पानी और सिंचाई का पानी मिले। यह जो पीने के पानी की समस्या है यह इसलिए है क्योंकि सब-सायल पानी नहीं है। इसी वजह से हमारे वाटर वर्क्स और बाकी स्कीम्ज होते हुए भी आखिरी छोर तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। अभी हमारी जो स्पैसिफिक समस्या का हल सीमित साधन होते हुए नहीं हो पा रहा है। मैं बताना चाहूंगा कि जल्दी से इस समस्या का हल निकालने की कोशिश करेंगे।

श्री रमेश गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि यह जो श्रीमती इन्दिरा गांधी पेय जल परियोजना है इसके तहत मंत्री जी ने बताया कि ये गांवों के 8 लाख अनुसूचित परिवारों को फायदा देने जा रहे हैं। क्या इस योजना के तहत शहरों को भी शामिल किया जाएगा?

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, इस बारे में मैडम सुमिता सिंह जी ने प्रश्न पूछ लिया है। आप बैठ जाएं।

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सबसे पहले सरकार को इस बात के लिए बधाई देना चाहूंगी कि इंदिरा गांधी पेयजल योजना सरकार ने शुरू की और इस योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति के परिवारों के घरों में मुफ्त में पानी की टंकी पहुंचाने का काम हमारी इस सरकार ने किया है। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह भी जानना चाहूंगी कि जो इंदिरा गांधी पेयजल योजना शुरू की गयी है और इसके तहत 8 लाख अनुसूचित जाति के परिवारों को जो कनैक्शन देने का फैसला किया है उनमें से अब तक कितने परिवारों तक पानी पहुंच चुका है? अध्यक्ष महोदय, कई गांवों में पानी की टंकी पहुंच चुकी हैं और काफी जगहों पर इनसे संबंधित वाटर वर्क्स का निर्माण कार्य भी चल रहा है तो क्या इसके लिए कोई समय सीमा निर्धारित है? इसके अलावा अनुसूचित जाति बस्तियों में अगर कनैक्शंज दिए जाते हैं तो ऐसा देखने में आया है कि कई जगहों पर इल्लीगल तरीके से कनैक्शन बीच में तोड़ लिए जाते हैं जिसके कारण काफी पानी बर्बाद होता है। क्या ऐसे घरों के लिए भी सरकार की तरफ से कोई नोटिस ईशू किए जाते हैं?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, माननीय सदस्या ने दो पृथक प्रश्न पूछे हैं। जहां तक इंदिरा गांधी ड्रिंकिंग वाटर स्कीम का प्रश्न है, इस साल में 31 मार्च तक हमें उम्मीद है कि दो लाख परिवारों के कनैक्शंज हम जोड़ देंगे। हमने यह टारगेट रखा हुआ है।

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, मंत्री जी सदन को गुमराह कर रहे हैं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, डॉ० साहब संसद में रहे हैं इसलिए इनको इस बात की समझ होनी चाहिए कि जब किसी माननीय सदस्या ने अपना सवाल पूछा हो तो इनको उसका जवाब आने में टोकना नहीं चाहिए। ये चाहें तो अपना सवाल पूछ लें मैं इनके प्रश्न का भी जवाब दे दूंगा।

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, मंत्री जी अगर सदन को गुमराह कर रहे हों तो क्या हम बीच में न बोलें?

श्री अध्यक्ष : डॉ० साहब, आप अभी रिप्लाई आने दें। मैं आपको बाद में सवाल पूछने का समय दूंगा।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, जहां तक इंदिरा गांधी ड्रिंकिंग वाटर स्कीम के तहत अनुसूचित जाति के कनैक्शंज बीच में तोड़ लेने की बात है, हमने यह निर्णय किया है कि जहां-जहां पर अनुसूचित जातियों की बस्तियां ऊंचाई पर हैं या गांवों में ऐसे छोर पर हैं जिनमें पानी नहीं पहुंच सकता तो वहां हमने इसी स्कीम के अंदर यह प्रावधान किया है कि ऐसी जगहों पर एक्स्ट्रा सबमर्सिबल ट्यूबवैल लगाये जाएं या वहां पर एक डैडीकेटिड पाईप लाईन गांव को एथाईड करके स्पैशल डाली जाएं। हम स्थिति के मुताबिक यह पाईप लाईन डाल रहे हैं। फिर भी यदि कोई यह पाईप लाईन काटेगा तो अधिकारियों को यह हिदायत दे दी गयी है कि लाईन काटने वाले व्यक्ति के खिलाफ सरकारी सम्पत्ति से छेड़छाड़ करने का मुकदमा भी दर्ज करें। इसके अलावा जहां पर अनुसूचित जातियों की बस्ती आखिरी छोर पर हैं या ऊंचाई पर हैं ऐसी जगहों पर हमें बूस्टिंग पम्प भी लगाना पड़ेगा तो हम इस स्कीम के अंदर ही पैसा डालकर इनको लगाएंगे।

श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया : अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी के नोटिस में यह बात है कि बूस्टिंग स्टेशन तो हर गांव के अंदर समय पर बन गए हैं लेकिन बिजली के कनैक्शन से न जुड़ने की वजह से बहुत लम्बे समय से लोग वहां पर दुःखी हैं?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्या को बताना चाहूंगा कि हम तकरीबन हर दूसरे महीने बिजली विभाग के अधिकारियों और जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की ज्वाइंट बैठक बुलाते हैं। पूरे प्रान्त के अंदर जहां भी बिजली के कनैक्शंज पैंडिंग हैं, हम दोनों पक्षों की राय सुनकर सीमित समय के अंदर यह सुनिश्चित करते हैं कि कनैक्शन जोड़ दिए जाएं। समय-समय पर इन रिव्यू बैठकों के माध्यम से इस बारे में काफी प्रोग्रैस आयी है। पिछले तकरीबन चार पांच महीनों में इन बैठकों के द्वारा 600-700 गांवों के कनैक्शन रिलीज करवाए गए हैं।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : स्पीकर सर, पीने का पानी देने के बारे में बात चल रही है और सरकार का इरादा भी लोगों को साफ पीने का पानी देने का है लेकिन हमारे हांसी हल्के में दो खाले बने हुए हैं वहां बैठकर औरतें कपड़े धोती हैं जिसके कारण गंदा पानी टैंक में चला जाता है। क्या उन नालों को ढकने का कोई प्रस्ताव है? इसी तरह से कई जगहों पर सीवरेज का पानी पीने के पानी की पाईप लाईन में मिलकर टूटियों में जाता है।

श्री अध्यक्ष : मक्कड़ साहब, इस बारे में सवाल तो आ लिया है। आई०जी० साहब ने यह सवाल पूछा था और उसका रिप्लाई भी आ गया है।

श्री ईश्वर सिंह पलाका : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या मंत्री जी ये बताएंगे कि हरियाणा में ऐसे कितने गांव हैं जिनमें आज तक पीने का पानी नहीं पहुंच सका है?

श्री अध्यक्ष : आप अपने हल्के के बारे में पूछें?

श्री ईश्वर सिंह पलाका : अध्यक्ष महोदय, पानी के मुद्दे पर बात चल रही है। पानी तो सभी को चाहिए।

श्री अध्यक्ष : पलाका साहब, आप अपने हल्के के बारे में पूछ सकते हैं कि किस गांव में पानी जा रहा है किस गांव में पानी नहीं जा रहा है।

श्री ईश्वर सिंह पलाका : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में भी बहुत से गांव ऐसे हैं जिनमें पानी नहीं पहुंच रहा है और पूरे हरियाणा में भी ऐसे कई गांव हैं जिनमें पानी नहीं पहुंचता है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, यह एक सैपरेट क्वैश्चन है। इनकी कांस्टीच्यूएंसी में भिन्न-भिन्न स्कीमों में जो पैसा खर्च किया गया है उसके बारे में माननीय सदस्य लिखकर भिजवा दें तो उनको जवाब लिखकर भिजवा दिया जाएगा।

तारांकित प्रश्न संख्या : 845

(इस समय माननीय सदस्य डॉ० शिवशंकर भारद्वाज सदन में उपस्थित नहीं थे इसलिए यह प्रश्न पूछा नहीं गया।)

तारांकित प्रश्न संख्या - 878

श्री अध्यक्ष : इस क्वैश्चन का जवाब देने के लिए ऐक्सटैंशन मांगी गई है वह ग्रांट की जाती है ।

Illegal Recruitment of Deputy Director (A.H.)

***878. Shri Karan Singh Dalal :** Will the Animal Husbandry & Dairying Minister be pleased to state —

(a) whether the State Govt. had amended the Haryana Veterinary (Group A) Service Rules, 1995 vide its notification dated 6.9.2002 thereby taking away the provision of direct recruitment to the post of Deputy Directors (A.H.) or equivalent ; if so, the details thereof ;

(b) whether even after the amendment in (a) above vide its notification dated 6.9.2002, the Haryana Public Service Commission advertised four posts of Deputy Directors (A.H.) vide advertisement dated 18.9.2002 in spite of the abolition of provision of direct recruitment ;

(c) whether selection and recruitment to above posts of Deputy Director (A.H.) was challenged in the Hon'ble High Court ; and

(d) the action taken by the Government against these illegal recruitments.

Interim Reply

Subject : Starred Assembly Question No. 878

A starred assembly question No. 878 asked by Sh. Karan Singh Dalal, MLA regarding illegal recruitment of Deputy Directors, Animal Husbandry has been listed for today i.e. 10.3.2008. Some more information is required from department which is being collected. It is, therefore, requested that extension of time for the said question be granted and may please be listed after 19th March, 2008. The reply given by the Government may be treated as withdrawn.

Sd/-
(H.S. Chatha)
Agriculture Minister,
Haryana.

Hon'ble Speaker, Haryana
Vidhan Sabha.

Extension of Canal/Minors

***861. Shri Bhupinder Chaudhary :** Will the Irrigation Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government for extension of canal/minors in Pataudi constituency area ; if so, the names thereof togetherwith the proposed time likely to be taken for execution of said scheme ?

Irrigation Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) : No., Sir.

श्री भूपेन्द्र चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बारे में मंत्री जी का जवाब नो सर सुनकर बड़ा ही अफसोस हुआ है। इस बारे में मेरी मंत्री जी से खुद बात हुई थी और उन्होंने कहा था कि गुराना और साल्हावास माइनर को ऐक्सटैंड करके उसमें पांच गांव पटौदी और पांच गांव फरुखनगर के जोड़ रहे हैं और प्रश्न के जवाब में नो सर रिप्लाई लिख दिया गया है जबकि यह बात प्रैस के अंदर भी रिलीज हो चुकी है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या इस पर दोबारा से विचार करेंगे या सी०एम० साहब से यदि इस बारे में अप्रूवल नहीं मिली तो उसकी क्या वजह है?

श्री अध्यक्ष : इस बारे में क्या मंत्री जी ने आपको आश्वस्त किया था और किया था तो कब किया था?

श्री भूपेन्द्र चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मेरी मंत्री जी से इस बारे में तकरीबन छह महीने पूर्व बात हुई थी और उन्होंने इस काम के लिए जमीन ऐक्वायर करने के लिए कहा था और यह भी कहा था कि हम इनको ऐक्सटैंड कर रहे हैं और ये गांव हम इसमें जोड़ेंगे।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इनके हल्के में 9 डिस्ट्रीब्यूट्रीज हैं जिनमें से सात डिस्ट्रीब्यूट्रीज की टेल पर पानी पहुंचता है। दो डिस्ट्रीब्यूट्रीज दौलताबाद और लोहारी माइनर ऐसी हैं जिनके बारे में मैं सदन को बताना चाहूंगा। इन्होंने यह मांग की है कि खलीलपुर, गैलनावास और मोहानावास की ऐक्सटैंशन करें। हमने इसका सर्वे भी कराया था। इसमें दिक्कत यह आ रही है कि इसमें हमें 8 फुट पानी को लिफ्ट करना पड़ेगा। यह फिजिबल नहीं है। यह ऐक्सटैंशन 34902 आर०डी० का है और पानी केवल 10 हजार आर०डी० तक पहुंच रहा है। इसकी ऐक्सटैंशन का सवाल ही पैदा नहीं होता है। हम यह कोशिश जरूर करेंगे कि इनके हल्के में नया गांव डिस्ट्रीब्यूट्री से ग्रैविटी से पानी आता है। मैंने आदेश दे दिए हैं कि उसका सर्वे करवाकर यहां से ऐक्सटैंशन देकर यह जो 4-5 गांव हैं जिसमें खलीलपुर, बलेवा, मोहानावास और दौलतावास आदि गांवों में ज्यादा से ज्यादा पानी पहुंचाएं। वैसे ये गांव कमांड एरिया में आते हैं लेकिन हम सर्वे करा देते हैं। सर 8 फुट पानी को उठाना संभव नहीं है केवल 10 हजार आर०डी० तक पानी जा रहा है पिछले दिनों मैंने मीटिंग ली थी और उसमें मैंने अधिकारियों को आदेश दे दिए हैं। माननीय सदस्य ने जो लोहारू डिस्ट्रीब्यूट्री और दौलतावास माइनर के बारे में कहा है उसके बारे में हम कोशिश कर रहे हैं कि टेल तक पानी पहुंचे। लेकिन मुख्य कारण यह है कि हमारे पास पानी की कमी है। जब बी०एम०एल० झांसी-बुटाना ब्रांच नहर बन जाएगी तो पानी की मात्रा बढ़ जाएगी और हम टेल तक पानी पहुंचा सकने में सक्षम हो सकेंगे। माननीय सदस्य ने दो नयी माइनर्ज की बात कही है। जो मौजूदा माइनर हैं उनमें ही अभी पानी टेल तक

नहीं पहुंच पा रहा है क्योंकि पानी की कमी है। माननीय सदस्य ने जो सात्हावास और दूसरी गुराना माइनर की बात कही है इसका विभाग अभी सर्वे कर रहा है। इसकी जब रिपोर्ट आ जाएगी तब मैं इस बारे में जवाब दे पाऊंगा कि इस माइनर को हम ऐक्सटैंड कर सकते हैं या नहीं। टेल तक पानी नहीं पहुंचे और पैसा भी विभाग का खर्च हो, यह ठीक नहीं है उसके बारे में भी हम सर्वे करा रहे हैं। अगर टेल तक पानी पहुंच सके तो जरूर कार्यवाही कराएंगे।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now, Question hour is over.

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Prime Minister Rural Road Scheme

*902. **Shri Sahida Khan :** Will the P.W.D. (B &R) Minister be pleased to state the number of roads constructed in district Mewat during the period from the year 2005 to date under the Prime Minister Rural Road Scheme togetherwith the expenditure incurred thereon ?

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : श्रीमान जी, हरियाणा में प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अन्तर्गत किसी भी नई सड़क के निर्माण का कार्य नहीं किया गया है। जहां तक मेवात जिले की बात है, तीन सड़कें जिनकी लम्बाई 43.58 कि०मी० है का सुधार, 3.66 मीटर से 5.50 मीटर तक चौड़ा करना और मजबूत करना, 1373.41 लाख रुपये की लागत से किया गया हैं। पांच सड़कें जिनकी लम्बाई 65.72 कि०मी० है को चौड़ा और मजबूत करने का सुधार कार्य 3992.21 लाख रुपये की अनुमानित लागत से प्रगति पर है।

Shifting of Panipat Sugar Mill

*912. **Shri Bharat Singh Chhoker :** Will the Cooperative Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to shift the Panipat Sugar Mill to Village Chhajpur (Panipat) ; if so, the time by which the aforesaid Sugar Mill is likely to be shifted ?

Cooperation Minister (Harmohinder Singh Chatha : Yes, Sir.

However, no time frame can be fixed at this stage.

Shortage of Staff in C.H.C. & P.H.C.

*918. **Shri Somvir Singh :** Will the Health Minister be pleased to state—

(a) whether the Government is aware of the fact that there is shortage of S.M.O., M.O. and other staff in C.H.C. Loharu and P.H.C. Sohasara, Nakipur, Behal, Lilas, Gurera and Siwani ; and

(b) If so, the steps taken or proposed to be taken to meet out the shortage

[Shri Somvir Singh]

of SMO, MO and other staff togetherwith the time by which these posts are likely to be filled up ?

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी) :

(क) जी हां,

(ख) चिकित्सा अधिकारियों, दन्तक सर्जन, औषधाकारक, स्टाफ नर्स, रेडियोग्राफर तथा ओ०टी०ए० के पदों को भरने हेतु मांग-पत्र हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को भेजा जा चुका है। जैसे ही चयन सूची प्राप्त होगी, रिक्त पदों को भर लिया जाएगा। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों की सीधी भर्ती की प्रकिया शुरू की जा चुकी है।

Separate Lines of Electricity for Domestic Use

***892. Shri Sher Singh :** Will the Power Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to provide separate electricity lines for the domestic use in the villages, if so, the time by which the said proposal is likely to be implemented ?

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : श्रीमान, गांवों में घरेलू प्रयोग के लिए अलग से बिजली लाइनों की व्यवस्था करने के लिए पहले एक प्रस्ताव क्रियान्वयन के अन्तर्गत है। गांवों में घरेलू प्रयोग के लिए आपूर्ति लाइनों को नलकूपों की आपूर्ति लाइनों से अलग किया जा रहा है। इनका अलग करना जून, 2008 तक पूरा होना सम्भावित है।

Installation of A.B. Cables and HVDS

***896. Shri Tejender Pal Singh Mann :** Will the Power Minister be pleased to state—

(a) The number of villages in Haryana state where A.B. Cables & HVDS (High Voltage Distribution System) have been installed to control line losses and power theft together with details thereof ; and

(b) Whether the Government has formulated any scheme to use CFL Lamps in Government offices and corporation's offices to save power if so, the detail thereof ?

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : श्रीमान,

(क) उच्च वोल्टेज वितरण प्रणाली (एच०वी०डी०एस०) तथा कम वोल्टेज वितरण प्रणाली ए०बी० केबल सहित (एल०वी०डी०एस०) योजना को लागू करने का कार्य उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के अन्तर्गत 467 नं०

गांवों/कालोनियों में तथा दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अन्तर्गत 905 गांवों में प्रारम्भ कर दिया गया है। इनमें से 43.10 करोड़ रुपये की लागत के साथ उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के 259 गांवों/कालोनियों में तथा दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के 181 गांवों में कार्य पूरा हो चुका है व शेष कामों पर 101 करोड़ रुपए खर्च होना सम्भावित है। शेष गांवों/कालोनियों में कार्य प्रगति पर है।

(ख) नवीकरण योग्य ऊर्जा विभाग ने क्रमांक नं० हरेडा/2007/3310-3511 के तहत दिनांक 14.09.2007 को सरकारी स्थापनाओं/भवनों/विभागों में वर्तमान लाईटिंग फिक्चर (साधारण बल्ब तथा ट्यूब लाइटों) की जगह ऊर्जा कुशल लाईटिंग (सी०एफ०एल० तथा टी-5 ऊर्जा कुशल ट्यूब लाइटों) को प्रतिस्थापित करने के निर्देश जारी किए जा चुके हैं उपरोक्त के अनुसार, लगभग 1.58 लाख पारम्परिक ट्यूब लाइट फिटिंग के स्थान पर 15 वाट सी०एफ०एल० तथा टी-5 28 वाट बिजली कार्यकुशल ट्यूब लाइट फिटिंग के साथ फरवरी 29, 2008 तक बदली जा चुकी है।

Upgradation of P.H.C. in Village Badli

*899. **Shri Naresh Sharma :** Will the Health Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Community Health Centre (C.H.C.) Village Badli was down-graded to Primary Health Centre ; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the government to upgrade the Primary Health Centre (P.H.C.) of village Badli to Community Health Centre (C.H.C.) again ?

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी) :

(क) नहीं श्रीमान् जी।

(ख) हां श्रीमान् जी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पी०एच०सी०) बादली का दर्जा बढ़ाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सी०एच०सी०) करना सरकार के विचाराधीन है।

Decreasing Production of Wheat

*907. **Smt. Sumita Singh :** Will the Agriculture Minister be pleased to state—

(a) whether the Government is aware of the fact that the wheat production

[Smt. Sumita Singh]

in the State is decreasing year after year ; and

(b) if so, the steps taken by the Government to increase the wheat production in the state ?

कृषि मंत्री (श्री हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा) :

(क) हां श्रीमान् जी ।

(ख) गेहूं की पैदावार में सुधार करने के लिए कई कदम उठाये गये हैं इनमें अगेती किस्मों का प्रयोग एवं समय पर बिजाई, बीज उपचार, कृषि सिफारिशों बारे किसानों को जागरुक करने, उचित मात्रा में खादों एवं अधिक उपज देने वाली उन्नत किस्मों के बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करना इत्यादि शामिल हैं । परिणामस्वरूप इस क्रम में परिवर्तन हुआ है तथा वर्ष 2006-07 के दौरान 100.55 लाख मीट्रिक टन गेहूं का रिकार्ड उत्पादन हुआ है ।

Amount received under the National Rural Employment Guarantee Act (NREGA)

***802. Shri Naresh Yadav :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total amount received so far under the National Rural Employment Guarantee Act (NREGA) scheme in District Mahendergarh since its inception togetherwith the village-wise details of the works done and the amount spent thereon ; and

(b) the village-wise number of persons given employment under the Scheme ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : श्रीमान् जी, एक विवरणी सदन के पटल पर रखी गई है ।

विवरणी

(क)

व

(ख) राष्ट्रीय रोज़गार गारन्टी अधिनियम (एन०आर०ई०जी०ए०) के तहत जिला महेन्द्रगढ़ में प्रारम्भ से जनवरी, 2008 के अन्त तक कुल 2526.72 लाख रुपये प्राप्त हुए थे, जिनमें से 2212.88 लाख रुपये खर्च किए गए ।

ग्रामवार करवाए गए कार्यों और उन पर खर्च की गई राशि का विवरण और ग्रामवार रोज़गार पाने वाले व्यक्तियों की संख्या का विवरण नीचे दिया गया है :—

खण्ड : कनीना

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	कार्यों की संख्या	खर्च (रु. लाखों में)	रोज़गार पाने वाले व्यक्तियों की संख्या
1.	अधियार	लिंक रोड	4	5.62	83
		नाली निर्माण	1	1.46	
2.	आनाधास	लिंक रोड	4	3.48	62
3.	बचीनी	लिंक रोड	4	7.14	100
		नाला	1	1.57	
		जोहड़ खुदाई	2	5.96	
4.	बवानिया	लिंक रोड	2	6.85	65
		जोहड़ खुदाई	1	1.74	
5.	बेधल	लिंक रोड	5	5.26	95
6.	भागोत	लिंक रोड	2	8.08	120
		जोहड़ खुदाई	2	16.17	
7.	भालखी	पौधारोपण	1	0.09	82
		लिंक रोड	3	4.62	
8.	भड़फ	लिंक रोड	5	3.44	138
		नाला	1	1.50	
		जोहड़ खुदाई	1	2.77	
9.	भोजावास	लिंक रोड	2	3.07	128
		नाले का निर्माण	1	2.26	
		जोहड़ खुदाई	2	3.98	
10.	बुचावास	लिंक रोड	3	4.81	95
		पौधारोपण	1	0.38	
		जोहड़ खुदाई	2	2.68	
11.	चेलावास	लिंक रोड	3	5.52	55
		नाले का निर्माण	1	1.76	

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	कार्यों की संख्या	खर्च (रु. लाखों में)	रोज़गार पाने वाले व्यक्तियों की संख्या
12.	छितरौली	लिंक रोड	2	1.88	60
13.	ढाणा	लिंक रोड	3	2.60	50
		जोहड़ खुदाई	1	1.67	
14	धनौंदा	लिंक रोड	5	18.15	275
		जोहड़ खुदाई	5	12.83	
		नाला	1	1.17	
15	दौंगड़ा अहीर	लिंक रोड	8	19.30	100
		नाले का निर्माण	2	2.26	
		जोहड़ खुदाई	2	1.08	
16.	दौंगड़ा जाट	नाला	1	1.50	78
		लिंक रोड़	2	3.31	
17.	गाहड़ा	लिंक रोड	2	0.86	68
		जोहड़ खुदाई	1	3.80	
18.	गोमला	लिंक रोड	4	6.37	96
		नाले का निर्माण	1	1.00	
		जोहड़ खुदाई	1	0.65	
19.	गुढ़ा	लिंक रोड़	4	9.87	140
		नाले का निर्माण	1	2.65	
20.	इसराना	लिंक रोड	5	8.37	45
		जोहड़ खुदाई	2	3.97	
		पाईप लाईन	1	2.13	
21.	झगड़ौली	लिंक रोड	3	14.66	130
22.	झाड़ली	पौधारोपण	1	0.35	90
		लिंक रोड	2	3.27	
		नाले का निर्माण	1	1.38	
		लिंक रोड	1	2.90	
		जोहड़ खुदाई	1	2.89	
23.	झींगावन	लिंक रोड	2	4.06	38
24	ककराला	जोहड़ खुदाई	2	1.60	125
		लिंक रोड	2	7.17	

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	कार्यों की संख्या	खर्च (रु. लाखों में)	रोज़गार पाने वाले व्यक्तियों की संख्या
25	कलवाड़ी	लिंक रोड	2	14.56	96
26	कपुरी	लिंक रोड	2	1.00	56
		जोहड़ खुदाई	1	1.84	
27.	करीरा	लिंक रोड	2	3.63	45
28.	कैमला	लिंक रोड	5	4.66	96
		नाले का निर्माण	1	1.19	
		जोहड़ खुदाई	1	5.95	
29.	खैराना	पौधारोपण	1	0.38	60
		लिंक रोड	2	5.05	
30.	खरकड़ावास	जोहड़ खुदाई	1	2.40	70
31.	खेड़ा	लिंक रोड	1	2.41	90
		लिंक रोड	4	4.26	
		जोहड़ खुदाई	1	4.59	
32.	खेड़ी	लिंक रोड	2	3.01	60
33.	कोका	लिंक रोड	3	4.19	70
34.	कोटिया	लिंक रोड	3	4.31	50
		नाले का निर्माण	1	0.42	
		जोहड़ खुदाई	1	5.71	
35.	मानपुरा	लिंक रोड	2	1.50	35
		जोहड़ खुदाई	1	1.19	
36.	मेघनवास	पौधारोपण	1	0.34	70
		नाले का निर्माण	1	2.10	
		लिंक रोड	3	3.70	
		जोहड़ खुदाई	1	4.58	
37.	मोहनपुर	लिंक रोड	8	9.40	60
		जोहड़ खुदाई	1	1.48	
		पुलिया का निर्माण	1	0.35	
38.	मोड़ी	डोला बन्दी	1	0.92	82
		पौधारोपण	1	0.37	
		लिंक रोड	3	7.02	
39.	मुडायन	भूमि समतल करना	1	1.00	38
		लिंक रोड	2	3.08	

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	कार्यों की संख्या	खर्च (रु. लाखों में)	रोज़गार पाने वाले व्यक्तियों की संख्या
		डोला बन्दी	1	1.00	
		जोहड़ खुदाई	1	3.19	
		नाले का निर्माण	1	2.50	
40.	मुड़िया खेड़ा	लिंक रोड	3	5.62	60
41.	नांगल	लिंक रोड	1	2.39	38
		नाले का निर्माण	1	1.00	
42.	नांगल हरनाथ	लिंक रोड	2	5.43	103
43.	नोताना	लिंक रोड	2	3.50	90
		जोहड़ खुदाई	1	2.10	
44.	पड़तल	लिंक रोड	2	3.91	90
		जोहड़ खुदाई	1	1.10	
45.	पाथेड़ा	लिंक रोड	6	14.17	115
		जोहड़ खुदाई	2	6.79	
		नाले का निर्माण	2	3.29	
46.	पोता	लिंक रोड	3	7.51	80
47.	रामबास	लिंक रोड	8	17.00	110
		नाले का निर्माण	1	0.51	
		जोहड़ खुदाई	2	2.73	
48.	रसूलपुर	पौधारोपण	1	0.90	140
		लिंक रोड	2	5.48	
		नाले का निर्माण	1	0.91	
		जोहड़ खुदाई	2	5.07	
		भूमि समतल करना	1	0.80	
49.	सेहलांग	लिंक रोड	1	1.79	170
50.	स्याना	लिंक रोड	2	5.93	120
		जोहड़ खुदाई	2	6.69	
51.	सीगड़ा	लिंक रोड	2	2.49	50
		नाले का निर्माण	1	3.38	
		जोहड़ खुदाई	1	3.55	
52.	सीगड़ी	लिंक रोड	4	2.46	50
		जोहड़ खुदाई	1	1.50	

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	कार्यों की संख्या	खर्च (रु. लाखों में)	रोज़गार पाने वाले व्यक्तियों की संख्या
53.	सिहोर	लिंक रोड	2	3.10	75
		नाले का निर्माण	2	0.87	
		जोहड़ खुदाई	2	10.37	
54.	सूंदराह	लिंक रोड	3	4.06	76
55.	सुरजनवास	लिंक रोड	2	3.37	95
		जोहड़ खुदाई	1	1.00	
56.	तलवाना	लिंक रोड	11	8.46	97
		जोहड़ खुदाई	2	7.94	
		नाले का निर्माण	4	2.61	
57.	उच्चत	नाले का निर्माण	1	1.50	76
		जोहड़ खुदाई	1	2.00	
		लिंक रोड	2	1.79	76
58.	उनहानी	नाले का निर्माण	2	1.68	120
		लिंक रोड	6	16.47	
		जोहड़ खुदाई	2	4.38	
		भूमि समतल करना	1	1.00	
		कुल	289	545.59	5127
खण्ड नांगल चौधरी					
1.	अकबर सिरोही	जोहड़ खुदाई	1	2.92	29
2.	अकोली	जोहड़ खुदाई	1	1.22	52
		लिंक रोड	1	2.00	
3.	अमरपुरा	रास्ते का भरत	3	6.70	72
		सीमेंट कंकरीट रोड	1	3.00	
		लिंक रोड	2	4.00	
4.	आंतरी	सीमेंट कंकरीट रोड	1	1.90	84
		बांध कार्य	1	1.25	
		जोहड़ खुदाई	2	6.15	
		रिटेनिंग वाल	1	0.50	
5.	आसरावास	जोहड़ खुदाई	1	4.40	18
6.	बनिहाड़ी	रास्ते का भरत	1	1.77	77

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	कार्यों की संख्या	खर्च (रु. लाखों में)	रोज़गार पाने वाले व्यक्तियों की संख्या
		जोहड़ खुदाई	1	2.03	
		लिंक रोड	3	5.30	
7.	बेरुण्डला	रास्ते का भरत	2	2.17	65
8.	बायल	सीमेंट कंकरीट रोड	1	1.48	50
		जोहड़ खुदाई	1	0.68	
		जोहड़ खुदाई	1	2.31	
9.	भेड़नदी	बांध कार्य	1	0.36	29
10.	भोजावास	सीमेंट कंकरीट रोड	1	1.50	53
		जोहड़ खुदाई	1	1.95	
		लिंक रोड	1	3.00	
11.	बिगोपुर	रास्ते का भरत	1	0.43	28
12.	बिगोपुर	बांध कार्य	1	1.50	
13.	भूंगारका	सीमेंट कंकरीट रोड	1	2.50	21
		लिंक रोड	2	4.50	
14.	बुढ़वाल	रास्ते का भरत	1	0.62	28
		जोहड़ खुदाई	1	1.00	
15.	छापड़ा बीबीपुर	सीमेंट कंकरीट रोड	1	1.49	20
		जोहड़ खुदाई	1	3.00	
16.	छापड़ा सलीमपुर	जोहड़ खुदाई	1	2.50	12
17.	ढाणी बाठोठा	रास्ते का भरत	1	1.14	118
		जोहड़ खुदाई	1	6.58	
		लिंक रोड	4	5.50	
18.	दताल	रास्ते का भरत	1	1.50	74
		पक्की गली	1	1.77	
		बांध कार्य	1	0.62	
		जोहड़ खुदाई	1	3.00	
19.	दोखेरा	जोहड़ खुदाई	1	7.62	78
		बांध की मुरम्मत	1	1.50	
20.	धोलेड़ा	सीमेंट कंकरीट रोड	1	1.16	79
		जोहड़ खुदाई	2	4.79	

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	कार्यों की संख्या	खर्च (रु. लाखों में)	रोज़गार पाने वाले व्यक्तियों की संख्या
		ढोला बन्दी	1	2.50	
		लिंक रोड	1	2.00	
21.	दौंगली	रास्ते का भरत	2	3.05	64
		सीमेंट कंकरीट रोड	2	2.75	
		जोहड़ खुदाई	1	5.72	
22.	दोस्तपुर	जोहड़ खुदाई	1	1.01	15
23.	गडवा	जोहड़ खुदाई	1	3.30	42
		लिंक रोड	2	3.00	
24.	गावड़ी जाट	जोहड़ खुदाई	1	1.63	28
25.	गोलवा	रास्ते का भरत	1	2.48	58
		जोहड़ खुदाई	1	1.50	
		रिटेनिंग वाल	1	0.60	
		लिंक रोड	1	1.00	
26.	गेठड़ी	जोहड़ खुदाई	1	4.31	61
27.	इकबालपुर नगली	जोहड़ खुदाई	1	0.20	64
		लिंक रोड	2	4.00	
28.	इस्लामपुर	बांध कार्य	2	3.19	34
		जोहड़ खुदाई	1	3.22	
29.	जैनपुर	जोहड़ खुदाई	1	5.77	121
		सीमेंट कंकरीट लिंक	3	4.45	
30.	कालखा	जोहड़ खुदाई	1	2.10	57
		जोहड़ खुदाई	2	7.16	
31.	कमानिया	चार दिवारी	1	0.12	45
		जोहड़ खुदाई	1	2.00	
32.	कांवी	जोहड़ खुदाई	1	3.02	47
33.	कारोता	जोहड़ खुदाई	1	7.96	52
		चारदिवारी	1	2.77	
34.	खानपुर	रास्ते का भरत	1	0.39	41
35.	खानपुर	सीमेंट कंकरीट रोड	1	0.79	
		लिंक रोड	1	1.00	

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	कार्यों की संख्या	खर्च (रु. लाखों में)	रोजगार पाने वाले व्यक्तियों की संख्या
36.	खातोली अहिर	रास्ते का भरत	1	1.30	32
		जोहड़ खुदाई	1	1.90	
37.	खातोली जाट	जोहड़ खुदाई	1	1.00	43
		लिंक रोड	1	0.50	
38.	कोजिंदा	बांध कार्य	1	2.40	71
		जोहड़ खुदाई	1	2.00	
39.	लुजोता	रास्ते का भरत	7	8.69	15
		जोहड़ खुदाई	1	1.20	
40.	मोहमदपुर भूगारका	सीमेंट कंकरीट रोड	3	5.73	62
41.	मेधोत बिंजा	जोहड़ खुदाई	1	1.60	20
		लिंक रोड	1	2.00	
42.	मेधोत हाला	बांध कार्य	2	5.30	24
		जोहड़ खुदाई	1	0.50	
43.	मंढाणा	रास्ते का भरत	1	0.50	45
		जोहड़ खुदाई	1	1.52	
		लिंक रोड	2	2.50	
44.	मोहनपुर	जोहड़ खुदाई	1	0.88	18
		जोहड़ खुदाई	1	0.79	
45.	मोरूण्ड़	रास्ते का भरत	1	2.21	41
		जोहड़ खुदाई	1	2.74	
		जोहड़ खुदाई	1	5.69	
		लिंक रोड	1	1.00	
46.	मुसनौला	रास्ते का भरत	1	1.04	61
		जोहड़ खुदाई	1	10.85	
		चार दिवारी	1	1.48	
47.	मुलौदी	सीमेंट कंकरीट रोड	3	5.60	61
48.	नंगल दूर्गू	जोहड़ खुदाई	1	1.12	57
		जोहड़ खुदाई	1	6.11	
		लिंक रोड	1	2.00	

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	कार्यों की संख्या	खर्च (रु. लाखों में)	रोज़गार पाने वाले व्यक्तियों की संख्या
49.	नांगल कालिया	खाला की खुदाई	1	1.25	84
		लिंक रोड	1	2.00	
50.	नांगल नूनियां	जोहड़ खुदाई	1	4.84	100
51.	नांगल पिपा	जोहड़ खुदाई	1	4.92	70
52.	नांगल स्यालू	भूमि भरत	1	1.15	60
		जोहड़ खुदाई	1	4.78	
		चार दिवारी	1	2.07	
53.	नंगल सोडा	भूमि भराई	6	8.12	97
		सीमेंट कंकरीट रोड	4	5.96	
		लिंक रोड	1	1.00	
		जोहड़ खुदाई	1	1.50	
54.	नांगल चौधरी	बांध कार्य	1	0.25	20
55.	नियामतपुर	भूमि भराई	1	0.63	45
56.	नायन	भूमि भराई	3	5.23	116
		लिंक रोड	2	5.74	
57.	नियाजलीपुर	जोहड़ खुदाई	1	2.20	48
		लिंक रोड	1	1.50	
		बांध की मुरम्मत	1	2.00	
58.	नालोयजा	भूमि भराई	1	1.50	45
59.	पंचनौता	जोहड़ खुदाई	1	0.26	61
		बांध की मुरम्मत	1	1.30	
60.	रायभलिकपुर	भूमि भराई	3	5.85	65
		सीमेंट कंकरीट रोड	1	2.00	
		लिंक रोड	1	3.00	
61.	रोपड़ सराय	जोहड़ खुदाई	1	1.39	44
62.	सरेली	बांध कार्य	1	1.42	46
63.	सैदअलीपुर	भूमि भराई	1	0.75	91
		रैम्प का निर्माण	1	0.83	
		जोहड़ खुदाई	1	2.68	
		बांध कार्य	2	5.42	

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	कार्यों की संख्या	खर्च (रु. लाखों में)	रोजगार पाने वाले व्यक्तियों की संख्या
64.	सेखा	भूमि भराई	1	1.97	51
		जोहड़ खुदाई	1	4.54	
		लिंक रोड	1	0.90	
65.	स्योरामनाथपुरा	भूमि भराई	1	2.67	37
		सीमेंट कंकरीट रोड	1	1.29	
		जोहड़ खुदाई	1	4.50	
66.	शहबाजपुर	जोहड़ खुदाई	1	1.60	41
		नहर की सफाई	1	2.00	
67.	शाहपुर-1 मांदी	जोहड़ खुदाई	1	0.45	45
68.	सिरोही बहाली	भूमि भराई	1	1.55	42
		लिंक रोड	1	1.38	
69.	ताजीपुर	भूमि भराई	2	3.47	50
		सीमेंट कंकरीट रोड	1	1.52	
		बांध कार्य	1	0.31	
		जोहड़ खुदाई	1	3.34	
		लिंक रोड	1	0.50	
70.	थनवास	भूमि भरत	1	1.60	
		सीमेंट कंकरीट रोड	2	2.00	
		जोहड़ खुदाई	1	2.24	
71.	तोता हेड़ी	जोहड़ खुदाई	1	0.79	
	कुल		**199**	**392.61**	**3623**

खण्ड : अटेली

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	कार्यों की संख्या	उपलब्ध राशि	खर्च (रुपये लाखों में)	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
1.	अकबरपुर रामू	लिंक रोड	4	6.75	6.75	52
2.	अटाली	जोहड़ खुदाई	1	0.90	0.90	46
		लिंक रोड	4	4.34	4.34	
		जोहड़ खुदाई	2	1.62	1.62	85
		लिंक रोड	3	6.67	6.67	

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	कार्यों की संख्या	उपलब्ध राशि	खर्च (रुपये) लाखों में)	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
3.	अटेली मंडी	लिंक रोड	2	2.06	2.06	25
4.	बाछौद	लिंक रोड	2	2.78	2.78	47
		पौधारोपण	1	1.05	1.05	
5.	बजाड़	लिंक रोड	2	2.94	2.94	68
		जोहड़ खुदाई	1	1.50	1.50	
6.	बड़गाव	नाले की खुदाई एवं निर्माण	1	1.22	1.22	60
		लिंक रोड	2	3.22	3.22	
		जोहड़ खुदाई हनुमान मंदिर	1	0.98	0.98	
		जोहड़ खुदाई श्मसान घाट	1	0.5	0.5	
7.	बड़कौदा	लिंक रोड	4	6.40	6.40	34
8.	बेगपुर	जोहड़ खुदाई	2	3.50	3.50	79
		लिंक रोड	6	11.47	11.47	
		पौधारोपण	1	0.16	0.16	
9.	भीलवाड़ा	लिंक रोड	3	2.09	2.09	28
10.	भोड़ी	जोहड़ खुदाई	2	0.92	0.92	64
		लिंक रोड	5	9.88	9.88	
11.	भूषणकला	जोहड़ खुदाई	1	0.65	0.65	81
		लिंक रोड	3	4.88	4.88	
12.	भूषणखुर्द	लिंक रोड	3	3.61	3.61	31
13.	बिहाली	जोहड़ खुदाई	2	4.35	4.35	113
		लिंक रोड	5	13.83	13.83	
		पौधा रोपण	2	5.45	5.45	
		नाला निर्माण	1	1.50	1.50	
14.	बोचड़िया	नाला निर्माण	1	1.35	1.35	66
		जोहड़ खुदाई	2	4.60	4.60	
		लिंक रोड	6	7.52	7.52	
15.	चंदपुरा	जोहड़ खुदाई	2	2.35	2.35	75
		लिंक रोड	3	5.02	5.02	
		स्कूल रास्ते की भूमि भराई	1	1.03	1.03	

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	कार्यों की संख्या	उपलब्ध राशि	खर्च (रुपये लाखों में)	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
16.	छापड़ा सलीमपुर	लिंक रोड	5	4.9	4.9	49
17.	डेरोली अहिर	नाले की खुदाई व निर्माण	3	1.34	1.34	71
		लिंक रोड	3	4.89	4.89	
		रिंग बांध	1	4.50	4.50	
18.	धनौन्दा	जोहड़ खुदाई	1	2.19	2.19	25
		लिंक रोड	2	1.8	1.8	
19.	दुबलाना	जोहड़ खुदाई	2	1.30	1.30	62
		लिंक रोड	5	3.98	3.98	
20.	दुलोट जाट	जोहड़ खुदाई	2	1.59	1.59	43
		लिंक रोड	2	1.36	1.36	
21.	फतेहपुर	लिंक रोड	2	3.07	3.07	40
22.	गनियार	जोहड़ खुदाई	2	4.48	4.48	109
		लिंक रोड	6	18.12	18.12	
		पौधारोपण	1	0.20	0.20	
23.	गढ़ी रुथल	लिंक रोड	4	4.82	4.82	57
		पौधारोपण	1	0.08	0.08	
		जोहड़ खुदाई	1	0.50	0.50	
24.	गुजरवास	जोहड़ खुदाई	2	0.74	0.74	87
		लिंक रोड	4	4.97	4.97	
		पौधारोपण	1	0.20	0.20	
25.	गुवानी	नाले की खुदाई व निर्माण	1	0.80	0.80	67
		जोहड़ खुदाई	1	0.50	0.50	
		लिंक रोड	4	4.50	4.50	
26.	हसनपुर	लिंक रोड	3	3.43	3.43	73
27.	जाट गुवाना	नाले की खुदाई व निर्माण	-	1.25	1.25	33
		लिंक रोड	2	4.58	4.58	
		जोहड़ खुदाई	1	0.60	0.60	

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	कार्यों की संख्या	उपलब्ध राशि	खर्च (रुपये) लाखों में)	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
28.	कांटी	जोहड़ खुदाई	2	2.00	2.00	102
		लिंक रोड	3	8.81	8.81	
		पौधारोपण	1	0.5	0.5	
29.	कारिया	लिंक रोड	1	0.80	0.80	64
		जोहड़ की चार दिवारी	1	1.00	1.00	
30.	कटकई	लिंक रोड	3	3.91	3.91	63
		जोहड़ खुदाई	1	1.25	1.25	
31.	खैरानी	जोहड़ खुदाई	2	1.50	1.50	50
		लिंक रोड	5	6.67	6.67	
32.	खामपुरा	लिंक रोड	2	1.68	1.68	39
33.	खारीवाड़ा	जोहड़ खुदाई	1	0.60	0.60	70
		डोला बंदी	1	0.70	0.70	
		लिंक रोड	3	4.05	4.05	
		पौधारोपण	1	0.08	0.08	
34.	खासपुर	नाला निर्माण	1	1.31	1.31	100
		जोहड़ खुदाई	1	1.00	1.00	
		लिंक रोड	5	11.98	11.98	
		पौधारोपण	1	0.24	0.24	
35.	खतरीपुर	लिंक रोड	3	3.13	3.13	75
36.	खेड़ी	लिंक रोड	4	9.93	9.93	123
		पौधारोपण	1	0.5	0.5	
		जोहड़ खुदाई	1	1.2	1.2	
37.	खोड	नाले की खुदाई निर्माण	2	1.96	1.96	140
		जोहड़ खुदाई	3	3.69	3.69	
		लिंक रोड	5	12.61	12.61	
		भूमि भराई	1	0.95	0.95	
		पौधारोपण	1	0.81	0.81	
38.	कुंजपुरा	जोहड़ खुदाई	1	0.5	0.5	91
		लिंक रोड	3	2.97	2.97	
		नाले का निर्माण	1	1.03	1.03	

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	कार्यों की संख्या	उपलब्ध राशि	खर्च (रुपये) लाखों में)	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
39.	कुतबापुर	लिंक रोड	3	1.6	1.6	21
40.	महासर	जोहड़ खुदाई	1	0.95	0.95	50
		लिंक रोड	4	5.34	5.34	
41.	मीरपुर	जोहड़ खुदाई	1	1	1	85
		लिंक रोड	2	2.52	2.52	
42.	मिर्जापुर	नाले की खुदाई व निर्माण	1	0.88	0.88	78
		लिंक रोड	3	5.70	5.70	
		भूमि भराई नजदीक बाबा जोहड़	1	1.66	1.66	
43.	मित्रपुरा	लिंक रोड	1	0.67	0.67	20
44.	मोहमदपुर	लिंक रोड	6	5.72	5.72	80
		जोहड़ खुदाई	1	1.20	1.20	
45.	मोहलड़ा	लिंक रोड	4	5.07	5.07	38
46.	नंग तिहाड़ी	नाले की खुदाई व निर्माण	2	4.88	4.88	120
		लिंक रोड	1	0.98	0.98	
47.	नांगल	लिंक रोड	2	2.31	2.31	70
		जोहड़ खुदाई	1	1.00	1.00	
48.	नसीबपुर	जोहड़ खुदाई	2	2	2	68
		लिंक रोड	2	1.93	1.93	
		पौधारोपण	1	1	1	
49.	नाबदी	लिंक रोड	3	2.95	2.95	86
		भूमि भराई एल.ए.डी.टी.	1	1.00	1.00	
		जोहड़ खुदाई	1	0.90	0.90	
50.	नीरपुर (ना)	जोहड़ खुदाई	1	0.65	0.65	80
		लिंक रोड	6	6.79	6.79	
		पौधारोपण	1	0.1	0.1	
51.	नीरपुर (रा)	लिंक रोड	1	0.3	0.3	
		जोहड़ खुदाई	1	1.7	1.7	

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	कार्यों की संख्या	उपलब्ध राशि	खर्च (रुपये) लाखों में)	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
52.	नूनीअव्वल	लिंक रोड	1	0.33	0.33	26
53.	नूनीकलां	लिंक रोड	5	3.4	3.4	65
		पूलिया का निर्माण	1	2.3	2.3	
		जोहड़ खुदाई	1	1	1	
54.	पृथ्वीपुरा	जोहड़ खुदाई	1	1.34	1.34	88
		लिंक रोड	4	3.4	3.4	
55.	राजपुरा	जोहड़ खुदाई	1	1.98	1.98	87
		पौधारोपण	1	0.12	0.12	
		लिंक रोड	2	2.15	2.15	
56.	रामपुरा	बांध	3	4.44	4.44	163
		जोहड़ खुदाई	4	7.49	7.49	
		लिंक रोड	5	13.64	13.64	
57.	रातकलां	लिंक रोड	7	9.81	9.81	95
		भूमि भराई एल.ए.डी.टी.	1	0.39	0.39	
58.	रातखुर्द	लिंक रोड	7	6.66	6.66	55
59.	सरायबहादुर नगर	लिंक रोड	4	4.27	4.27	49
60.	सगरपुर	जोहड़ खुदाई	1	1.88	1.88	74
		लिंक रोड	1	0.5	0.5	
61.	शहरपुर	लिंक रोड	2	1.74	1.74	18
62.	सैदपुर	जोहड़ खुदाई	1	1.63	1.63	92
		लिंक रोड	2	1.50	1.50	
63.	सलीमपुर	जोहड़ खुदाई	2	1.00	1.00	69
		लिंक रोड	4	3.36	3.36	
		नाला निर्माण	1	0.20	0.20	
64.	सलूनी	जोहड़ खुदाई	2	2.99	2.99	94
		लिंक रोड	4	8.66	8.66	
65.	शैखपुरा	नाले की खुदाई व निर्माण	1	0.89	0.89	45
		लिंक रोड	1	2	2	

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	कार्यों की संख्या	उपलब्ध राशि	खर्च (रुपये) लाखों में)	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
66.	सीहमा	लिंक रोड	5	6.12	6.12	83
		जोहड़ खुदाई	1	0.30	0.30	
67.	सिलारपुर	जोहड़ खुदाई	2	2.25	2.25	80
		लिंक रोड	7	6.13	6.13	
68.	शोभापुर	लिंक रोड	2	1.31	1.31	29
69.	सुजापुर	जोहड़ खुदाई	1	1.32	1.32	108
		लिंक रोड	8	21.38	21.38	
		पौधारोपण	1	0.40	0.40	
		जोहड़ खुदाई	1	0.86	0.86	
70.	सुरानी	जोहड़ खुदाई	1	0.5	0.5	31
		लिंक रोड	3	4.94	4.94	
71.	ताजपुर	लिंक रोड	6	9.50	9.50	78
		पौधारोपण	2	0.80	0.80	
72.	तीगड़ा	जोहड़ खुदाई	2	3.03	3.03	184
		लिंक रोड	4	4.94	4.94	
73.	तोबड़ा	जोहड़ खुदाई	2	2.60	2.60	66
		लिंक रोड	1	1.00	1.00	
74.	उनिन्दा	लिंक रोड	3	2.5	2.5	59
		जोहड़ खुदाई	1	2.06	2.06	
		कुल	383	516.95	516.95	5131

खण्ड : महेन्द्रगढ़

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	खर्च (रु. लाखों में)	कार्यों की संख्या	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
1.	आदलपुर	जोहड़ खुदाई	1.80	1	70
		लिंक रोड	3.60	1	
		पौधारोपण	0.10	1	

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	खर्च (रु. लाखों में)	कार्यों की संख्या	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
2.	अकौदा	जोहड़ खुदाई	9.96	1	172
		रास्ते का भरत	4.60	2	
		पौधारोपण	0.33	1	
3.	बैरावास	नहर की सफाई	0.60	1	74
		जोहड़ खुदाई	0.30	1	
		लिंक रोड	4.68	3	
4.	बलायचा	लिंक रोड	5.25	3	27
5.	बलाना	जोहड़ खुदाई	0.95	1	46
		लिंक रोड	0.70	1	
6.	बारड़ा	जोहड़ खुदाई	2.95	2	42
		लिंक रोड	1.14	1	
7.	बासड़ी	पौधारोपण	0.08	1	112
		जोहड़ खुदाई	3.40	2	
8.	बास	जोहड़ खुदाई	2.44	1	75
9.	बसई	जोहड़ खुदाई	2.75	2	125
10.	बवाना	जोहड़ खुदाई	3.25	2	35
11.	बेरी	जोहड़ खुदाई	3.10	1	120
		लिंक रोड	4.10	2	
12.	भगड़ाना	लिंक रोड	5.14	3	31
		नाला	2.76	2	
13.	भांडोर निचौ	जोहड़ खुदाई	2.65	1	82
		लिंक रोड	0.48	1	
14.	भांडोर उंचौ	लिंक रोड	7.50	3	35
		पौधारोपण	0.15	1	
15.	भूर्जट	जोहड़ खुदाई	5.96	2	144
		लिंक रोड	7.80	5	
16.	बुचौली	लिंक रोड	4.25	2	39
17.	बुडीना	बांध	1.08	1	44
		जोहड़ खुदाई	1.65	1	
		लिंक रोड	1.74	1	

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	खर्च (रु. लाखों में)	कार्यों की संख्या	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
18.	चामघेड़ा	रास्ते की भरत	1.60	1	27
		पौधारोपण	1.40	1	
19.	छाजियावास	लिंक रोड	0.75	2	31
20.	चितलांग	जोहड़ खुदाई	2.40	2	35
		लिंक रोड	1.40	1	
21.	डालनवास	जोहड़ खुदाई	6.97	2	55
		पौधारोपण	1.15	1	
		लिंक रोड	2.74	1	
22.	डेरोली जाट	जोहड़ की खुदाई	0.95	1	34
		पौधारोपण	0.05	1	
23.	देवास	जोहड़ की खुदाई	3.65	1	48
		लिंक रोड	2.12	2	
		पौधारोपण	0.50	1	
24.	ढाढोत	जोहड़ की खुदाई	4.10	2	35
		लिंक रोड	1.60	1	
25.	ढाणा	जोहड़ की खुदाई	2.23	1	70
		लिंक रोड	1.20	1	
26.	धौली	जोहड़ की खुदाई	4.90	2	98
		लिंक रोड	2.45	1	
27.	डिगरोता	बांध	3.23	2	78
		जोहड़ की खुदाई	10.66	3	
		गली	8.36	7	
28.	डूलाना	लिंक रोड	2.70	3	35
29.	दूलोठ अहीर	जोहड़ की खुदाई	0.46	1	62
		लिंक रोड	1.20	1	
30.	गडानियां	जोहड़ की खुदाई	3.72	2	33
		रास्ते की भरत	3.16	1	
31.	गादड़वास	जोहड़ की खुदाई	3.80	1	34
		लिंक रोड	0.92	1	
32.	गढ़ी	जोहड़ की खुदाई	1.33	1	28

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	खर्च (रु. लाखों में)	कार्यों की संख्या	रोजगार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
33.	झांझड़ियावास	लिंक रोड	2.86	1	35
34.	जाट	जोहड़ की खुदाई	5.90	1	123
		लिंक रोड	3.65	2	
		पौधरोपण	0.50	1	
		गली	1.60	1	
35.	जड़वा	जोहड़ की खुदाई	1.55	1	25
36.	जासवास	लिंक रोड	2.29	1	30
		जोहड़ की खुदाई	0.65	1	
37.	जाटवास	जोहड़ की खुदाई	3.25	1	27
		नाला	1.58	1	
		सड़क	1.30	1	
38.	झूक	लिंक रोड	4.12	1	23
39.	जौनावास	जोहड़ की खुदाई	0.65	1	25
		लिंक रोड	1.80	1	
		नाला	0.70	1	
40.	खायरा	जोहड़ की खुदाई	5.05	1	20
41.	खैरोली	लिंक रोड	1.85	1	22
		जोहड़	0.50	1	
42.	खातीवास	जोहड़ की खुदाई	2.61	1	34
		लिंक रोड	1.38	1	
43.	खातोद	जोहड़ की खुदाई	0.80	1	12
44.	खातोदड़ा	जोहड़ की खुदाई	5.38	2	32
45.	खेड़की	लिंक रोड	6.22	2	55
46.	खुड़ाना	बांध	6.95	1	160
		जोहड़ की खुदाई	10.20	1	
		रास्ते की भरत	4.05	1	
47.	कोथल कलां	लिंक रोड	3.80	2	30
48.	कोथल खुर्द	लिंक रोड	5.45	2	35
49.	कुक्सी	जोहड़ की खुदाई	0.27	1	41
		सड़क	1.97	1	

सिंह हुड्डा]

	गांव का नाम	कार्य का नाम	खर्च (रु. लाखों में)	कार्यों की संख्या	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
50.	कुरांहवटा	पाईप लाईन	4.70	1	
		जोहड़ की खुदाई	2.38	1	7
51.	लावण	लिंक रोड	7.59	1	
52.	माधोगढ़	बांध	0.55	1	110
		जोहड़	10.67	1	
		लिंक रोड	6.99	1	
53.	भाजरा कलां	लिंक रोड	2.90	1	37
54.	भाजरा खुर्द	लिंक रोड	2.80	1	46
55.	मालड़ा बास	लिंक रोड	2.00	1	42
56.	मालड़ा सराय	लिंक रोड	0.55	1	26
57.	माण्डोला	जोहड़ की खुदाई	1.02	1	90
58.	नानगवास	जोहड़ की खुदाई	0.50	1	53
		लिंक रोड	8.20	2	
59.	नांगल भाला	जोहड़ की खुदाई	0.35	1	81
		पौधारोपण	0.97	1	
60.	नांगल सिरोही	लिंक रोड	1.50	1	49
61.	नावां	जोहड़ की खुदाई	5.59	2	80
62.	निहालावास	जोहड़ की खुदाई	3.00	1	64
		कच्चा भाला	2.25	1	
		लिंक रोड	2.30	2	
63.	निम्बेड़ा	लिंक रोड	2.50	1	25
		पौधारोपण	0.07	1	
64.	निम्बी	जोहड़ की खुदाई	2.40	1	160
		लिंक रोड	8.15	3	
		नाला	0.50	1	
		पौधारोपण	1.90	1	
65.	पाता	जोहड़ की खुदाई	2.08	1	99
		लिंक रोड	3.85	2	
		पौधारोपण	0.14	1	

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	खर्च (रु. लाखों में)	कार्यों की संख्या	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
66.	पायगा	लिंक रोड	0.55	1	16
		पौधारोपण	0.20	1	
		तालाब	0.19	1	
67.	पल्ह	लिंक रोड	2.40	1	
		पौधारोपण	0.30	1	
68.	पाली	जोहड़ की खुदाई	3.49	1	91
		रास्ते की भरत	0.50	1	
69.	पालड़ी पनिहार	लिंक रोड	5.05	2	71
70.	पथरवा	जोहड़ की खुदाई	3.85	1	99
		लिंक रोड	0.29	1	
		पौधारोपण	0.79	1	
71.	राजावास	बांध	1.80	1	43
72.	रिवासा	जोहड़ की खुदाई	6.72	2	80
		निकासी नाला	1.79	1	
		रास्ते की भरत	1.03	1	
		भूमि समतल	0.25	1	
		पौधारोपण	0.20	1	
73.	सतनाली	जोहड़ की खुदाई	0.65	1	89
		लिंक रोड	0.10	1	
74.	श्यामपुरा	जोहड़ खुदाई	8.15	1	125
		शाला	1.43	1	
75.	सिसोठ	नहर	0.20	1	28
		जोहड़ खुदाई	1.85	1	
		लिंक रोड	0.50	1	
76.	सोहला	जोहड़ खुदाई	0.50	1	18
77.	सोहड़ी	जोहड़ खुदाई	2.63	1	105
		पौधारोपण	0.10	1	
78.	सरहेती जाखल	जोहड़ खुदाई	2.50	1	98
		लिंक रोड	0.10	1	
		पौधारोपण	0.50	1	

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	खर्च (रु. लाखों में)	कार्यों की संख्या	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
79.	सुरहेती मोडियान	जोहड़ खुदाई	0.95	1	37
		लिंक रोड	0.15	1	
		पौधारोपण	0.41	1	
		पौधारोपण	0.20	1	
80.	सुरहेती पिलानियां	जोहड़ खुदाई	2.11	1	65
		पौधारोपण	0.21	1	
81.	उज्मापुर	लिंक रोड	1.72	1	49
82.	जेरपुर	जोहड़ खुदाई	0.05	1	30
		कुल	**410.63**	**212**	**4718**
		फुटकर	**1.21**		
		कुल योग	**411.84**		
खण्ड - नारनौल					
1.	अमरपुर जौरासी	जोहड़ खुदाई	1.38	1	63
2.	आजमाबाद मौखता	जोहड़ खुदाई	5.36	3	270
		चारदीवारी	12.53	4	
		गली का पायदान	1.90	1	
		नाली	0.36	1	
		नाला	2.99	1	
		बांध की बनाई	1.52	1	
		खुरा निर्माण	0.63	1	
		पौधारोपण	4.36	1	
		जोहड़ खुदाई	5.90	2	
3.	आजमनगर	लिंक रास्ता	5.39	1	102
		जोहड़ खुदाई	0.50	1	
4.	बदोपुर	जोहड़ खुदाई	3.23	2	53
5.	बलाहकलां	लिंक रास्ता	1.91	1	64
		लिंक रास्ता	0.50	1	
6.	बलाहखुर्द	जोहड़ खुदाई	2.96	1	107
		बांध	0.50	1	

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	खर्च (रु. लाखों में)	कार्यों की संख्या	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
7.	बामनवास	जोहड़ खुदाई	5.17	3	147
		जोहड़ की चारदीवारी	1.75	1	
		लिंक रास्ता	4.04	1	
		गली/लिंक रास्ता	2.64	1	
		लिंक रास्ता	2.40	1	
8.	बापड़ौली	लिंक रोड	0.38	1	70
9.	बसीरपुर	जोहड़ खुदाई	1.00	1	118
		चारदीवारी	1.88	1	
		बांध	1.00	1	
10.	बासकिरारोद उमराखाद	जोहड़ खुदाई	4.11	1	90
		चारदीवारी	1.87	1	
11.	भांखरी	बावड़ी/जोहड़	0.67	1	36
12.	छिलरो	जोहड़ खुदाई	1.30	1	124
		लिंक रास्ता	1.55	1	
13.	चिनडालिया	लिंक रास्ता	6.28	2	132
		खुदाई	0.25	1	
		जोहड़ खुदाई	1.50	1	
		लिंक रास्ता	0.50	1	
14.	दनचौली	जोहड़ खुदाई	2.32	1	106
		जोहड़ खुदाई	1.00	1	
15.	धनौटा	लिंक रास्ता	3.46	1	88
		जोहड़ खुदाई	1.00	1	
16.	धरसूं	जोहड़ खुदाई	0.85	1	32
		खुरा निर्माण	0.51	1	
17.	दोचाना	जोहड़ खुदाई	2.65	1	55
18.	डोहर कलां	पाईप लाईन	4.50	1	260
		जोहड़ खुदाई	9.50	3	
		चारदीवारी	3.07	1	
		गूण	2.16	1	
		गली का निर्माण	7.05	3	
		लिंक रास्ता	4.77	1	
		जोहड़ खुदाई	1.00	1	

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	खर्च (रु. लाखों में)	कार्यों की संख्या	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
		जोहड़ खुदाई	0.50	1	
		डोल बंधी	0.45		
19.	डोहरखुर्द	जोहड़ की चारदीवारी	3.50	1	142
		जोहड़ खुदाई	2.08	1	
		नाला निर्माण	2.50	1	
		खुरा निर्माण	0.86	1	
20.	फैजाबाद	लिंक रोड	2.28	1	76
		लिंक रास्ता	1.00	1	
		जोहड़ खुदाई	0.50	1	
21.	फैजलीपुर	जोहड़ खुदाई	1.19	1	54
22.	गहली	रास्ता	1.83	1	156
		जोहड़ खुदाई	0.97	1	
		जोहड़	1.00	1	
		चारदीवारी	1.14	1	
23.	घाटासेर	लिंक रास्ता	4.99	1	150
		जोहड़ की चारदीवारी	4.51	1	
		जोहड़ खुदाई	3.59	2	
		जोहड़ खुदाई	0.90	1	
		बांध की मुरम्मत	0.25	1	
		जोहड़ खुदाई	0.50	1	
		गली	1.00	1	
24.	गोद	लिंक रास्ता	3.23	1	140
		लिंक रोड	0.40	1	
		बांध / नाला	2.20	1	
		पौधारोपण	0.25	1	
		लिंक रास्ता	1.00	1	
		खुरा निर्माण	0.25	1	
25.	गुलावला	लिंक रोड	0.24	1	63
		जोहड़ खुदाई	2.27	1	
		लिंक रास्ता	0.50	1	

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	खर्च (रु. लाखों में)	कार्यों की संख्या	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
26.	हमीदपुर	जोहड़ की चारदीवारी	1.38	1	60
		जोहड़ खुदाई	5.48	2	
27.	हसनपुर	तालाब का नाला	1.71	1	93
		जोहड़ खुदाई	1.82	1	
		जोहड़ खुदाई	1.73	1	
28.	हाजीपुर	लिंक रोड	0.40	1	18
29.	हुडिना	लिंक रोड	0.34	1	78
		जोहड़ खुदाई	1.43	1	
30.	जादूपुर	तालाब की चारदीवारी	2.82	1	70
		जोहड़ खुदाई	4.44	2	
		बांध	0.48	1	
		जोहड़ खुदाई	2.85	1	
		पौधारोपण	3.30	1	
		लिंक रोड	1.45	1	
31.	जैलाफ	जोहड़ खुदाई	3.87	2	130
		जोहड़ खुदाई	0.50	1	
		नहर की सफाई	0.05	1	
32.	जाखनी	जोहड़ खुदाई/ चारदीवारी	5.39	1	58
		नाला	0.50	1	
		पौधारोपण	0.25	1	
33.	कारौली	जोहड़ खुदाई	1.60	1	62
		जोहड़ खुदाई	0.75	1	
34.	खटोटी खुर्द	जोहड़ खुदाई	0.31	1	60
35.	खटोटी सुल्तानपुर	लिंक रोड	0.75	1	81
		बांध	0.80	1	
		भूमि समतल	1.22	1	
		जोहड़ खुदाई	1.00	1	
36.	खोड़ना	लिंक रास्ता	1.28	1	205
		बांध	2.45	1	
		जोहड़ खुदाई	2.76	1	
		खुरा	0.92	1	

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	खर्च (रु. लाखों में)	कार्यों की संख्या	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
		नहर की सफाई	0.07	1	
		जोहड़ खुदाई	1.00	1	
37.	कोरियावास	जोहड़ खुदाई	4.30	2	80
		जोहड़ खुदाई	0.50	1	
38.	कुल्ताजपुर	जोहड़ खुदाई	2.91	1	174
39.	लहरौदा	जोहड़ खुदाई	0.28	1	60
		लिंक रोड	1.70	1	
40.	मोहमदपुर हमीदखान	लिंक रास्ता	3.25	1	150
		जोहड़ खुदाई	2.40	1	
41.	महरमपुर	जोहड़ खुदाई	2.78	1	150
		लिंक रास्ता	3.21	1	
		जोहड़ खुदाई	1.30	1	
		पाल बंधाई	0.50	1	
42.	मंडलाना	रास्ते का निर्माण	1.53	1	53
		लिंक रोड	0.35	1	
		जोहड़ खुदाई	2.00	1	
43.	मारौली	लिंक रास्ता	1.38	1	111
		जोहड़ खुदाई	1.13	1	
44.	मेई	लिंक रास्ता	3.66	1	157
		जोहड़ खुदाई	2.00	1	
45.	मुकंदपुरा	जोहड़ खुदाई	1.50	1	121
		लिंक रास्ता	1.05	1	
		जोहड़ खुदाई	2.00	1	
		पौधारोपण	0.20	1	
		बांध	1.00	1	
46.	नांगलकाठा	लिंक रोड	1.96	1	72
47.	नापला	जोहड़ खुदाई	2.44	1	140
		पानी जाने के रास्ते की दीवार	0.48	1	
		बांध	2.00	1	

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	खर्च (रु. लाखों में)	कार्यों की संख्या	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
		पौधारोपण	0.20	1	
		लिंक रास्ता	1.80	1	
48.	नारहेड़ी	जोहड़ खुदाई	1.80	1	70
		लिंक रास्ता	0.57	1	
		जोहड़ खुदाई	1.28	1	
		बांध	1.00	1	
		लिंक रास्ता	1.00	1	
49.	निवाजनगर	नाला	0.47	1	45
50.	निजामपुर	लिंक रास्ता	1.53	1	138
		लिंक रास्ता	1.78	1	
51.	पटिकरा	बांध	1.99	1	174
		जोहड़ खुदाई	4.37	1	
		पाल बंधाई	2.00	1	
		नाला	1.50	1	
52.	पवेरा	जोहड़ खुदाई	1.5	1	150
		लिंक रास्ता	0.80	1	
		रास्ते का निर्माण	1.85	1	
		लिंक रास्ता	0.36	1	
		लिंक रास्ता	1.76	1	
		बांध	1.32	1	
		लिंक रोड	0.67	1	
53.	रघुनाथपुरा	रास्ता	2.75	1	115
54.	रामबास	रास्ता	0.49	1	45
		जोहड़ खुदाई	1.00	1	
55.	रामपुरा	नाला निर्माण	1.09	1	70
		जोहड़ की गाद निकालना	1.99	1	
		लिंक रोड़	1.00	1	
		जोहड़ खुदाई	1.00	1	
56.	सिलारपुर मेहला	लिंक रास्ता	1.33	1	30
57.	टहला	जोहड़ खुदाई	1.00	1	125
		लिंक रोड	2.20	1	

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

क्रम संख्या	गांव का नाम	कार्य का नाम	खर्च (रु. लाखों में)	कार्यों की संख्या	रोज़गार दिये गये व्यक्तियों की संख्या
		जोहड़ खुदाई	0.50	1	
		बांध	1.00	1	
		पानी जाने के रास्ते की दीवार	0.50	1	
58.	तलोट	जोहड़ खुदाई	4.08	1	112
		जोहड़ की चारदीवारी	4.27	1	
		नाला निर्माण	0.23	1	
		बांध	1.55	1	
		पौधारोपण	0.45	1	
		गली	1.80	1	
59.	थाना	जोहड़ खुदाई	3.27	1	96
	कुल		345.89	199	6101

जिला कुल योग : 2212.88 लाख रुपए

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Setting up Nuclear Power Plant

96. Dr. Sita Ram : Will the Power Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set-up Nuclear Power Plant in the State in near future ; if so, the details of cost of Nuclear Plant, capacity of power generation and cost of production of electricity per unit ?

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : हां, श्रीमान जी, राज्य में परमाणु बिजली संयंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है। मैसर्ज न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटिड की स्थल चयन समिति के द्वारा जिला फतेहाबाद में ग्राम कुम्हारिया के पास 2800 मैगावाट (4 × 700 मैगावाट) का परमाणु बिजली संयंत्र स्थापित करने के लिए स्थल की पहचान कर ली गई है। यह संयंत्र, अनुमोदित होने पर मैसर्ज न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटिड के द्वारा स्थापित किया जाएगा। यह मामला भारत के विचाराधीन है।

Proclaimed Offenders

100. Sh. Karan Singh Dalal : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the name and addresses of the proclaimed offenders delcarted by various Courts in the State alongwith their offences since 1st January, 1991 till date ;

(b) the present status of the proclaimed offenders in part (a) above?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : श्रीमान जी, सदन के पटल पर इस बड़े विस्तार की सूचना को रखने हेतु जो प्रयास अपेक्षित है, वे मिलने वाले परिणाम के अनुरूप नहीं होंगे।

Quantum of Canal Water available in Haryana

103. Shri Naresh Yadav : Will the Irrigation Minister be pleased to state—

(a) the total quantum of canal water available in Haryana at present ; and

(b) the district-wise details of quantum of canal water being released at present togetherwith the district-wise share of canal water ?

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) :

(क) हरियाणा में इस समय वर्ष 2007-08 (अप्रैल, 2007 से जनवरी, 2008 तक) उपलब्ध नहरी पानी की कुल मात्रा 8.356 मिलियन एकड़ फीट है।

(ख) नहरी पानी का लेखा-जोखा परिमण्डल-वार किया जाता है न कि जिलावार। परिमण्डल-वार दिए जा रहे नहरी पानी की मात्रा की विवरणी सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरणी

क्रमांक	परिमण्डल का नाम	वर्ष 2007-08 (अप्रैल, 2007 से जनवरी, 2008 तक 10 महीनों) में दिए जा रहे नहरी पानी की मात्रा एवं हिस्सा मिलियन एकड़ फीट में		टिप्पणी
		हिस्सा	प्रयोग किया जा रहा पानी	
1	2	3	4	5
1.	हथनीकुण्ड बैराज परिमण्डल, जगाधरी	0.016	0.052	
2.	यमुना जल सेवाएं परिमण्डल, करनाल	0.499	0.997	
3.	यमुना जल सेवाएं परिमण्डल, फरीदाबाद	0.464	0.371	
4.	यमुना जल सेवाएं परिमण्डल, दिल्ली	0.350	0.319	
5.	यमुना जल सेवाएं परिमण्डल, जीन्द	0.319	0.285	

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

1	2	3	4	5
6.	यमुना जल सेवाएं परिमण्डल, भिवानी	0.598	0.519	
7.	सतलुज यमुना सम्पर्क जल सेवाएं परिमण्डल, अम्बाला	0.226	0.154	
8.	भाखड़ा जल सेवाएं परिमण्डल, कैथल	0.853	1.532	
9.	भाखड़ा जल सेवाएं परिमण्डल नं०-I हिसार	0.913	1.241	
10.	भाखड़ा जल सेवाएं परिमण्डल नं०-II हिसार	0.584	0.444	
11.	भाखड़ा जल सेवाएं परिमण्डल, सिरसा	1.014	0.896	
12.	यमुना जल सेवाएं परिमण्डल, रोहतक	1.011	0.738	
13.	झज्जर जल सेवाएं परिमण्डल, रोहतक	0.137	0.181	
14.	लोहारू जल सेवाएं परिमण्डल, भिवानी	0.695	0.236	
15.	जवाहर लाल नेहरू जल सेवाएं परिमण्डली, रिवाड़ी	0.253	0.139	
16.	जवाहर लाल नेहरू जल सेवाएं परिमण्डल, नारनौल	0.424	0.175	
	योग	**8.356**	**8.279**	

Setting-up Gas based Power Plants

97. Dr. Sita Ram : Will the Power Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set-up Gas based Power Generation Plants in the State in near future ; if so, the details of cost of Plant and cost of power generation per unit ?

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : हां, श्रीमान, राज्य में 3 × 350 मैगावाट का गैस आधारित बिजली उत्पादन संयंत्र राज्य क्षेत्र में, फरीदाबाद में स्थापित करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है। इस संयंत्र की अनुमानित लागत लगभग 3150 करोड़ रूपए हैं। बिजली उत्पादन की प्रति यूनिट लागत इस संयंत्र के लिए अनुबंधित की गई गैस की कीमत पर निर्भर करेगी।

इसके अतिरिक्त कई निजी कम्पनियों, जिन्होंने राज्य में गैस आधारित बिजली उत्पादन संयंत्र लगाने के लिए रूचि दिखाई, उनके साथ हैडस आफ एग्रीमैंट / मैमोरैन्डम ऑफ अण्डरस्टैडिंग हस्ताक्षरित किए गए, जिनका परिणाम गैस की उपलब्धता पर निर्भर करेगा। विस्तृत विवरण संलग्न है।

विवरण

गैस पर आधारित परियोजनाएं

राज्य में विभिन्न स्थलों पर गैस आधारित संयंत्र स्थापित करने हेतु, गैस की आपूर्ति तथा सम्प्रेषण के लिए वर्ष, 2005 में रूचि व्यक्त करने वाली निजी पार्टियों के साथ एच०पी०जी०सी०एल० तथा गेल ने त्रिपक्षीय समझौते किए। दो निजी कम्पनियों ने मैसर्ज गैल के साथ सीधे ही हैडस आफ एग्रीमैंट (एच०ओ०ए०) हस्ताक्षरित किए। स्थिति निम्न प्रकार से है :--

क्र.सं.	आई.पी.पी. जिनके द्वारा रुचि की अभि-व्यक्ति की गई	हरियाणा में प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए स्थान	आई.पी.पी. द्वारा प्रस्तावित परियोजनाओं की क्षमता	गेल के साथ हस्ताक्षरित किए गए एच. ओ.ए./एम.ओ.यू.	क्रियान्वन का समय
1.	मैसर्ज टाटा पावर कम्पनी/एन.डी.पी. एल.	झज्जर	1000 मैगावाट	17.11.2005 त्रिपक्षीय समझौता	गैस की उपलब्धता की
2.	मैसर्ज जिन्दल स्टेनलैस लि., हिसार	हिसार	1080 मैगावाट	6.9.2005 त्रिपक्षीय समझौता	अनिश्चितता के कारण अभी निश्चित
3.	मैसर्ज विजगान प्राईवेट लि., मुम्बई	पानीपत	600 मैगावाट	16.9.2005 त्रिपक्षीय समझौता	नहीं है।
4.	मैसर्ज तायल एनर्जी, सिलवाना	पानीपत	400 मैगावाट	14.10.2005 त्रिपक्षीय समझौता	
5.	मैसर्ज हरियाणा अबान लि., चेन्नई	फरीदाबाद	1065 मैगावाट	3.5.2005 द्विपक्षीय समझौता गेल के साथ	
6.	मैसर्ज टौरैन्ट पावर, गुजरात	यमुनानगर	660 मैगावाट	द्विपक्षीय समझौता गेल के साथ सितम्बर, 2005	

Prevention of Corruption Act, 1988

101. Shri Karan Singh Dalal : Will the Chief Minister be pleased to state the date on which the Prevention of Corruption Act, 1988 was adopted or ratified by the State for making it applicable to the public servants of the State who are in the State List.

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : श्रीमान जी, यह अधिनियम, कानून की पुस्तक में 'भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम, 1988 (49/1988)' के नाम से दिनांक 12 सितम्बर, 1988 को अस्तित्व में आया। यह अधिनियम जम्मू व कश्मीर राज्य को छोड़कर सम्पूर्ण भारत में लागू हुआ तथा यह अधिनियम सभी भारतीय नागरिक व भारतीय नागरिक जो भारत से बाहर रह रहे हैं, पर लागू होता है, अतः यह अधिनियम अस्तित्व में आने की तिथि से ही हरियाणा राज्य के सभी कर्मचारियों पर लागू है।

Details of Interest Waived off

104. Shri Naresh Yadav : Will the Co-coperation Minister be pleased to state the district-wise details of perosns whose interest of loan taken from the Co-operative Banks has been waived off togetherwith the amount of interest waived off ?

कृषि मंत्री (सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा) : अल्प अवधि ऋण योजना के अंतर्गत 258388 किसानों को 31.12.2007 तक कुल 177.74 करोड़ रुपए का बतौर ब्याज माफी का लाभ दिया गया है (जिलावार तालिका संलग्न है)

दीर्घ अवधि ऋण योजना के अंतर्गत 105653 किसानों ने 31.12.2007 कुल 270.27 करोड़ रुपये का बतौर ब्याज माफी का लाभ प्राप्त किया है (जिलावार तालिका संलग्न है)

तालिका

01.07.2006 से 31.12.2007 तक जितने ऋणी किसानों का अल्प अवधि ऋण माफ किया गया उसका जिला वार विवरण इस प्रकार है :—

रुपये लाखों में

क्रमांक	जिले का नाम	ब्याज माफ किये गये व्यक्तियों की संख्या	माफ किये गये ब्याज की राशि
1.	अम्बाला	11547	582.26
2.	भिवानी	27305	1307.71
3.	फरीदाबाद	12740	1418.30
4.	फतेहाबाद	17782	1065.92

क्रमांक	जिले का नाम	ब्याज माफ किये गये व्यक्तियों की संख्या	माफ किये गये ब्याज की राशि
5.	गुड़गांव	18480	1447.36
6.	हिसार	19187	1100.36
7.	झज्जर	8256	690.20
8.	जींद	7976	508.89
9.	करनाल	20066	1811.58
10.	कैथल	21384	1341.73
11.	कुरुक्षेत्र	9566	972.32
12.	महेन्द्रगढ़	15768	837.13
13.	पंचकूला	5288	536.15
14.	पानीपत	9240	813.54
15.	रेवाड़ी	11651	616.70
16.	रोहतक	3610	231.42
17.	सिरसा	15394	1051.03
18.	सोनीपत	8624	694.27
19.	यमुनानगर	14524	741.92
	कुल	**258388**	**17773.79**

01.07.2006 से 31.12.2007 तक जितने ऋणी किसानों का दीर्घ अवधि ऋण माफ किया गया उसका जिला वार विवरण इस प्रकार है :-

रुपये लाखों में

क्रमांक	जिले का नाम	ब्याज माफ किये गये व्यक्तियों की संख्या	माफ किये गये ब्याज की राशि
1.	अम्बाला	1755	43252386.00
2.	पंचकूला	426	16239537.00
3.	यमुनानगर	3603	83317765.00
4.	कुरुक्षेत्र	3887	110309493.00
5.	कैथल	3508	80394718.00
6.	करनाल	7840	230161011.00
7.	पानीपत	2598	67286292.00

[सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा]

क्रमांक	जिले का नाम	ब्याज माफ किये गये व्यक्तियों की संख्या	माफ किये गये ब्याज की राशि
8.	सोनीपत	5414	98048754.00
9.	रोहतक	1490	33116702.00
10.	झज्जर	3212	121519511.00
11.	भिवानी	14319	347307874.00
12.	जींद	3214	121306337.00
13.	हिसार	5600	121126332.00
14.	फतेहाबाद	5136	106009139.00
15.	सिरसा	6379	158482749.00
16.	गुड़गांव	7791	229390037.00
17.	फरीदाबाद	9474	264885049.00
18.	महेन्द्रगढ़	14103	341923237.00
19.	रेवाड़ी	5904	128572831.00
	कुल	105653	2702649754.00

Construction of Railway Over Bridge

98. **Dr. Sita Ram :** Will the P.W.D. (B&R) Minister be pleased to state the latest position regarding construction of Railway Over Bridge at Sirsa and Mandi Dabwali Railway crossing G.T. Road togetherwith the amount sanctioned or spent ?

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) :

सिरसा में उपरगामी रेलवे पुल :

इस कार्य के लिए 30.00 करोड़ रुपये का अनुमान अनुमोदन के लिए सड़क परिवहन एवं उच्चमार्ग मंत्रालय, नई दिल्ली को पहले ही भेजा हुआ है। इस अनुमान का अनुमोदन अभी तक मंत्रालय से वांछित है।

मण्डी डबवाली में उपरगामी रेलवे पुल :

मण्डी डबवाली में रेलवे उपरगामी पुल के कार्य का अभी तक सड़क परिवहन एवं उच्चमार्ग मंत्रालय नई दिल्ली से, अनुमोदन नहीं हुआ है।

Misuse/Misappropriation/Embezzlement of Grants Under EFC Scheme

102. **Shri Karan Singh Dalal :** Will the Education Minister be pleased to state—

(a) whether any complaint regarding misuse/misappropriation/ embezzlement of grants under EFC Scheme to the Government School in district Mahindergarh was received by the Government ; and

(b) if so, the details of such complaints alongwith action taken thereon ?

Education Minister (Sh. Mange Ram Gupta) :

(a) Yes, Sir.

(b) A complaint dated 28-9-2005 received by Haryana State Vigilance Bureau is being investigated by them.

Survey for B.P.L. Cards

105. **Shri Naresh Yadav :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the survey work of BPL cards has been completed in district Mahendergarh ; and

(b) if so, the number of eligible persons who have been included in the category of BPL in district Mahendergarh ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) :

(क) जी हां, श्रीमान ।

(ख) सर्वेक्षण के उपरान्त पहचान किये गये पात्र बी०पी०एल० व्यक्तियों की संख्या 1,40,883 (30,534 परिवार) थी । प्रथम स्तरीय अपील के उपरान्त 8,779 अतिरिक्त परिवारों को बी०पी०एल० श्रेणी में जोड़ा गया है ।

HIV + ve cases detected in the State

99. **Dr. Sita Ram :** Will the Health Minister be pleased to state—

(a) the district-wise details of total number of HIV+ve cases detected in the State in the year 2006 and 2007 ; and

(b) the precautionary measures adopted by the Health Department to prevent the spread of the disease ?

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी)

(क) राज्य में वर्ष 2006 तथा 2007 में जिलावार एच०आई०वी०+वी०ई० के पता लगाए गये कुल मामलों की संख्या का ब्योरा निम्न प्रकार है :--

क्र० सं०	जिलों के नाम	वर्ष 2006 में एच०आई०वी० +वी०ई० केस	वर्ष 2007 में एच०आई०वी० +वी०ई० केस	दोनों सालों में कुल केस
1.	अम्बाला	72	116	188
2.	भिवानी	71	86	157
3.	फरीदाबाद	40	61	101
4.	फतेहाबाद	27	35	62
5.	गुड़गांव और मेवात	48	73	121
6.	हिसार	124	146	270
7.	झज्जर	25	59	84
8.	जीन्द	139	156	295
9.	कैथल	45	81	126
10.	करनाल	53	104	157
11.	कुरुक्षेत्र	58	130	188
12.	महेन्द्रगढ़	6	40	46
13.	पंचकूला	22	41	63
14.	पानीपत	39	39	78
15.	रेवाड़ी	22	31	53
16.	रोहतक	855	1378	2233
17.	सिरसा	33	60	93
18.	सोनीपत	39	76	115
19.	यमुनानगर	46	34	80
	कुल	1764	2746	4510

(ख) बीमारी को फैलने से रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा अपनाये गए एहतियात उपाय नॉर्मों के मार्गदर्शन के आधार पर निम्न प्रकार है :--

1. यौन संचारित रोग केन्द्र (एस०टी०डी० केन्द्र) :-- हरियाणा राज्य में 24 यौन संचारित रोग केन्द्र स्थापित किये गये हैं।

2. **परिलक्षित हस्तक्षेप कार्यक्रम (टी०आई० कार्यक्रम)** :– इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गैर-सरकारी संस्थानों द्वारा राज्य के हर जिले में अत्याधिक जोखिम वाली जनसंख्या जैसे :– वैश्यावृत्ति में लिप्त औरतें, आदमी जो आदमी के साथ सैक्स करते हैं, सुई द्वारा नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले, ट्रक ड्राइवर, दूसरे राज्यों से आये मजदूर, गली के बच्चों के बीच में कार्य किया जा रहा है। ये गैर-सरकारी संस्थान अधिक जोखिम वाली जनसंख्या के व्यवहार में बदलाव लाने के लिये कण्डोम का प्रयोग और नई सुई के प्रयोग पर बल दे रहे हैं ताकि एच०आई०वी०/एड्स को आगे बढ़ने से रोका जा सके। इस समय हरियाणा राज्य में 14 गैर-सरकारी संस्थानों द्वारा ये कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

3. **रक्त सुरक्षा** :– वर्ष 1993 में रक्त की एच०आई०वी० +वी०ई० जांच आवश्यक कर दी गई थी। इस समय हरियाणा में 56 लाईसैंस शुदा रक्त केन्द्र चल रहे हैं।

4. **स्कूल एड्स शिक्षा कार्यक्रम और रेड रिबन क्लब** :– इस कार्यक्रम के तहत नौवीं से बाहरवीं तक की कक्षाओं के बच्चों को एच०आई०वी०/एड्स के बारे में बहुत से पहलुओं पर जानकारी दी जा रही है। कॉलेजों के विधार्थियों में एच०आई०वी०/एड्स के प्रति जागरूकता लाने के लिए रेड रिबन क्लब भी बनाये गये हैं।

5. **जागरूक करने के लिये गतिविधियां** : – लोगों में एच०आई०वी०/एड्स के बारे में जागरूकता अखबारों, रेडियो, टेलीविजन, केबल, कार्यशालाओं, बैठकों, बोर्डों, नुक्कड़ नाटकों, पोस्टरों, पैम्पलेटों, पत्रिकाओं, नामपत्रों, कार्यक्रमों आदि द्वारा की जाती है।

To Set-up 33 KV Sub Station in village Rambas

106. **Sh. Naresh Yadav** : Will the Power Minister be pleased to state—whether there is any proposal under consideration of the Government to set-up 33 KV sub station in village Rambas near Kanina ?

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : नहीं श्रीमान, वर्तमान समय में कनीना के पास गांव रामबास में 33 के०वी० उपकेन्द्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

अनुपस्थिति की अनुमति

(i)

15.00 बजे

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received Leave of Absence dated 10th March, 2008 from Shri Chander Mohan, Deputy Chief Minister, which reads as under :—

"Because of sudden demise of my son Master Mohit Bishnoi on

[Mr. Speaker]

6.3.2008, I may not be in a position to attend the Assembly Session till 25th March, 2008."

My absence from the House may please be excused. Inconvenience caused is regretted."

Question is —

That permission for leave of absence from the sittings of the House till 25th March, 2008, be granted.

Voices : Yes, yes.

The motion was carried.

(ii)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received Leave of Absence dated 7th March, 2008 from Shri Mange Ram Gupta, Education & Transport Minister which reads as under :—

"Respected Sir,

It is humbly brought to your kind notice that my son has undergone Bypass Surgery 3-4 days back in New Delhi. He is likely to be discharged from Hospital on 10-03-2008. At the time of his discharge, my presence is essential there.

Keeping in view the above, I would request you that I may kindly be exempted for attending the Vidhan Sabha Session on 10.03.2008."

Question is —

That permission for leave of absence from the sittings of the House on 10th March, 2008, be granted.

Voices : Yes, yes.

The motion was carried.

(iii)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received Leave of Absence dated 7th March, 2008 from Maj. Nirpender Singh Sangwan, M.L.A. which reads as under :—

"Respected Dr. Kadian,

"I am to inform you that I have been invited to attend functions at the army cantonment at Bikaner from 10th to 12th March, 2008.

I am to request you to please grant me leave of absence from the House for these 3 days."

Question is —

That permission for leave of absence from the sittings of the House on 10th to 12th March, 2008, be granted.

Voices : Yes, yes.

The motion was carried.

अनुपस्थिति के सम्बन्ध में सूचना

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I am to inform the House that I have received a letter from Private Secretary of Smt. Kiran Choudhary Minister of State for Forests & Tourism dated 10th March, 2008 that she is not feeling well and unable to attend the sitting of the House.

हरियाणा विधान सभा भवन का नवीनीकरण

Mr. Speaker : Hon'ble Members, Now discussion on Governor's Address will take place.

Shri Shamsher Singh Surjewala : Mr. Speaker Sir, before that I want to say something. स्पीकर सर, यह जो आपने हाउस, विधान सभा और इसके आफिसिज प्रीमिसिज को रेनोवेट करवाया है, इसके लिए मैं पूरे हाउस की तरफ से आपको और आपके पूरे स्टाफ़ को बहुत मुबारिकवाद देना चाहता हूं। यह आपने बहुत ही अच्छा काम किया है। इसकी बहुत सालों से सख्त जरूरत थी क्योंकि यह बहुत पुराना हाउस था और फर्नीचर की हालत भी ठीक नहीं थी, सारा स्ट्रक्चर तथा जो भी फर्नीचर यहां लगा हुआ था उसका आपने नवीनीकरण करवाकर विधान भवन का उद्धार किया है इसके लिए हम आपके आभारी हैं।

श्री अध्यक्ष : धन्यवाद।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने को माननीय सुरजेवाला जी के साथ जोड़ता हूं। जो रेनोवेशन की गई है और जो सुविधाएं दी गई हैं उसके लिए हम आपके आभारी हैं। लेकिन मेरी प्रार्थना है कि कई बार जब कोई सदस्य बोलने के लिए खड़ा होता है तो ये माइक ठीक समय पर आन नहीं होते। यह हाउस सभी सदस्यों को अपनी बात कहने के लिए है। इसलिए जब कोई भी सदस्य बोलने के लिए खड़ा हो तो ये माइक ठीक समय पर ऑन होने चाहिएं ताकि सभी सदस्य सदन में खड़े होकर अपनी बात को रख सकें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ये माइक रिमोट से भी आन होते हैं और आपकी सीट पर भी आन ऑफ का स्विच है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a letter from the Parliamentary Affairs Minister for allowing Kumari Sharda Rathore, M.L.A. to move the Motion of Thanks on Governor's Address instead of Shri Phool Chand Mullana and Sh. Satvinder Singh Rana to second the same instead of Kumari Sharda Rathore, I permit this change.

Hon'ble Members, now discussion on the Governor's Address will take place. Now, Ms. Sharda Rathore, Parliamentary Secretary, may move her motion.

सुश्री शारदा राठौर : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करती हूं –

कि राज्यपाल महोदय को एक समावेदन निम्नलिखित शब्दों में पेश किया जाए :–

> "इस सत्र में इकट्ठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाषण के लिए राज्यपाल महोदय के अत्यन्त कृतज्ञ हैं जो उन्होंने 7 मार्च, 2008 को 2.00 बजे मध्याह्न पश्चात् सदन में देने की कृपा की है।"

अध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर अपने विचार रखना चाहती हूं।

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ ऑर्डर है। राज्यपाल के अभिभाषण पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव है वह मैम्बर मूव कर सकता है। जो गवर्नमैंट का पार्ट है वह मूव नहीं कर सकता है क्योंकि यह गवर्नर का एड्रैस है इसलिए ये स्वयं अपना अभिनन्दन नहीं कर सकते हैं।

Mr. Speaker : Ms. Rathore, you may carry on your speech.

सुश्री शारदा राठौर : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने वरिष्ठ साथी को कहना चाहूंगी कि हमारी स्थिति तो ऐसी है कि हम सरकार में भी नहीं हैं और न ही हमें विधायक कह सकते हैं, हम न सवाल कर सकते हैं और न ही मंत्री हैं इसलिए जवाब भी नहीं दे सकते।

Mr. Speaker : It is clearly mentioned on page 3 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly that :–

> "Minister" means a member of the Council of Minister, a Minister of State, a Deputy Minister but does not include a Chief Parliamentary Secretary or a Parliamentary Secretary."

So, Ms. Sharda Rathore, you may carry on your speech.

सुश्री शारदा राठौर : अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय का अभिभाषण सरकार की उपलब्धियों, नीतियों, प्रदेश की प्रगति और विकास की झलक दर्शाता है। माननीय चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के ओजस्वी नेतृत्व में हरियाणा में विकास के एक नए युग का सूत्रपात हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों में हमने नए कीर्तिमान स्थापित किए। सर्वाधिक विकसित होने वाले राज्यों में हरियाणा का नाम अब सबसे ऊपर आता है। अध्यक्ष महोदय, आज मैं सदन के माध्यम से अपने बढ़िया वित्तीय प्रबन्धन के लिए माननीय वित्त मंत्री महोदय का

धन्यवाद करना चाहूंगी। हरियाणा के बढ़िया वित्तीय प्रबन्धन की वजह से हरियाणा की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है और प्रदेश की फ़िजा बदली है। अध्यक्ष महोदय, मैं यू०पी०ए० अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी तथा प्रधानमंत्री डॉ० मनमोहन सिंह जी का धन्यवाद करना चाहूंगी जिन्होंने केन्द्रीय बजट में छोटे और सीमांत किसानों के 60 हजार करोड़ रुपये के कर्जे माफ करके एक बहुत बड़ा ऐतिहासिक कदम उठाया है, इससे सीमांत किसानों को बहुत बड़ी राहत मिली है, इससे हरियाणा प्रदेश के भी 10 लाख किसानों को फायदा पहुंचेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी तथा अपने वरिष्ठ मंत्रियों और नेताओं का भी धन्यवाद करना चाहूंगी कि जिनके प्रयासों से यह सब संभव हो पाया हैं अध्यक्ष महोदय, आज के दिन हरियाणा में चारों तरफ खुशहाली का माहौल है। गोवा के बाद हरियाणा आज देश में पहला प्रदेश है जिसकी प्रति व्यक्ति आय सबसे ज्यादा है। दस वर्ष पहले हरियाणा प्रति व्यक्ति आय के हिसाब से देश में 14वें स्थान पर था और 5 वर्ष पूर्व जिस समय आई०एन०एल०डी० की सरकार थी उस समय 13वें स्थान पर था। लेकिन आज हमारा प्रदेश हमारे मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के ओजस्वी नेतृत्व के कारण गोवा के बाद देश में प्रति व्यक्ति आय के हिसाब से पहले स्थान पर है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक राजस्व प्राप्तियों की बात है, राजस्व प्राप्ति के क्षेत्र में भी हरियाणा प्रदेश ने अभूतपूर्व आयाम स्थापित किया है। योजना आयोग ने वर्ष 2008-09 के लिए 6650 करोड़ रुपये की वार्षिक योजना को स्वीकृति दी है, जो कि पिछले वर्ष 2007-08 की तुलना में 25.5 प्रतिशत अधिक है। **(इस समय सभापतियों की सूची में से एक माननीय सदस्य डॉ० सुशील कुमार इंदौरा पदासीन हुए।)** सभापति महोदय, हरियाणा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए अनेक क्रांतिकारी कदम कृषि के उत्थान के लिए हरियाणा सरकार ने उठाये हैं। अगर हम भूमि अधिग्रहण की बात करें तो किसानों की भूमि अधिग्रहण के दो बार फलोर रेट हमारी सरकार ने बढ़ाये हैं। विशेष आर्थिक जोन को छोड़कर कहीं पर 20 लाख रुपये, कहीं पर 16 लाख रुपये और कहीं पर 8 लाख रुपये का मुआवजा प्रति एकड़ के हिसाब से किसानों को मिल रहा है। इसके अतिरिक्त 33 साल तक 15 हजार रुपये की रायल्टी हर साल प्रति एकड़ के हिसाब से मिलेगी जिसमें प्रति वर्ष 500 रुपये की बढ़ौतरी होगी। इस तरह से हमारी सरकार किसानों के जीवन में नई खुशहाली का दौर लेकर आई है और हमारे किसान भाई माला-माल हो रहे हैं। इसी तरह से गेहूं का समर्थन मूल्य 250 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बढ़ाया गया है और जौरी के समर्थन मूल्य में 75 प्रतिशत की बढ़ौतरी की गई है। इसी तरह गन्ने का भाव 138 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से दिया जा रहा है जो कि पूरे देश में सबसे ज्यादा है। सभापति महोदय, प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए भी हमारी सरकार ने अब तक का सबसे ज्यादा मुआवजा दिया है। पिछले वर्ष 2007 में 208 करोड़ रुपये का मुआवजा किसानों को ओलावृष्टि से हुए नुकसान का हमारी सरकार ने दिया है जो कि अब तक का सबसे ज्यादा मुआवजा है जिससे किसान भाइयों को बहुत ज्यादा राहत मिली है। इसी तरह से सरसों और चना को राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना में शामिल करके किसानों को बहुत ज्यादा लाभ दिया है। सभापति महोदय, राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा जिला सोनीपत के गन्नौर में 500 एकड़ भूमि पर एक विश्व स्तर की अग्रस्थ मण्डी बनाई जायेगी जो कि भारत में सब्जी और फलों की सबसे बड़ी थोक मण्डी होगी जिसका फायदा हमारे यहां के किसानों

[सुश्री शारदा राठौर]

को होगा। इसी तरह से राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा 67 करोड़ रुपये की लागत से कमेटी हब्स स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया है जिनकी बहुत जल्दी ही स्थापना हो जायेगी। इस समय प्रदेश में 34500 सहकारी समितियां किसानों की चल रही हैं और सरकार ने सहकारी बैंकों के कर्ज माफ करके किसानों को बहुत बड़ी राहत दी है। इसी तरह से पशु पालन विज्ञान और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए हिसार में एक पशु विश्वविद्यालय की स्थापना की जायेगी। जहां पर जो वैज्ञानिक पशु अनुसंधान को बढ़ावा देना चाहते हैं वे जा सकेंगे और प्रदेश के किसानों के हित में काम कर सकेंगे। यह बहुत ही सराहनीय कदम है। हमारे साईंटिस्टस जो पशुपालन में पढ़ना चाहते हैं, इस क्षेत्र में जाना चाहते हैं उनको तो फायदा पहुंचेगा ही इसके साथ ही साथ हमारे पशुपालन को भी प्रोत्साहन मिलेगा और अन्य जानकारियां भी मिलेंगी। इसके अतिरिक्त सिंचाई के क्षेत्र में भी सरकार ने सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए और नहरी पानी के समान बंटवारे के लिए आखिरी सीधे तक पानी पहुंचाने के लिए 1240 करोड़ रुपये की 4 सिंचाई परियोजनाओं की शुरूआत की है। भाखड़ा मेन लाईन को हांसी-बुटाना ब्रांच से जोड़ने का कार्य लगभग पूरा होने वाला है और दादुपुर-नलवी नहर का निर्माण कार्य भी युद्धस्तर पर चल रहा है। अम्बाला सिंचाई परियोजना और मेवात सिंचाई परियोजना पर जल्दी ही काम शुरू होने जा रहा है और इसके साथ ही साथ सभी रजबाहों की सफाई का कार्य भी चल रहा है। पुराने खालों की मुरम्मत चल रही है और पुराने खालों को नया / पक्का भी बनाया जा रहा है। यह पहली बार हुआ है कि आदरणीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के कुशल नेतृत्व में पूरे हरियाणा में पानी के समान बंटवारे की पहल की गई है इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी, जो कि इस समय यहां नहीं हैं, को आपके माध्यम से बधाई देना चाहूंगी और यह कहना चाहूंगी कि पिछली सरकार में एक नेता ने कहा था कि अगर पूरे हरियाणा में पानी का समान बंटवारा हुआ तो गृह युद्ध छिड़ जायेगा। अभी हमारे माननीय साथी श्री रामकिशन फौजी जी के सवाल पर जो लोग ठहाके लगा रहे थे उन्हीं में से एक व्यक्ति ने कहा था कि पूरे हरियाणा में पानी के समान बंटवारे पर गृह युद्ध हो जायेगा। मुख्यमंत्री जी के स्तर पर यह बहुत बड़ी बात है जिन्होंने पूरे हरियाणा में नहरी पानी के समान बंटवारे की पहल की है। इसी तरह पेयजल आपूर्ति के लिए हरियाणा सरकार पूरी तरह से कटिबद्ध है। ग्रामीण जलापूर्ति में एक अभूतपूर्व वृद्धि हुई है पहले 40 लिटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन पेयजल आपूर्ति होती थी जोकि अब बढ़कर 70 लिटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन हो गई है। इस प्रकार यह पेयजल आपूर्ति में एक शानदार वृद्धि हुई है। इसके लिए मैं सरकार को बधाई देना चाहती हूं और इंदिरा गांधी पेयजल योजना जो कि अनुसूचित जाति के ग्रामीण भाइयों के लिए अपने आप में एक बहुत ही अनूठी योजना है जिसमें उन्हें 200 लिटर की पानी की टंकी और पानी का कनैक्शन मुफ्त दिया जा रहा है। इससे आगामी वर्षों में 8 लाख परिवारों को इसका फायदा पहुंचेगा। इसी तरह मेवात पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए राजीव गांधी पेयजल संवृद्धि योजना पर भी 205 करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं जोकि अपने आप में एक सराहनीय कदम है। बिजली के बिना विकास की गति सम्भव नहीं है। कुल साधनों को मिलाकर अगर बिजली की उत्पादन क्षमता देखी जाए तो यह कुल 4051 मैगावाट है और अब तक बिजली की मांग में 14 गुणा बढ़ौतरी हुई है। इसको ध्यान में रखकर हरियाणा

सरकार का 5 हजार मैगावाट बिजली प्राप्त करने का लक्ष्य है। इसके लिए कम्पलीट इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा रहा है। पुरानी तारों को बदला जा रहा है और नये खम्बे लगाये जा रहे हैं। इसी तरह नये पावर प्लांट्स भी लगाये जा रहे हैं जिन पर पिछली सरकारों ने ध्यान नहीं दिया लेकिन हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी और हमारी सरकार ने बिजली की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए बिजली के उत्पादन को बढ़ाने का निर्णय लिया जिसके तहत यमुनानगर में अभी पिछले एक नवम्बर को 300 मैगावाट बिजली का उत्पादन भी शुरू हो गया है और जल्दी ही वहां पर 300 मैगावाट अतिरिक्त बिजली का उत्पादन भी शुरू होने जा रहा है। श्रीमती सोनिया गांधी ने झाड़ली में 1500 मैगावाट बिजली के सुपर पावर प्लांट का शिलान्यास किया है। इसी तरह केन्द्रीय परियोजनाओं से और अन्य साधनों से 2 हजार मैगावाट बिजली के उत्पादन का लक्ष्य हमारा और है ताकि हम 5 हजार मैगावाट बिजली के उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। निजी क्षेत्र को मिलाकर टोटल 14 हजार करोड़ रुपये बिजली के उत्पादन पर खर्च होंगे। राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत विभिन्न स्कीमों पर 242 करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे। गांवों में बिजली की हालत को सुधारने के लिए घरों का और खेतों का फीडर अलग-अलग किया जा रहा है जिसके लिए दक्षिणी हरियाणा में कार्य शुरू हो गया है। अभी बात आई थी सी०एफ०एल० की तो माननीय सदस्य डॉ० सीता राम जी कह रहे थे कि सी०एफ०एल० लगाने से बिजली का बिल ज्यादा आता है ऐसा तो हमने पहली बार इन्हीं के मुख से सुना है। पूरे हरियाणा में और कोई व्यक्ति ऐसी बात नहीं कह रहा है। मेरे इलाके के बहुत से लोगों ने हरियाणा सरकार की इस स्कीम की खुलकर तारीफ की है।

डॉ० सीता राम : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री सभापति : आपका प्वायंट आफ आर्डर क्या है?

डॉ० सीता राम : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि इन्होंने यह कहा है कि सी०एफ०एल० लगाने के बाद में मैंने कहा है कि लोड़ बढ़ जाता है लेकिन मैंने यह कहा था कि लोड़ घटा है लेकिन लोगों के घरों में जो बिल आये हैं वे बढ़कर आये हैं और दूसरे डिपार्टमैंट ने एक-एक और दो-दो किलोवाट लोड़ बढ़ाकर बिल भेजे हैं। मैंने यही बात कही थी शायद इन्होंने गलत सुना है।

सुश्री शारदा राठौर : डॉ० साहब मैंने आपकी बात सुन ली है और मैं कहना चाहूंगी कि आपके मुख से यह बात सुनी गई है। पूरे हरियाणा में इस तरह की शिकायत हमें कहीं से नहीं मिली है इसलिए आपकी यह बात शंका पैदा करती है। प्रदेश के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए और मजबूत बनाने के लिए चारों तरफ सड़कों और पुलों के निर्माण पर विशेष बल दिया जा रहा है। प्रधान मंत्री सड़क योजना के द्वारा 108 सड़कों को चौड़ा और सुदृढ़ किया जा रहा है जिस पर 450 करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड द्वारा 1200 करोड़ रुपये की स्कीमों को स्वीकृति प्रदान की गई है जिससे हमारी सड़कों को और मजबूती मिलेगी। नेशनल हाईवेज को अपग्रेड किया जा रहा है। बहुत से हाईवेज को फोर लेन और सिक्स लेन किया जा रहा हैं पानीपत में फ्लाई ओवर का काम लगभग पूरा हो चुका है। आज हरियाणा के किसी भी कोने में चले जायें सड़कों

[सुश्री शारदा राठौर]

और पुलों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है इसके लिए सरकार बधाई की पात्र है। श्रमिकों के कल्याण, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए विभिन्न योजनायें हरियाणा सरकार ने चलाई है। दुर्घटनाओं में काफी कमी आई है। अगर श्रमिक दुर्घटना के बारे में देखा जाये तो हरियाणा में श्रमिक दुर्घटना की दर 0.49 प्रति हजार है जोकि देश में सबसे कम है, इसके लिए मैं सरकार को बधाई देना चाहूंगी। हरियाणा सरकार ने पहले ही श्रमिकों का न्यूनतम वेतन 3510 रुपये निर्धारित कर दिया है जिसका लाभ हमारे श्रमिक उठा रहे हैं। सभापति महोदय, यदि उद्योगों की बात की जाए तो जहां 2005 से पहले हरियाणा में कोई उद्योग लगाना नहीं चाहता था, बहुत सारे उद्योगपतियों ने हरियाणा से पलायन करना शुरू कर दिया था और बड़े-बड़े कारखाने बंद हो गए थे। मैं फरीदाबाद से सम्बन्ध रखती हूं मुझे पता है कि वहां पर उद्योगों को किस कदर उजाड़ दिया गया था। बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियों पर ताले लग गये थे, और उद्योग वहां से पलायन कर गए थे। सन् 2005 के बाद उद्योगों के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। एक नई औद्योगिक क्रांति का सूत्रपात हरियाणा में हुआ है। हरियाणा में 1330 बड़े व मध्यम दर्जे के उद्योग हैं, 80 हजार लघु उद्योग हैं और 33 हजार करोड़ रुपये का निवेश अब तक हो चुका है। 66 हजार करोड़ रुपये का निवेश विचाराधीन है और 30 हजार करोड़ रुपये का निर्यात भी अब तक हो चुका है। विशेष आर्थिक जोनों के 92 प्रस्ताव अब तक आ चुके हैं। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि हरियाणा में उद्योग लगाने के लिए उद्योगपति और उद्यमी कितने लालायित हैं। बल्लभगढ़, रोहतक, जगाधरी और खरखौदा में 4 इंडस्ट्रियल माडल टाऊन बनाये जा रहे हैं जिससे हरियाणा के बहुत सारे बच्चों को रोजगार मिलेगा और हरियाणा में उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। उद्योगों के नियमों को सरल करने के लिए भी योजना बनाई जा रही हैं और इस बात पर विचार किया जा रहा है कि जो उद्योगपति नये उद्योग लगाना चाहते हैं, उन्हें सिंगल विंडो के द्वारा ही सारी स्वीकृति प्रदान की जाये। आलम यह है कि देशी और विदेशी निवेशक सभी हरियाणा को ही अपना सबसे पसंदीदा गंतव्य मान रहे हैं। नगरपालिकाओं को शहरी विकास के तहत बहुत धनराशि प्रदान की गई है। जिससे इनकी हालत में सुधार होगा। जवाहर लाल नेहरू नवीनीकरण योजना के अन्तर्गत फरीदाबाद में हजारों करोड़ रुपये विभिन्न विकास योजनाओं पर खर्च किये जा रहे हैं। इसी शहरी नवीनीकरण योजना के अन्तर्गत मोहाली और चण्डीगढ़ के साथ-साथ पंचकूला को भी लिया जा रहा है, वहां के विकास में भी कोई कमी नहीं रहने दी जायेगी और उसे भी चण्डीगढ़ की तर्ज पर शहरी नवीनीकरण योजना के तहत केन्द्र सरकार से पैसा मिलेगा। गुड़गांव में नगर निगम की स्थापना की गई है। नगर निगम की स्थापना होने से गुड़गांव के आधारभूत संरचना में चार चांद लगेंगे। सभापति महोदय, अगर मैं हाउस टैक्स को खत्म करके ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के निवासियों में माननीय मुख्यमंत्री जी ने और हमारी सरकार ने चौतरफा तारीफ प्राप्त की है। जिन चीजों की मांग भी नहीं की गई उन चीजों को भी हरियाणा सरकार ने हरियाणा की जनता को दिया है। सभापति महोदय, इसी तरह से मैट्रो रेल की बात की जाये तो दिल्ली से गुड़गांव तक मैट्रो रेल का कार्य प्रगति पर है। दिल्ली से फरीदाबाद और दिल्ली से बहादुरगढ़ को भी मैट्रो रेल से जोड़ने का कार्य शुरू किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए सर्वे पूरा हो चुका है। कुण्डली-मानेसर-पलवल एक्सप्रैस हाईवे के साथ-साथ ग्लोबल

कोरीडोर स्थापित करने का प्रस्ताव भी है जिसके लिए मैं सरकार को बधाई देना चाहूंगी। हुडा के द्वारा आशियाना योजना के तहत 650 करोड़ रुपये की लागत से 20 हजार फ्लैट बनाने का प्रस्ताव है जिससे हमारे गरीब लोगों को आशियाना मिलेगा। हाऊसिंग बोर्ड के द्वारा आर्थिक पिछड़े वर्ग के लिए 3 साल में 50 हजार फ्लैट बनाने की योजना का प्रस्ताव है जिससे हमारे गरीब तथा आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को सिर छिपाने के लिए जगह मिलेगी। शहरों की तर्ज पर गांवों का विकास करने के लिए अनेक सराहनीय कार्यक्रम हमारी सरकार ने दिये हैं। हमारी सरकार ने हरियाणा ग्रामीण विकास प्राधिकरण का गठन किया है ताकि गांवों का विकास शहरों की तर्ज पर किया जा सके। स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना पूरी तरह से कार्यान्वित है। राष्ट्रीय रोजगार गारन्टी योजना जो पहले महेन्द्रगढ़ और सिरसा में ही चालू थी अब अम्बाला और सोनीपत में भी चालू की गई है इसको वर्ष 2008-09 तक बाकी जिलों में भी लागू कर दिया जायेगा। इस अभूतपूर्व योजना से जो हमारे अनस्किल्ड भाई-बहन हैं उनको कम से कम 100 दिन रोजगार की गारन्टी होगी और उन्हें न्यूनतम वेतन मजदूरी दी जायेगी। उन दिहाड़ियों में भी एक तिहाई दिहाड़ियां महिलाओं के लिए आरक्षित की गई हैं उसके लिए मैं अपनी सरकार का विशेष रूप से धन्यवाद करती हूं। मुख्यमंत्री महोदय ने दलितों के गांवों के उत्थान के लिए मलिन बस्ती विकास योजना के तहत एक ऐसी अनूठी योजना प्रदेश को दी है जिसके तहत जिन गांवों में 50 प्रतिशत तक अनुसूचित जाति के लोग रहते हैं उन गांवों में प्रत्येक गांव पर 50 लाख रुपये खर्च करवाने का प्रावधान है। इस योजना से 85 गांवों को विकास कार्यों का लाभ मिलेगा।

श्री सभापति : आपने जो **दलित** शब्द बोला है उसको ठीक करके आप **अनुसूचित** शब्द कर लें।

Miss. Sharda Rathor : Sir, I withdraw my words अनुसूचित जाति के हमारे भाइयों को इससे लाभ मिलेगा।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : सभापति महोदय, मुझे ऐसा नहीं लगता है कि **दलित** शब्द पर किसी को ऐतराज है। Sir, it is not unconstitutional. दलित शब्द को हम केवल अनुसूचित जाति अकेली को describe करने के लिए इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं क्योंकि संविधान जिस शब्द का इस्तेमाल करता है वह अनुसूचित जाति है परन्तु जो हमारे समाज के गरीब भाई हैं वे चाहे किसी भी जाति विशेष के हों उनके लिए दलित शब्द का इस्तेमाल करना अनपार्लियामैंट्री नहीं है।

श्री सभापति : इस बारे में एक सर्कुलर जारी हुआ है उसको दिखवा लेते हैं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : सर मेरे पास उस सर्कुलर की कापी है वह मैं आपको पढ़ कर सुना देता हूं।

I have the copy of the Circular letter No. 22/18/2007-3GS-III dated 29.1.2008 in which it is writtten that —

> "I am directed to refer to the subject noted above and to state that the National Commission for Scheduled Castes, Government of India, New Delhi has observed that some of the Ministries/

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

Departments of the Central Government as well as State Governments are using "Dalit" word as interchangeable with the word "Scheduled Castes" in day to day correspondence while the word "Scheduled Castes" stands defined in the Constitution of India in Articles 341 & 366 respectively but the word "Dalit" is not having any Legal sanctity either under desired the Central Government and all State Government not to use "Dalit" word as interchangeable with the Scheduled Castes in future."

It is not unparliamentary, you are wrong sir.

श्री सभापति : जब इस बारे में सर्कुलर आया है तो ट्राई कीजिए कि अनुसूचित शब्द का इस्तेमाल ज्यादा किया जाए।

कुमारी शारदा राठौर : सभापति महोदय, मैं अपनी सरकार तथा चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा तथा उनके सभी वरिष्ठ साथियों को बधाई देना चाहती हूं कि जिन्होंने क्रान्तिकारी योजनाएं हमारी अनुसूचित जाति के गरीब तबके के भाई-बहनों के लिए शुरू की हैं। हमारी सरकार के द्वारा 100-100 गज के प्लाट हमारे गरीब और बेघर लोगों के लिए मुफ्त देने की घोषणा की गई है। इस योजना का कार्य शुरू हो चुका है। सभापति महोदय, यह बहुत ही अभूतपूर्व और क्रान्तिकारी योजना है इससे हमारे गरीब भाइयों को फायदा पहुंचेगा। यह योजना चिर-प्रतीक्षित थी और बहुत लम्बे समय से इसकी उम्मीद लगाई जा रही थी। इस योजना से हमारे बहुत सारे गरीब परिवारों को रहने के लिए आशियाना मिलेगा और इसके साथ ही साथ जिन गांवों में यह प्लॉट्स उपलब्ध करवाए जाएंगे वहां पर मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाएंगी जिसके लिए हमारी सरकार बधाई की पात्र है। सभापति महोदय, हमारी सरकार ने पंचों, सरपंचों तथा चुने हुए प्रतिनिधि चाहे वे मैम्बर्ज हैं या जिला परिषद के मैम्बर्ज हैं उनका मानदेय पहले ही बढ़ा कर उन्हें सम्मान दिया है। अगर स्वच्छता की स्थिति की बात करें तो जब से हरियाणा अस्तित्व में आया है किसी भी सरकार ने इस बारे में कुछ नहीं सोचा कि गांवों में स्वच्छता को कैसे सुधारा जाए। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व वाली सरकार ने 1100 सफाई कर्मचारियों को लगा कर गांवों की स्वच्छता की स्थिति को मजबूत करके इसमें सुधार किया है। इसी तरह से 1572 गांवों की गलियों के निर्माण के लिए 10 लाख रुपये प्रति गांव देने का निर्णय लिया गया है जो इस साल से देना शुरू कर दिया जाएगा। सभापति महोदय, यह 21वीं सदी शिक्षा और ज्ञान की सदी है। शिक्षा को प्राथमिकता देने के लिए हमारी सरकार ने वर्ष 2008 को शिक्षा वर्ष घोषित किया है इसके लिए मैं आपके माध्यम से सभी साथियों को बधाई देती हूं। हरियाणा के जो बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं और बीच में ड्राप आउट कर जाते हैं, अपनी पढ़ाई छोड़ जाते हैं उनके लिए पहली से आठवीं कक्षा तक किताबें फ्री दी जा रही हैं और छोटे बच्चों की पढ़ाई रोचक बनाने के लिए वर्कबुक्स भी दी जा रही हैं। छठी और बारहवीं तक जनरल नौलेज को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किया जा रहा है। अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए मुख्यमंत्री जी ने एक ऐतिहासिक फैसला लिया है जिसकी हमने कल्पना भी नहीं की थी, इसके लिए हम मुख्यमंत्री का कोटि-कोटि धन्यवाद करते हैं आज अनुसूचित

जाति के विद्यार्थियों में पढ़ाई को प्रोत्साहन देने के लिए लड़कियों को पहली कक्षा से लेकर बारहवीं कक्षा तक 150 रुपये से लेकर 400 रुपये तक की छात्रवृत्ति प्रतिमाह दी जाएगी। इसी तरह से लड़कों को पहली कक्षा से लेकर बारहवीं कक्षा तक 100 रुपये से लेकर 300 रुपये तक आर्थिक सहायता प्रतिमाह दी जाएगी। यह अपने आप में अनूठी पहल है। जो लोग अनुसूचित जाति के नाम पर राजनीति करते हैं, उनके वोट बटोरते हैं और उनके मसीहा होने का दावा करते हैं तथा कई प्रदेशों में जो लोग इसी आधार पर मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंच जाते हैं उनकी सोच में भी यह योजना शामिल नहीं है। मैं सदन में यह कहना चाहती हूं कि हमारे मुख्यमंत्री जी ने बिना कहे हुए यह योजना लागू की है। इसके लिए मैं अपने सभी भाई-बहनों की तरफ से मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करती हूं। इस सरकार के द्वारा उन बच्चों के लिए उनकी वर्दियां और किताबें भी फ्री दी जा रही हैं। इस योजना पर 280 करोड़ रुपए खर्च होंगे जिससे हमारे बच्चों को आगामी शिक्षा सत्र में बहुत लाभ मिलेगा। इसी तरह से स्कूलों में जो सैस्टर सिस्टम लागू किया गया है, इसके बहुत ही बढ़िया परिणाम सामने आए हैं इसको देखते हुए शिक्षा विभाग हायर एजुकेशन में भी सैमैस्टर सिस्टम लागू करने के बारे में विचार कर रहा है। कम्प्यूटर एजुकेशन को भी चरणबद्ध तरीके से अनिवार्य किया जा रहा है। एजुसैट के माध्यम से 9,000 स्कूलों और कॉलेजों को इससे जोड़ा गया है जो हिन्दुस्तान में अपनी तरह का एक अकेला एजुसैट नैटवर्क है। इसके साथ ही तकनीकी संस्थानों में सीटें बढ़ाकर 52,630 सीटें कर दी गई हैं ताकि आज की रिक्वायरमैंट के मुताबिक हमारे बच्चों को तकनीकी शिक्षा मिल सके। उटावड़ के पोलिटैक्नीक कॉलेज में मेवात के बच्चों को तकनीकी शिक्षा में प्रोत्साहन देने के लिए 50 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई हैं। इसी तरह से 180 करोड़ रुपये की लागत से 31 नए औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र खोलने की योजना है जिसके लिए मैं इस सरकार का धन्यवाद करना चाहती हूं। महिलाओं के लिए पहले ही 31 तकनीकी सैन्टर चलाए जा रहे हैं। जहां तक महिलाओं की शिक्षा का सवाल है, इसको प्रोत्साहन देने के लिए हरियाणा सरकार ने भगत फूल सिंह संस्था को महिला विश्व विद्यालय का दर्जा देकर हमारी महिलाओं और बालिकाओं पर बड़ा उपकार किया है। यह विश्वविद्यालय उत्तरी भारत में पहला महिला विश्वविद्यालय है, जिसमें कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी ने अपना एक सब-सैंटर खोला है। यह बहुत ही प्रशंसनीय कदम है। इस वजह से निश्चित ही हमारे बच्चों को उच्च शिक्षा मिलेगी और यह निश्चित ही सैन्टर आफ एक्सीलैंस बनेगा। हमारी सरकार ने बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के अनेकों कदम उठाएं हैं। जननी सुविधा योजना, जननी सुरक्षा योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को जो पहले 500 रुपए आर्थिक सहायता दी जाती थी अब वह बढ़ाकर 700 रुपए से 1500 रुपए तक कर दी गई है। आज मां और शिशु की मृत्यु दर में भारी कमी आई है। मेवात में जो गर्भवती महिलाएं हैं उनको निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र में पहुंचाने के लिए 9 एम्बुलैंस गाड़ियों की व्यवस्था की गई है। फरीदाबाद, पानीपत, यमुनानगर और भिवानी में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे लोगों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के अन्तर्गत लाया गया है। अभी इस योजना का फायदा हमारे इन चार जिले के लोगों को मिलेगा। निकट भविष्य में अन्य राज्यों में भी इस योजना को लागू करने का प्रस्ताव है। लिंग अनुपात को खत्म करने के लिए PNDT Act, 1994 को सख्ती से लागू किया जा रहा है। इस एक्ट के तहत लगभग 100 अल्ट्रासाउंड मशीनों को जब्त किया

[कुमारी शारदा राठौर]

गया है और 11 मामलों में सजा सुनाई गई है। लाडली योजना के तहत दूसरी बेटी पैदा होने पर 5000 रुपए प्रतिवर्ष, पांच वर्ष तक दिए जाते हैं। इस योजना के तहत 58,000 परिवारों को लाभ मिला है और इस योजना पर काफी पैसा खर्च भी हुआ है। इसी तरह से आयुर्वेद को भी बढ़ावा देने के लिए हरियाणा में 2007 में 7 आयुर्वेदिक डिस्पैंसरीज भी खोली गई हैं। एक होम्योपैथिक डिस्पैंसरी खोली गई है और 7 अन्य होम्योपैथिक डिसपैंसरीज भी खोलने का प्रस्ताव है। रोहतक मैडीकल कॉलेज को पंडित भगवत दयाल शर्मा हैल्थ साईंसज यूनिवर्सिटी का दर्जा दिए जाने का प्रस्ताव है जोकि बहुत ही सराहनीय कदम है। इसी तरह से गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन करने वालों के लिए 'विकल्प' नाम की एक अनूठी योजना बनायी गयी है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए 'अरोग्य कोष्ठ' की योजना स्थापित की गयी है। महिलाओं और बच्चों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं हरियाणा सरकार ने दी हैं। शिक्षा के लिए ऋणों में महिलाओं और बालिकाओं के लिए ब्याज पर पांच प्रतिशत की सबसिडी दी गयी है ताकि महिलाओं और लड़कियों को पढ़ाई करने में कोई तकलीफ महसूस न हो। 6500 ग्रामीण स्तरीय समितियां भी काम कर रही हैं जिन्हें प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार दिए गए हैं। इसी तरह से 6 हजार महिला साक्षरता समूह भी काम कर रहे हैं जो लिंगभेद, साक्षरता, सभी के लिए प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य तथा पोषाहार जैसे मुद्दों पर सामुदायिक जागरूकता उत्पन्न करने में मदद कर रहे हैं। विकलांगों की पैंशन भी 300 रुपये से लेकर 600 रुपये उनकी पात्रता के मुताबिक की गयी है। इसी तरह से विकलांग छात्रों को उनकी पात्रता के मुताबिक सौ रुपये से लेकर 700 रुपये पैंशन के रूप में दिए जा रहे हैं। इसी प्रकार से एक बहुत ही अनूठी स्कीम 'इन्दिरा गांधी प्रियदर्शनी विवाह शगुन योजना' है जिससे काफी परिवारों को लाभ मिला है। इस योजना के तहत अनुसूचित जाति और गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों की लड़कियों के विवाह पर 15 हजार रुपये की राशि दी जाती है। इस स्कीम के तहत पिछले वर्ष 12 करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जा चुकी है और 41605 परिवारों को इसका लाभ मिला है। अनुसूचित जातियों के आर्थिक विकास के लिए हरियाणा में 'अनुसूचित जाति उप योजना' भी लागू की गयी है। वर्ष 2008-09 में 6650 करोड़ रुपये के कुल प्रस्तावित राज्य योजना परिव्यय में से 1433 करोड़ रुपये की स्वीकृति इस योजना के लिए दी गयी है। यह राशि राज्य में 19.35 प्रतिशत अनुसूचित जाति के लोगों के लिए है जो कि कुल आउट ले का 21.55 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत सराहनीय कदम है। एक बहुत बड़ी राशि हरियाणा सरकार ने अनुसूचित जातियों के उत्थान और उनके विकास पर खर्च की है। इसी प्रकार से पारदर्शिता, शासन और जवाबदेही और संस्कृति को विकसित करने के लिए हरियाणा सरकार ने प्रशासनिक सुधार आयोग का गठन किया है। प्रशासनिक सुधार आयोग के अध्यक्ष के रूप में हमारे भाई कर्ण सिंह दलाल जी को मैं बधाई देना चाहूंगी क्योंकि वे बहुत बाखूबी से अपना कार्य कर रहे हैं। इसी प्रकार से पुलिस बलों के आधुनिकीकरण के लिए केन्द्र सरकार ने 3.33 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं जिससे पुलिस बलों को और ज्यादा मजबूत किया जाएगा। गुड़गांव में कमिश्नरी सिस्टम लागू किया गया है। 22 ट्रैफिक पुलिस स्टेशन और 16 नये पुलिस स्टेशन मंजूर किए गए हैं ताकि कानून व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके। इसी तरह से खेलकूद में भी हमारी सरकार ने

खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए खण्ड स्तर पर, जिला स्तर पर और प्रदेश स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया है। पिछले साल इनमें करीबन एक लाख खिलाड़ियों ने भाग लिया है। 12वीं एशिया महिला रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में जो टीम तीन स्वर्ण पदक लेकर आयी उनमें 8 खिलाड़ी हरियाणा से हैं। हमारी सरकार ने उन सभी खिलाड़ियों को एक-एक लाख रुपये का इनाम देकर सम्मानित किया गया है। इन सभी खिलाड़ियों को गणतंत्र दिवस पर भी सम्मानित किया गया है। इसी तरह से जो खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय खेलों में पदक लेकर आते हैं उनको भी सम्मान राशि देने के साथ-साथ उनके गांव को भी आदर्श गांव घोषित किया गया है। खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए हरियाणा सरकार की बहुत बड़ी योजना है। मैं उम्मीद करती हूं कि भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के कुशल नेतृत्व में हरियाणा देश में प्रथम राज्य बनने की दिशा में अग्रसर रहेगा। चेयरमैन सर, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

Mr. Chairperson : Hon'ble Members, now Shri Satvinder Singh Rana Ji will second the motion.

Shri Satvinder Singh Rana : Chairman Sir, I second the motion. चेयरमैन साहब, सर्वप्रथम मैं हरियाणा विधान सभा के इस वर्ष के पहले सत्र में आप सभी का अभिनन्दन करता हूं, स्वागत करता हूं। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी का आभार प्रकट करता हूं कि चाहे बिजली के बिलों की बात हो, चाहे ब्याज दर की बात हो उन्होंने किसानों के लिए इतनी बड़ी राहत दी है। इसी तरह से यू०पी०ए० की चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी जी और हमारे प्रधानमंत्री डॉ० मनमोहन सिंह जी ने एक अहम फैसला लिया और 60 हजार करोड़ रुपये के किसानों के कर्ज माफ करके किसानों के नाम पर झूठी राजनीति करने वाले जो लोग थे उनकी बोलती बंद कर दी। हरियाणा प्रदेश का किसान ऐसी स्थिति में पहुंच चुका था कि उसका कर्ज वापस करने का ब्यौंत ही नहीं था। बिजली के बकाया बिलों का बोझ भी उस पर बहुत बढ़ चुका था। हमारी सरकार में से किसी ने किसानों को यह विश्वास नहीं दिलाया था कि हमारी सरकार बनने पर हम यह बिजली के बकाया बिल माफ करेंगे लेकिन उसके बावजूद भी किसानों पर जो बोझ था उसको देखते हुए मुख्यमंत्री जी ने एक ही कलम से 1600 करोड़ रुपये के बिलों को माफ करके एक ऐतिहासिक कदम उठाया और 830 करोड़ रुपये के ब्याज पर भी उन्होंने किसानों को राहत दी। उस पर सोनिया गांधी जी और डाक्टर मनमोहन सिंह जी ने किसानों के लिए 60 हजार करोड़ रुपये के कर्ज माफी की जो घोषणा की है यह सोने पर सुहागा हो गया है। इस राहत से हरियाणा के 10 लाख किसानों को फायदा होगा। इससे बड़ी बात किसानों के लिए और कोई नहीं हो सकती और इसका सबूत यह है कि कल दिल्ली में हरियाणा प्रदेश के लाखों किसानों ने पहुंचकर श्रीमती सोनिया गांधी जी और प्रधानमंत्री डाक्टर मनमोहन सिंह जी का स्वागत किया है और उनका अभिनंदन किया है।

इसी तरह से हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने सड़कों की बात है या बिजली की बात है या किसी भी तरह के समाज कल्याण की बात है, हर वर्ग को राहत देने की कोशिश की है। इसके अलावा किसानों के लिए कृषि में मुआवजे की दर इतनी ज्यादा बढ़ाई है ताकि जो किसान मजबूरी में अपनी जमीन औने-पौने दाम में बेच देते थे उनको अच्छी कीमतें मिली हैं। इसी प्रकार से वर्ष 2007 में जो ओलावृष्टि और भारी वर्षा हुई थी जिससे

[श्री सतविन्द्र सिंह राणा]

किसानों की फसल को भारी नुकसान पहुंचा था उसकी भरपाई के लिए 208 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया है। यानि कि लगभग पांच हजार रुपये पर एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया गया है। पहले तो किसानों के साथ मुआवजे के नाम पर भद्दा मजाक किया जाता था और उन्हें 2.5 रुपये, 5 रुपये, 7.5 रुपये और दस रुपये के हिसाब से मुआवजा दिया जाता था। पांच सौ एकड़ क्षेत्र में सब्जी मंडी और फल मंडी बनाने का कार्य शुरू किया गया है। इसके अतिरिक्त सरकारी बैंकों का 451 करोड़ रुपया ब्याज का माफ किया है जिससे 3 लाख 64 हजार किसानों को फायदा हुआ है। इसी तरह से गेहूं और धान के भाव बढ़ाये गये हैं। पूर्ववर्ती सरकारों के समय में किसान की फसल के भाव दस रुपये के हिसाब से बढ़ते थे जबकि अब की बार किसान की फसल के 250 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से भाव बढ़ाये गये हैं।

सिंचाई के लिए पानी के समान बंटवारे की बात हम अक्सर उठाया करते थे परन्तु हमारी कोई सुनवाई नहीं होती थी और एक ही तरफ पानी चला करता था। हमारे मुख्यमंत्री जी ने आते ही अहम् फैसला लिया और बी०एम०एल० हांसी-बुटाना लिंक नहर को जोड़ने का काम पूरा हो चुका है। 109 किलोमीटर उसकी लम्बाई है और इसमें 2086 क्यूसिक्स अतिरिक्त पानी के लिए 30 करोड़ रुपये की लागत में नहर की क्षमता 13500 क्यूसिक से बढ़ाकर 20 हजार क्यूसिक्स की जा रही है। जलापूर्ति के क्षेत्र में प्रति व्यक्ति प्रति लिटर पानी की क्षमता बढ़ाकर 40 से 70 लिटर की गई थी। वर्ष 2008-09 में 368 गांवों में जलापूर्ति में बढ़ौतरी की जाएगी। अब मेवात में पेय जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी परिक्षेत्र योजना बोर्ड की सहायता से 205 करोड़ रुपये लागत की एक महत्वकांक्षी राजीव गांधी पेयजल संवर्धन परियोजना लागू की जा रही है। जहां तक बिजली की बात है, माननीय मुख्यमंत्री जी ने जिस दिलेरदिली के साथ किसानों के 1600 करोड़ रुपये के बिजली के बिल माफ किए हैं वह बहुत सराहनीय है। आज हरियाणा की बिजली उत्पादन की क्षमता 4368 मैगावाट है, लेकिन हमारी खपत 9000 मैगावाट से भी फालतू है। पिछली सरकारों में से किसी भी सरकार ने बिजली उत्पादन बढ़ाने की कोई कोशिश नहीं की। जब यमुनानगर में थर्मल प्लांट लगाया जा रहा था उस समय माननीय मुख्यमंत्री जी ने 300 मैगावाट की क्षमता के थर्मल प्लांट की दो इकाइयों का काम शुरू किया जिसमें से पहली इकाई को 13 नवम्बर, 2007 को सिंक्रोनाइज किया गया था और दूसरी इकाई के इस वर्ष में सिंक्रोनाईज होने की संभावना है। हिसार के खेदड़ में 1200 मैगावाट कोयला-आधारित राजीव गांधी थर्मल प्लांट पर कार्य शुरू किया जा चुका है और झाड़ली के अन्दर केन्द्र की सहायता से बनने वाले कोयला आधारित एक और थर्मल पावर प्लांट की आधारशिला श्रीमती सोनिया गांधी जी ने रखी थी। माननीय मुख्यमंत्री जी ने प्रण ले रखा है कि जिस दिन हरियाणा के अन्दर 5000 मैगावाट बिजली पैदा होनी शुरू हो जायेगी उस दिन हरियाणा के किसान, मजदूर, व्यापारी और जो उद्योगपति हैं उन सभी को 22 घण्टे प्रति दिन बिजली मिलनी शुरू हो जाएगी। हमने मुख्यमंत्री जी से कहा कि आप अभी क्यों नहीं कहते कि हम 20-22 घण्टे प्रति दिन बिजली देंगे तो माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मैं झूठ की राजनीति नहीं करता। आज जिस बिजली के थर्मल पावर प्लांट की आधारशिला रखी है वह तीन साल के अन्दर कार्य करना शुरू कर देगा। आज जो बिजली

की खपत हरियाणा में 9 हजार मैगावाट है वह उस समय 12 हजार मैगावाट हो जायेगी इसलिए उस समय हम केवल 20-22 घण्टे प्रति दिन ही बिजली दे पायेंगे। इसलिए उन्होंने सच्चाई के साथ लोगों को यह बात कही है। इसी तरह से भवन एवं सड़कों की बात है। आज पुल एवं सड़कें पूरे हरियाणा के अन्दर बन रही हैं। इसी तरह प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत लगभग 450 करोड़ रुपये की लागत से 1085 किलोमीटर लम्बी 108 सड़कों को चौड़ा और सुदृढ़ किया जायेगा। इसी प्रकार से राष्ट्रीय राजधानी परिक्षेत्र योजना बोर्ड के द्वारा 1200 करोड़ रुपए से भी ज्यादा लागत की 20 परियोजनाएं स्वीकृत की जा चुकी हैं जो अपने आप में एक कीर्तिमान है। जहां तक उद्योग की बात है, आज हरियाणा में 1330 बड़े तथा मध्यम दर्जे के उद्योग हैं और लगभग 80,000 लघु उद्योग हैं वर्ष 2007-2008 के दौरान हरियाणा का निर्यात 30,000 करोड़ रुपये से भी अधिक हो गया है। हरियाणा प्रदेश में वर्ष 2005 के बाद लगभग 30,000 करोड़ रुपये का अभूतपूर्व निवेश हुआ है। पहले क्या था जो उद्योग हरियाणा में लगे हुए थे वे यहां से उठाकर बाहर जा रहे थे **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)** लेकिन माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से 2681 करोड़ रुपये के निवेश का उल्लेखण होने जा रहा है। जहां तक ग्रामीण विकास की बात है, यह सही रूप से लागू की जा रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के बारे में बताया गया है कि यह योजना पहले जिला महेन्द्रगढ़ और सिरसा से शुरू की गई थी लेकिन अब अम्बाला, मेवात और सोनीपत जिलों में भी यह योजना चालू कर दी गई है। धीरे-धीरे सारे हरियाणा में इस योजना को लागू किया जायेगा। गरीब आदमी और किसान ऐसी स्थिति में पहुंच गये थे कि उन को कोई काम नहीं दे सकते थे लेकिन अब हमारी कांग्रेस की अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी और प्रधान मंत्री श्री मनमोहन सिंह जी ने और हमारे माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने यह अहम् फैसला लिया है जिससे सब को रोजगार प्राप्त होगा। 'मुख्यमंत्री दलित गांव उत्थान' एवं 'मलिन बस्ती विकास योजना' नामक नई योजनाएं शुरू की गई है। इस योजना के तहत अनुसूचित जाति की 50 प्रतिशत से अधिक की जनसंख्या वाले गांवों में 50 लाख रुपये प्रति गांव खर्च किए जाएंगे। वर्ष 2008-09 के दौरान 92.95 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ ऐसे 185 गांवों को फायदा पहुंचाने का प्रस्ताव है। सरकार ने 2007-08 वर्ष को 'शिक्षा वर्ष' घोषित किया है। स्कूलों में जो सैमैस्टर सिस्टम शुरू किया गया है यह बहुत ही अच्छा सिस्टम है। इससे मां-बाप को पता लग सकेगा कि हमारे बच्चे की हर तीन महीने में क्या स्थिति है। पहले क्या होता था कि बच्चे स्कूलों में जाते थे और साल बीत जाने के बाद पता चलता था कि बच्चा फेल हो गया। स्कूलों में अध्यापक नहीं होते थे, इस सारी स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री महोदय ने सैमैस्टर सिस्टम शुरू करके एक अहम् फैसला लिया जिसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं। शिक्षा एक ऐसी चीज है जिससे प्रदेश-शहर और गांव की तरक्की होगी। अगर हमारे बच्चे शिक्षित होंगे तभी हम तरक्की कर सकते हैं जिसके लिए हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने मासिक छात्रवृत्ति योजना शुरू करके एक अहम् फैसला किया है। इस योजना के तहत अनुसूचित जाति की लड़कियों को 150 रुपये से 400 रुपये तक मासिक छात्रवृत्ति दी जाएगी और लड़कों को 100 रुपये से 300 रुपये तक मासिक छात्रवृत्ति दी जाएगी। इस योजना के तहत 280 करोड़ रुपये खर्च होंगे। प्रथम चरण में 200 बड़े वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों का दर्जा बढ़ाया गया है तथा आगामी 3 वर्षों में प्रदेश के अंदर 180 करोड़ रुपये

[श्री सतविन्द्र सिंह राणा]
की लागत से 31 नई औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र खोले जाने की योजना है जिसमें महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण किया गया है ताकि हमारी बहनें प्रशिक्षण लेकर व्यवसाय के लिए आगे आएं। वर्ष 2007-2008 के दौरान खण्ड, जिला तथा राज्य स्तर पर आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में एक लाख से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। कोलकाता में आयोजित 12वें एशियाई महिला रॉलर स्केटिंग हॉकी खेल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम के आठ खिलाड़ी हरियाणा के निवासी हैं और उनको मुख्यमंत्री महोदय ने एक-एक लाख रुपये के इनाम दिए हैं। अध्यक्ष महोदय, बच्चों में कुपोषण को समाप्त करना हमारी सरकार का लक्ष्य है। हरियाणा देश का पहला राज्य है जहां पोषाहार की दर दो रुपये से बढ़ाकर तीन रुपये प्रति बच्चा और अढ़ाई रुपये से बढ़ाकर पांच रुपये प्रति माता/नवयुवती की गई है। अध्यक्ष महोदय, अनुसूचित जाति बहुल गांवों में 3.44 लाख रुपये की प्रति इकाई लागत से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता केन्द्र स्थापित किए गए हैं। अध्यक्ष महोदय, पंचायतों द्वारा अनुसूचित जातियों के कल्याण के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें दिए जाने वाले प्रोत्साहन की दर में 10 गुणा वृद्धि करते हुए उसे 50 हजार किया गया है। इन्दिरा गांधी प्रियदर्शनी विवाह शगुन योजना के तहत दिसम्बर, 2007 तक 12 करोड़ रुपये की राशि व्यय की गई है।

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के अंदर पहले लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति खराब हो गई थी और यह कहा जाता था कि हरियाणा में यू०पी० से भी बुरा हाल हो गया है। मुख्यमंत्री महोदय ने जब शपथ ली थी तो उसके बाद उन्होंने कहा था कि बदमाशों को हरियाणा में टिकने नहीं देंगे इसलिए या तो वे हरियाणा छोड़ दें या फिर जेलों में चले जाएं और उन्होंने ऐसा करके दिखाया। अध्यक्ष महोदय, आज प्रशासनिक सुधार आयोग भी बनाया गया है जिसके चेयरमैन दलाल साहब हैं। पुलिस बलों के आधुनिकीकरण की योजना के तहत भारत सरकार ने 30.33 करोड़ रुपये की धन राशि मंजूर की है और हरियाणा में स्वच्छ और साफ तरीके से पुलिस की भर्ती की गई है। वर्तमान में 22 ट्रैफिक पुलिस स्टेशन खोले गए हैं और 16 नये पुलिस स्टेशंज की मंजूरी मिल गई है ताकि हरियाणा में लॉ एंड आर्डर की स्थिति ठीक रहे। अध्यक्ष महोदय, आज के दिन चाहे हमारे यहां के इण्डस्ट्रियलिस्ट हैं या बाहर से आने वाले इण्डस्ट्रियलिस्ट हैं उनका यही मानना है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री जी की जो सोच है वैसी सोच और किसी प्रदेश के मुख्यमंत्री की नहीं है। उनका यह भी मानना है कि आज के दिन हरियाणा में लॉ एंड आर्डर की स्थिति बहुत अच्छी है और यदि वे हरियाणा में इण्डस्ट्री लगायेंगे तो उनको पानी, बिजली और सड़कों आदि की सभी सुविधाएं मिलेंगी। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी आज सदन में उपस्थित नहीं है, मैं आपके माध्यम से उनको बधाई देना चाहूंगा कि उन्होंने जीरी के भाव में बहुत अधिक बढ़ौतरी करवाई है। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने आज एक अनूठी मिसाल पैदा कर दी है। हिंदुस्तान के किसी भी मुख्यमंत्री में इतनी हिम्मत नहीं है जो हमारे मुख्यमंत्री जी ने दिखाई है। मुझे याद है कि जीरी की फसल पर रोक लगा दी गई थी। हमारे मुख्यमंत्री जी विदेश से आने के बाद प्रधान मंत्री जी से मिले और जीरी की फसल से रोक हटवाने के साथ-साथ जीरी के भाव भी बढ़वाये। यही कारण है कि अब प्रदेश में यह नारा दिया जाता है कि "हुड्डा तेरे राज में जीरी गई जहाज में" जबकि पहले वाली सरकार के समय में नारा दिया

जाता था कि "जीरी गई ब्याज में और प्याज गई लिहाज में"। अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री जी ने और मंत्री गणों ने जो अच्छा प्रशासन प्रदेश के लोगों को दिया है और किसान हितैषी जो भी कार्य किए हैं उनके लिए मैं प्रदेश की जनता की तरफ से सभी का आभारी हूं और धन्यवादी हूं। अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं आपका भी धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया।

Mr. Speaker : Motion moved—

That an Address be presented to the Governor in the following terms :—

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Goveror for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 7th March, 2008 at 2.00 P.M."

श्री अध्यक्ष : अब श्री राधे श्याम शर्मा जी बोलेंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं बोलना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आपका नाम मेरे पास नहीं आया। (शोर एवं व्यवधान) अब माननीय सदस्य का नाम अनाउंस हो गया है, यदि आप बोलना चाहते हैं तो शर्मा जी के बाद बोल लेना।

श्री राधे श्याम शर्मा अमर (नारनौल) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं और वर्तमान सरकार के मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने छोटे और सीमांत किसानों को राहत देने के लिए जो फैसले किए हैं वे वाकई में जनहितकारी फैसले हैं जिनसे छोटे और मेहनतकश किसान खुशहाल होंगे तथा उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। जो मजदूर और किसान भाई अपनी जिन-जिन समस्याओं से दुखी थे उनका निदान इस अभिभाषण के माध्यम से होगा। इस अभिभाषण के अंदर सरकार की जो प्राथमिकताएं होती हैं उनमें किसानों के हितों को महत्वपूर्ण

16.00 बजे

स्थान पर रखा गया है। अध्यक्ष महोदय, हमारा देश कृषि प्रधान देश है और हमारे देश की लगभग 80 फीसदी जनता खेती और उससे संबंधित जो दूसरे काम और उद्योग धंधे हैं उनके ऊपर आधारित है। मैं समझता हूं कि हमारे हाउस के अन्दर भी लगभग 98 प्रतिशत लोग खेती के ऊपर आधारित हैं और इसी से हम सब का विकास और प्रगति होती है। किसान की भलाई में ही सम्पूर्ण देश की भलाई निहित है और 70 प्रतिशत से अधिक किसान गांव के अन्दर रहता है और हमारे राष्ट्रपति महात्मा गांधी जी ने कहा था कि देश को उन्नत करने के लिए हमें किसान को उन्नत करना होगा और देश की भलाई करने के लिए हमें किसान की भलाई करनी होगी और गांव की विकसित तस्वीर के अन्दर ही विकसित भारत की तस्वीर देखी जायेगी। यह सपना था हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का जिसको पूरा करने के लिए हमारी सरकार पूरा प्रयास कर रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगा कि मैं उस मौके का प्रत्यक्षदर्शी हूं जब पिछले मार्च के अन्दर ओलावृष्टि हुई थी जब हरियाणा निवास में आपके द्वारा दिया गया डिनर चल रहा था तो उस ओलावृष्टि से हुई तबाही के बारे में सुनकर बड़ी बेचैनी पैदा हुई थी। हमारे सदन

[श्री राधे श्याम शर्मा अभर]

के नेता चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी और आप सभी के चेहरे पर बड़ी परेशानी झलक रही थी। इसके बाद अगले दिन विधान सभा का सत्र समाप्त होते ही माननीय मुख्यमंत्री जी हवाई जहाज लेकर महेन्द्रगढ़ गये थे जहां पर खेत के अन्दर जाकर इन्होंने किसान की फसल की बर्बादी को देखा और वर्चुअली अगर आप उस समय की मुख्यमंत्री जी की फोटो देखेंगे तो उनकी आंखों में इस बात के आंसू थे कि हमारे प्रदेश का किसान कितनी बुरी तरह से बर्बाद हो गया है और उन्होंने पहली बार यह घोषणा की थी कि गेहूं के लिए 5 हजार रुपये और सरसों के लिए 4 हजार रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा दिया जायेगा। उससे पहले भी मुआवजे तो मिले थे लेकिन हजारों में नहीं डेढ़ या 2 रुपये के रूप में मिले थे। मुझे उस समय की वह तस्वीर भी याद आई है। अध्यक्ष महोदय, हमारा प्रान्त खाद्यान्न में 147 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा अनाज पैदा कर रहा है जिसके लिए सरकार ने उचित समय पर खाद और बीज की व्यवस्था की। इसके लिए हम सरकार को बधाई देते हैं। छोटे और सीमान्त किसानों के लिए बीमा के प्रीमियम में 10 प्रतिशत की सबसिडी का प्रावधान किया जो कि एक बहुत अच्छी बात है। इसी के साथ-साथ राज्य के अन्दर सहकारी संस्थाओं के माध्यम से जो काम किया गया, जो लोन दिये गये और बाद में जब किसान की स्थिति खराब हुई तो लोन माफ किये गये उस लोन और ब्याज की माफी से किसानों को बड़ा लाभ पहुंचा और उस लाभ के लिए किसान हरियाणा सरकार का बड़ा आभारी है। अध्यक्ष महोदय, चरणबद्ध तरीके से वन लगाने की बात कही गई है। वास्तव में जल ही जीवन है और जल हमें पेड़ों के कारण मिलता है। इसके अन्दर 10 से 20 प्रतिशत तक पेड़ों की भूमि क्षेत्र को बढ़ाने की बात कही गई है। हम इस बात का स्वागत करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि बहुत पैसा वनों को लगाने पर खर्च किया गया है यदि इसमें थोड़ा सा सुधार किया जाये कि क्षेत्र के हिसाब से एक-एक व्यक्ति को 300-300 पेड़ दिये जाएं और उसकी देखभाल और रखवाली की जिम्मेदारी उसी की फिक्स की जाये। इसके लिए पार्ट टाइम जाब के हिसाब से उसको वेतन दिया जाये जिससे वह फालतू समय में अपने और काम भी कर सकता है और पेड़ों की रखवाली और पानी देने का काम उसके बच्चे या घर परिवार का कोई दूसरा सदस्य भी कर सकता है। इस में एक बात तो यह होगी कि आज जो हमारे लाखों पेड़ बिना देखभाल के बर्बाद हो गये हैं उनको भविष्य में बर्बाद होने से बचाया जा सकेगा और जितने भी पेड़ लगाये जायेंगे वे सारे के सारे फल-फूल सकेंगे और पेड़ लगाने का जो हमारा लक्ष्य है यह सारे का सारा पूरा होगा। अध्यक्ष महोदय, सतलुज यमुना लिंक नहर की बात भी कई सालों से हम सुनते आ रहे हैं लेकिन वह मुद्दा अभी समाप्त नहीं हुआ और सतलुज यमुना लिंक नहर बनी भी नहीं लेकिन सरकार इसके लिए प्रयास कर रही है कि इसको बनाया जाये। प्रधानमंत्री से मिल कर और दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मिलकर सरकार इस दिशा में लगी हुई है। इसके लिए भी मैं सरकार को बधाई देना चाहता हूं कि यह सपना भी किसी तरह से साकार हो। कैप्टन अमरेन्द्र सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल में पंजाब सरकार ने जो गैर कानूनी बिल पास किया था जिसके तहत उन्होंने सारे अंतर्राज्यीय समझौतों को रद्द कर दिया था उसके लिए भी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में रैफरैंस दिया हुआ है। आशा है कि उस पर भी जल्दी ही फैसला हो जायेगा और सतलुज यमुना लिंक नहर पूरी होगी और पानी की जो समस्या है वह काफी हद तक समाप्त

हो जायेगी। अध्यक्ष महोदय, पानी के समान बंटवारे की जो बात हमारे मुख्यमंत्री जी ने कही है इसका हम दक्षिणी हरियाणा के सभी भाई स्वागत करते हैं क्योंकि आज हमारे प्रान्त के अन्दर राजनीति के अन्दर दो तरह की विचारधारायें हैं। अध्यक्ष महोदय, एक विचार धारा वह है जो सारे प्रान्त के अन्दर समान पानी देना चाहती है सभी लोगों को हमारे नारनौल और नांगल चौधरी के क्षेत्र तक पानी पहुंचना चाहती है इस विचारधारा का प्रतिनिधित्व हमारे सदन के नेता चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी, उनकी सरकार के मंत्री और जो लोग उनके साथ हैं वे सभी कर रहे हैं और दूसरी विचारधारा भी हरियाणा राज्य के अन्दर अपना जोर दिखा रही है कि पानी का समान बंटवारा नहीं करेंगे और यदि हमारा राज आया तो हम पानी को कहां ले जायेंगे, केवल एक जिले तक ही वह पानी सीमित रह जायेगा। इसलिए मैं इस बात के लिए भी सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी को और सरकार को बधाई देता हूं कि उन्होंने सभी को एक नजर से देखते हुए पानी का समान बंटवारा किया हैं अध्यक्ष महोदय, आपको जानकर आश्चर्य होगा कि नारनौल के क्षेत्र के ऐसे गांव भी हैं जहां 900 व 1100 फीट तक पानी नहीं मिलता और नहर वहां पर बनी नहीं हैं तो वहां पर पानी कैसे मिलेगा? पानी का समान बंटवारा होगा तभी सारे प्रदेश को पानी मिल सकेगा। अध्यक्ष महोदय, अगर इस तरह के लोग सत्ता में आ जायेंगे और कुण्डली मार कर उस पानी पर बैठ जायेंगे तो सारे प्रदेश को पानी नहीं मिल पायेगा। इसलिए सरकार द्वारा इस समस्या का समाधान करने के लिए जो प्रयास किये जा रहे हैं उसके लिए मैं आपके माध्यम से सरकार का धन्यवाद करता हूं। राजीव गांधी पेयजल संवर्धन योजना लागू की जा रही है। इसके लिए 605 करोड़ रुपये खर्च करके अरावली क्षेत्र के लोगों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था की जा रही है जिसके लिए मैं सरकार को बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि बिजली की बड़ी भारी कमी है। सच्चाई को स्वीकार करना भी अपने आप में बहुत बड़ी बात है। हमारे मुख्यमंत्री इस बात को स्वीकार करते हैं कि बिजली की कमी है। उस कमी को दूर करने के लिए तथा इस समस्या का स्थाई समाधान करने के लिए हरियाणा सरकार ने खेदड़ के अन्दर, यमुनानगर के अन्दर और झाड़ली के अन्दर जो प्रोजैक्ट लगाने का काम शुरू किया है उससे पूरे प्रान्त को बिजली मिल सकेगी। यह केवल कागजी वायदे या हवाई वायदे नहीं हैं बल्कि जमीनी स्तर पर कार्य हो रहा है और कोई भी उसको देख सकता है। इससे हमारे उद्योगपतियों को भी बिजली की कोई दिक्कत नहीं रहेगी और उद्योगों का भी विकास होगा। सरकार द्वारा वास्तविक रूप में बिजली की कमी को दूर करने के लिए जो प्रयास किये जा रहे हैं उसके लिए भी मैं सरकार को बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, एक बात मैं इसमें और जोड़ना चाहूंगा कि करोड़ों रुपये बिजली की कमी को दूर करने के लिए लगाए जा रहे हैं सब-स्टेशनज लगाये जा रहे हैं जिस पर करोड़ों रुपये खर्च किये जाते हैं लेकिन यह एक लम्बी प्रक्रिया है और इस योजना को मूर्त रूप लेने में डेढ़-दो साल का समय लगता है। उसके बीच में बाधा आती है। ट्रांसफार्मरस जल जाते हैं, बिजली के तार जल जाते हैं और पोल उखड़ जाते हैं। बिजली के खम्बों, बिजली के तारों और ट्रांसफार्मरस की बहुत कमी रहती है। इस कमी को शीघ्र पूरा किया जाये। इससे बिजली कमी की जो समस्या विकट होती जा रही है वह भी दूर हो जायेगी। बिजली के जो नये कनैक्शन पैंडिंग हैं वे भी शीघ्र लगाए जाएं। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि हमारे सरकारी कार्यालयों में बहुत सारे ए०सी० और लाइटें व्यर्थ ही चलती रहती

[श्री राधे श्याम शर्मा अमर]

हैं उनका अगर सही तरीके से इस्तेमाल किया जाये तो बहुत सारी ऊर्जा की बचत हो सकती है। कई कार्यालयों में जब कोई अधिकारी नहीं बैठा होता तब भी ए०सी० और लाईटें जलती रहती हैं इससे बिजली बेकार जाती है। अगर इस व्यवस्था को ठीक किया जाये तो इससे बिजली की बचत होगी। अध्यक्ष महोदय, सड़कों के लिए बहुत पैसा दिया गया है। सड़कें बन भी बहुत रही हैं लेकिन हमारे क्षेत्र नारनौल में यह काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है। वहां पर भी सड़कों के निर्माण का कार्य पहले शुरू किया जाना जरूरी है। वह इलाका राजस्थान के साथ लगता है। राजस्थान को तीन तरफ से नारनौल जोड़ता है। जब कोई बाहर का आदमी राज्य में आता है तो उसे यह लगता है कि राज्य में विकास के काम नहीं हो रहे हैं और उसके ऊपर गलत इम्प्रैशन पड़ता है। इसलिए सबसे पहले नारनौल क्षेत्र की सड़कों को बनाया जाना चाहिए। दूसरे राज्य से अगर कोई आदमी आकर हमारी प्रगति को देखता है तो वह अपने राज्य में जाकर हमारी तरक्की का जिक्र करेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहूंगा कि नारनौल की जनसंख्या बहुत बढ़ गई है और सड़कें शहर के बीच से निकलती हैं इसलिए वहां पर दुर्घटनाएं बहुत होती हैं। मेरा निवेदन है कि इन रोडज़ को ठीक तथा चौड़ा किया जाए। इसके साथ ही मैं यह अनुरोध भी करना चाहता हूं कि नारनौल में जो बाईपास बनाया जाना है उसका कार्य जल्दी से जल्दी शुरू किया जाए। गन्नौर में 500 एकड़ जमीन पर फल और सब्जी मण्डी बनाई गई है उसके लिए सरकार बधाई की पात्र है और मैं इसके लिए सरकार का धन्यवाद करता हूं। इसके साथ ही मैं सरकार से यह निवेदन करता हूं कि नारनौल में अनाज और सब्जी मण्डी बनाने का काम जितनी जल्दी शुरू किया जा सके किया जाना चाहिए क्योंकि यह भी प्रगति के लिए एक अच्छा कदम होगा। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं अनुरोध करना चाहूंगा तथा स्पैशल आर्थिक जोन बनाने के लिए सरकार को बधाई भी देना चाहूंगा। स्पैशल इकोनोमिक जोन के तहत किसानों को उनकी जमीन की अच्छी रकम मिल रही है। यहां के किसानों को एक-एक एकड़ जमीन के 21-22 लाख रुपये मिल रहे है। किसानों की वह जमीन जिसके उन्हें दो अढ़ाई लाख रुपये मिलते थे आज उसी जमीन के 21-22 लाख रुपये मिल रहे हैं। यह स्पैशल आर्थिक जोन कुण्डली से शुरू होकर मानेसर होते हुए रिवाड़ी तक पहुंच गया है। एन०एच० 8 के साथ लगती हुई जमीन के साथ 30 किलोमीटर का एरिया और रह गया है अगर उस एरिया को भी स्पैशल आर्थिक जोन बना दिया जाए तो उस क्षेत्र का भी आर्थिक विकास होगा। मैं इसके लिए सरकार का आभारी हूंगा। जिस प्रकार से सारे हरियाणा का शानदार विकास हो रहा है क्या वैसे ही विकास का प्रावधान नारनौल एरिया का भी करने का प्रावधान करेंगे? वहां पर कोई बहुत बड़े काम नहीं हो रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, प्रदेश की जमीन पर चमन वाटिका के तहत आठ शानदार हर्बल पार्कस बनाए जा रहे हैं यह हमारे लोगों की बहुत बड़ी मांग थी जिसको सरकार ने मंजूर किया है इसके लिए मैं सरकार को बधाई देता हूं। स्पीकर सर, आशियाना योजना के अन्दर जो मकान गरीब लोगों के लिए बनाए जा रहे है। उसके लिए मैं सरकार को बधाई देता हूं। मकान बनाने के लिए जो राशि 25 हजार से बढ़ा कर 50 हजार की गई है उसके लिए मैं सरकार का धन्यवाद करता हूं तथा सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि मकान बनाने के लिए पचास हजार की राशि भी काफी कम है क्योंकि महंगाई बहुत ज्यादा बढ़ गई

है। मकान बनाने के लिए जो राशि दी जा रही है वह राशि कम से कम इतनी तो होनी चाहिए जिससे गरीब आदमी अपने बच्चों के लिए दो कमरे का मकान तो बना सके। इस स्कीम से हमारे प्रदेश के अनुसूचित जाति के जो भाई हैं उनका बहुत भला हुआ है। पिछले 35-40 साल से अनुसूचित जातियों के भाइयों के लिए किसी सरकार ने कोई बहुत बड़ा काम नहीं किया था लेकिन हमारी सरकार तथा हमारे मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने हरिजनों की भलाई के लिए जो कार्य किये हैं उनके लिए हम सरकार को बधाई देते हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ जो अनुसूचित जाति तथा गरीब वर्ग के भाई हैं जिनके पास मकान बनाने के लिए कोई जमीन नहीं है उन लोगों को भी जमीनें दी जा रही है। अगर गरीब आदमी के पास कोई भूमि नहीं होगी तो वह रहने के लिए अपना मकान नहीं बना सकता है। हमारी सरकार ने अनुसूचित जाति के लोगों को 100-100 गज के प्लाट मुफ्त देने का प्रावधान किया है जो कि बहुत ही सराहनीय कार्य है। अध्यक्ष महोदय, वर्षा कम होने के कारण जमीन का जलस्तर नीचे जा रहा है। सरकार इसके बारे में बहुत ही अच्छा काम कर रही है। माननीय सिंचाई मंत्री महोदय इस समय सदन में बैठे हुए नहीं हैं। हमारे जो बांध हैं, बढ़िया बरसाती नाले हैं उनकी प्रोपर सफाई करवाई जाए इससे हमारे इलाके को बाढ़ से राहत मिलेगी और इस क्षेत्र का जलस्तर भी ऊपर आएगा। अगर जमीन का पानी ऊपर आ जाता है तो इससे सरकार को सुविधा ही होगी। हमारे जिले में अब जो पानी 1100 फुट पर मिलता है वही पानी 300 फुट पर मिलेगा तो सरकार को कम खर्च पर लोगों को पानी की सुविधा प्रदान करने में सहायता मिलेगी। मैं इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी तथा सरकार को बधाई देता हूं। अनुसूचित जाति के बच्चों को पहली कक्षा से बारहवीं कक्षा तक मुफ्त शिक्षा देने का प्रावधान किया गया है सरकार की इस योजना से शिक्षा का स्तर बढ़ेगा और ज्यादा से ज्यादा बच्चे स्कूलों में पढ़ने के लिए जाएंगे। इससे एक फायदा यह भी होगा कि वे मां बाप जो गरीब होने के कारण अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजते तथा अपने बच्चों से बाल मजदूरी करवाते हैं, वे बच्चों से मजदूरी करवाने की बजाए उन्हें स्कूलों में भेजेंगे जिससे इस योजना के कारण बाल मजदूरी समाप्त होगी। जब गरीब और अनुसूचित जाति के बहन भाई-शिक्षा प्राप्त करेंगे तो समाज के अन्दर शिक्षा का प्रचार और प्रसार होगा। देश और प्रान्त में शिक्षा का स्तर अच्छा होने से प्रदेश हर प्रकार से प्रगति और विकास करेगा। पढ़े लिखे लोगों को आसानी से विकास की बात समझ में आती है क्योंकि पढ़ने लिखने से उनका बौद्धिक विकास होता है इसलिए यह बहुत आवश्यक था। गांधी जी का सपना था कि भारत में सभी को शिक्षा मिले वह भी हरियाणा प्रदेश में पूरा होगा। भारत को जगत गुरु इसलिए कहा जाता है क्योंकि जो बच्चे स्कूलों में आते हैं उनको शुरू से अच्छी शिक्षा मिलती है। इसके लिए हम मुख्यमंत्री जी को बधाई देते हैं कि उन्होंने वर्ष 2008 को शिक्षा वर्ष का नाम दिया है और इसकी वजह से हरियाणा प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय खुलेंगे। इस बारे में इस सरकार ने बहुत ध्यान देते हुए हरियाणा भगत फूल सिंह कन्या विश्वविद्यालय, राजीव गांधी एजुसैट सिटी और सर छोटू राम साईंस एंड टैक्नोलोजी विश्वविद्यालय खोले हैं। इस सरकार द्वारा बहुत ही अच्छी सोच द्वारा काम किया जा रहा है। मेरा सरकार से कहना है कि सरकार की यह अच्छी सोच हरियाणा के अन्तिम छोर तक चलनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हमारा अन्तिम छोर नांगल चौधरी है और वहां पर भी सरकार की अच्छी सोच का फायदा मिलना चाहिए। अध्यक्ष

[श्री राधे श्याम शर्मा अमर]

महोदय, इस सरकार का हरियाणा में एक योग विश्वविद्यालय खोलने का विचार है। यह मेरा निवेदन है कि यह नारनौल में खुलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जब आप नारनौल क्षेत्र में आए थे तो आपने वहां पर पुरस्कार बांटे थे। और वहां पर आपने देखा भी था कि हमारे बच्चों का इसमें कितना इन्ट्रस्ट है। अध्यक्ष महोदय, वह भूमि शांडिल्य और चवन ऋषि की कर्म और जन्म भूमि है। यह भूमि आज के योग गुरु स्वामी रामदेव की भी जन्म भूमि है। अध्यक्ष महोदय, हम वहां पर सरकार को 200 एकड़ जमीन फ्री ऑफ कास्ट देने को तैयार हैं और हमारा आपसे निवेदन है कि वहां पर योग विश्वविद्यालय का एक हिस्सा तो जरूर खुलना चाहिए। अगर ऐसा होगा तो यह बहुत ही अच्छी बात होगी। अध्यक्ष महोदय, हमारा जो क्षेत्र है वहां पर कन्या भ्रूण हत्या का कानून लागू होने की वजह से बहुत ही फर्क पड़ा है। पहले जो 6-6 महीने की कन्याओं के भ्रूण की हत्या कर दी जाती थी वह अब होनी बंद हो गई है इसकी वजह से वहां पर कन्याओं की संख्या बढ़ी है। आज बॉली-बाल की जो भी अन्तर्राष्ट्रीय टीम चुनी जाती है उसमें हमारी 5-6 लड़कियां जरूर होती हैं। अध्यक्ष महोदय, भाई खेता राम पोलिटैक्नीकल कालेज को इंजीनियरिंग कालेज का दर्जा दिया जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा बच्चे वहां से शिक्षा का लाभ ले सकें। इसी के साथ मैं यह भी कहना चाहता हूं कि जो लोग कन्या भ्रूण हत्या करते हैं उनको सख्त सजा मिलनी चाहिए क्योंकि ''यत्र नार्यस्ते पूज्यन्ते, तत्र रमन्ते देवता'' यानि कि जहां पर नारियों का सम्मान होता है वहां पर देवता बसते हैं और जहां पर नारियों का सम्मान नहीं होता है वहां पर राक्षस बसते हैं। इस सरकार द्वारा कन्या भ्रूण हत्या को समाप्त करने के लिए जगह-जगह पर एक से एक बढ़िया सैमीनार किए जाते हैं। हमारे यहां पर भी एक सैमीनार का आयोजन किया गया था और हमारे इलाके को लड़कों से ज्यादा लड़कियों की संख्या होने के कारण पुरस्कार भी दिया गया था। हमारी सरकार के द्वारा यह काम करके समाज कल्याण का काम किया जा रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और हमें एक अच्छा समाज बनाना चाहिए। अगर अच्छा समाज होगा तो अच्छे समाज से अच्छा आदमी बनेगा। बढ़िया आदमियों से ही बढ़िया समाज का निर्माण होता है। यह राजनीति के अंदर एक अच्छी सोच है। हमारे मुख्यमंत्री जी इस सोच को लेकर आए हैं। इसलिए इस बात के लिए मैं उनको मुबारिकबाद देता हूं, बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, बेसहारा स्त्रियों के लिए, विधवाओं के लिए और बुजुर्गों के लिए जो सुविधाएं सरकार द्वारा दी गयी हैं उन सुविधाओं के लिए भी मैं आपको और सरकार को बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, अच्छे समाज के लिए और इंसान की प्रगति के लिए शांति आवश्यक है, कानून व्यवस्था आवश्यक है। यदि किसी समाज के अंदर कानून व्यवस्था नहीं होगी, किसी समाज के अंदर शांति नहीं होगी तो हम विकास नहीं कर सकते। अध्यक्ष महोदय, आतंकवाद का दौर भी हमने देखा है, निर्दोष लोगों का खून बहते भी हमने देखा है। जब ऐसे हालात होते हैं तो भय के साये में आदमी काम नहीं कर सकता है। ऐसे आतंक का नाश होना आवश्यक है और शांति होना आवश्यक है, अच्छी कानून व्यवस्था का होना आवश्यक है। जिस तरह से हरियाणा के बारे में यह बताया जा रहा था कि हरियाणा बिहार का रूप बनता जा रहा था लेकिन हमारी सरकार ने इसको संभाला है। अध्यक्ष महोदय, जो गिरती हुई कानून व्यवस्था थी उसको हमारी सरकार द्वारा शिकंजे में किया गया है और यह स्थापित किया गया है कि हरियाणा में कानून का शासन

हो। मुख्यमंत्री जी ने पहले ही कह दिया है कि अगर कोई यहां पर कानून का शासन नहीं चाहता है, गुण्डागर्दी करता है या तो वह हरियाणा छोड़ जाए या फिर वह जेलों के अंदर रहने के लिए तैयार रहे। इसके बाद से हरियाणा प्रान्त के अंदर एक शांति आयी है, कानून व्यवस्था कायम हुई है। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहूंगा। कुछ लोग कह सकते हैं कि हम अखबार के अंदर पढ़ते हैं कि गुड़गांव में या रोहतक में लूटने की घटना हो गयी तो इस तरह की घटनाएं तो होंगी ही क्योंकि जो बुराई समाज के अंदर घर कर जाती है उसको समाप्त करने के लिए वर्षों लगते हैं। जो सात आठ साल से एक बुराई समाज के अंदर जमी हुई है उस बुराई को उखाड़ने में सरकार को कई वर्ष लगाने पड़ेंगे। इसलिए ये छिटपुट घटनाएं तो होंगी ही लेकिन इन घटनाओं को रोकने के लिए मानस बदलना आवश्यक है। यदि आप बच्चे को पढ़ाना शुरू करेंगे और दो दिन तक बच्चे को एक पाठ पढ़ाएंगे तो वह उसको याद कर लेगा लेकिन यदि आपने उसको शरारती बना कर स्कूल के अंदर फूल तोड़ना सिखा दिया तो उसको खिलता हुआ फूल अच्छा नहीं लगेगा और वह जहां भी जाएगा खिलते हुए फूल को तोड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, उसके अंदर जो बदनीयत आ गयी है उसको सुधारने में दूसरे अध्यापक को भी स्कूल के अंदर बहुत समय लगता है। इसी तरह से जो कानून-व्यवस्था है उसको स्थापित करने में या उसको पटरी पर लाने में समय लगता ही है। हम सबको मिलकर इस व्यवस्था को सुधारने में सरकार को कामयाब करवाना है। अध्यक्ष महोदय, अब मैं खेलकूद की बात करना चाहूंगा। जीवन के अंदर खेलकूद बड़ा आवश्यक है। एक स्वस्थ दिमाग एक स्वस्थ शरीर में ही रह सकता है लेकिन स्वस्थ शरीर कहां से बनेगा? स्वस्थ शरीर तभी बनेगा जब खेलकूद की व्यवस्था अच्छी होगी। खेलकूद की व्यवस्था ऐसी नहीं होनी चाहिए कि ये मेरा भाई है इसलिए इसको प्रमाण-पत्र दे दो या यह मेरा भतीजा है तो इसको प्रमाण-पत्र दे दो या इसकी कापी में तीन के चार और चार के पांच अंक दे दो। अगर इस तरह की व्यवस्था चलेगी तो न तो राज चल सकता है और न खेलकूद अच्छे हो सकते हैं और न किसी नागरिक का स्वास्थ्य अच्छा हो सकता है। इसके लिए जरूरी है कि हम इस बात को मानें कि न्यायार्थ अपने बन्धु को भी दण्ड देना धर्म है। अगर न्याय के लिए दण्ड नहीं देंगे तो फिर न्याय नहीं आएगा और जब न्याय का शासन नहीं होगा, सच्चाई का शासन नहीं होगा तो फिर समाज के अंदर अधर्म होगा, अन्याय होगा और जब अन्याय और अधर्म हो जाएगा तो शांति और व्यवस्था भी नहीं रहेगी। फिर तो समाज के अंदर एक खूनी क्रान्ति हो जाएगी जिससे समाज के अंदर सबका जीवन खतरे में पड़ जाएगा। अध्यक्ष महोदय, खेलकूद अनुशासन सिखाता है और अनुशासन से ही अच्छे समाज का निर्माण होता है। अच्छे समाज का निर्माण करना हर राजनेता का धर्म है, हर राजा का धर्म है। हमारे धर्म ग्रन्थों में कहा भी गया है कि जो राजा है वह अपनी प्रजा का बाप है इसलिए राजा को अपनी प्रजा का पालन पोषण अपनी सन्तान की तरह करना चाहिए। हमारे गोस्वामी तुलसीदास जी ने हमारे धर्म ग्रन्थों का एक सार लिखते हुए कहा है कि भई, जाहीं राज प्रिय प्रजा दुखारी सा नृप अवश नरक अधिकारी। जिस राजा के राज में प्रजा दुःखी है चाहे वह किसी भी तरह से दुःखी हो तो राजा नरक का अधिकारी होता है, उस राजा को नरक मिलेगा। भगवान राम जब वन में जाते हैं तो अपना संदेश देते हुए कहते हैं कि जब भरत वापस आए और राज ले तो भरत को कहना कि राजा बनकर अहंकारी और अभिमानी न बन जाए। अगर अहंकारी और अभिमानी बन जाएगा तो

[श्री राधे श्याम शर्मा अमर]

जनता के साथ न्याय नहीं करेगा और यदि न्याय नहीं करेगा तो उसका राज लोग उखाड़ फेंकेंगे। इस तरह से राज उखड़ते भी आये हैं इसलिए यह आवश्यक है कि अनुशासन का पाठ खेलों से ही सीखा जाए। वाटर लू का जो युद्ध है वह एडन और हैरो के विश्वविद्यालयों के खेल के मैदानों में अनुशासन की वजह से ही जीता गया था। अध्यक्ष महोदय, इसलिए खेल का विकास होना बहुत जरूरी है। हमारी सरकार ने खिलाड़ियों के लिए जो पैसा बढ़ाया है उसके लिए मैं सरकार को बधाई देता हूं। मैं सरकार को मुबारिकवाद देता हूं कि सरकार ने 8 नगरपालिकाएं बनाई हैं। इनसे जो लोग जुड़े हुए हैं उनका विकास होगा। उनकी यह मांग थी कि जो नगरपालिका तोड़कर ग्राम पंचायत बनाई गई थी उनको फिर से नगरपालिका बनाया जाए। हमने ग्राम पंचायतों से नगर पालिकाएं तो बनते देखी थीं लेकिन नगरपालिकाएं तोड़कर ग्राम पंचायतें बनते नहीं देखीं थी। अब इस सरकार ने आकर ठीक कार्य किया है। जो आठ नगरपालिकाएं बनाई गई हैं उसके लिए मैं विशेषकर अपने हल्के के कनीना क्षेत्र की तरफ से सरकार को बधाई देता हूं। उन्होंने मुझे बार-बार कहा कि हमारी तरफ से मुख्यमंत्री जी तथा सरकार को बधाई देकर आना, इसलिए मैं उन लोगों की तरफ से भी संदेश लाया हूं। मैं कप्तान साहब को भी बधाई देता हूं और सरकार को भी बधाई देता हूं। (विघ्न) मेरे साथी नरेश यादव जी कह रहे हैं कि अटेली के लिए भी मैं बधाई दे दूं।

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : अटेली की नगरपालिका तो पुनः बहाल की है।

श्री राधे श्याम शर्मा अमर : बहाल की है इसके लिए भी आप बधाई के पात्र हैं। अध्यक्ष महोदय, यह जो हमारे विद्यालय हैं इनको सुचारू रूप से चलाने के लिए जो व्यवस्थाएं की गई हैं लेकिन अध्यापकों की कमी है। सरकार से निवेदन है कि टीचर्ज की भर्ती करवा दें जिससे स्कूलों का काम सुचारू रूप से चले। जो व्यवस्था बनाई जा रही है वह मजबूत और अच्छी हो जाएगी तो विद्यार्थी अनुशासन में चलेंगे। छह हजार साक्षर महिला समूहों के गठन की बात की गई है। इनसे काफी लाभ होता है। इनमें महिलाएं बैठ जाती हैं और अपने वहां की समस्याओं के बारे में चर्चा करती हैं। जब दो महिलाएं इकट्ठी बैठ जाती हैं और बातचीत करती हैं तो वह सब जगह फैल जाती है, इस प्रकार जब 10-15 महिलाएं इकट्ठी बैठेंगी तो यह समस्याएं गांव के लोगों तक आ जाती हैं और गांव से जिले तक पहुंच जाती हैं और जिलों से आप और हम तक पहुंच जाती हैं और आप और हम से यहां इस सदन में सरकार के समक्ष आ जाती हैं और जब समस्याएं यहां तक आ जाती हैं तो उनका निदान होने की कार्यवाही शुरू हो जाती है। यदि राजा की गुप्तचर व्यवस्था कामयाब न हो तो लोगों की समस्याएं उस तक नहीं पहुंच पाती हैं और यदि समस्याएं गुप्तचरों के जरिए सरकार तक पहुंच जाएं तो सरकार उनका हल निकाल लेती हैं जिससे सरकार की अच्छी सोच की झलक भी उनमें मिलती है। अध्यक्ष महोदय, पशुधन के लिए भी हमारी सरकार बहुत अच्छी व्यवस्था कर रही है। अच्छे किस्म की भैंसे, गाय और अच्छी किस्म के सांड हों तो यह बहुत अच्छा रहता है। पशुधन हमारे लिए बड़ा ही जरूरी धन है हमारे यहां छोटी खेती करने वाले लोग गांव में भैंस पाल लेते हैं, या गाय पाल लेते हैं और उनकी बछिया रख लेते हैं, जो कि बाद में 22-23 हजार रुपये तक में बिक जाती हैं। यह

जो व्यवस्था सरकार कर रही है उसके लिए सरकार बधाई की पात्र है। अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां के पहाड़ों के अंदर जो खनन हो रहा है उससे सरकार को बड़ा लाभ हो रहा है और बहुत राजस्व की प्राप्ति सरकार को हो रही है। मेरे हल्के के लोग अक्सर यह कहते हैं कि यह जो हुड्डा है यह बहुत ज्यादा पैसे बांट रहा है। जैसे नारनौल के अंदर हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जी गए तो 70 करोड़ रुपये वहां देकर आए तो लोग कहने लगे कि ये 70-70 करोड़ रुपये मुख्यमंत्री जी कहां से देते हैं। मैंने उनको समझाया कि एक तो अपने यहां जो पहाड़ों का खनन होता है उससे सरकार के पास पैसा आता है और दूसरे सरकार में अब पैसे को इकट्ठा करने की प्रवृत्ति नहीं रही। इसलिए ये पैसा आ रहा है। अध्यक्ष महोदय, हमारे नारनौल के पहाड़ों से सरकार के पास राजस्व के रूप में करोड़ों रुपया आता है लेकिन फिर भी उस एरिया की सड़कें टूटी पड़ी हैं। मेरे हल्के में निजामपुर, नारनौल और नांगल चौधरी की सड़कें टूटी हुई हैं। मंत्री जी वहां गए थे तो उन्होंने देखा होगा कि उनकी गाड़ी कैसे चूं चर्र की आवाज करती हुई चल रही थी।

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, अब आप वाइंड अप करें।

श्री राधे श्याम शर्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, इन शब्दों के साथ आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए जो समय दिया है उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

माननीय मुख्यमंत्री को मॉरिशस का आमंत्रण

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से इस सदन को यह बताना चाहूंगा कि पूरे हरियाणा राज्य के लिए यह फख्र की बात है कि मॉरिशस की सरकार ने और मॉरिशस के प्रधानमंत्री ने हरियाणा के मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी को विशेष निमंत्रण दिया है। उनके स्वतंत्रता दिवस पर विशेष अतिथि के तौर पर आने का निमंत्रण दिया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री और इस सदन के नेता वहां पर गये हैं। अध्यक्ष महोदय, यह सदन और आप जानते हैं कि अक्सर वहां के इन्डिपैंडैंट दिवस पर या इस तरह के दूसरे ओकेजन पर किसी हैड आफ दि स्टेट को वहां पर बुलाया जाता है। आज आपके प्रान्त की अर्थव्यवस्था और आपके प्रान्त का नाम और यश पूरी दुनिया के अन्दर इतना फैला हुआ है कि मॉरिशस की सरकार ने यह निर्णय लिया कि हमें हैड ऑफ दि स्टेट की बजाए हरियाणा के मुख्यमंत्री को बुलाना चाहिए। इसलिए आज हरियाणा के मुख्यमंत्री जी वहां पर गये हैं और 14 तारीख को वापस लौटेंगे। यह बात मैं आपकी अनुमति से सदन को बताना चाहता हूं।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रकाश चौटाला (रोड़ी) : अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा में भाग लेने के लिए आपने मुझे अवसर प्रदान किया है। राज्यपाल का अभिभाषण किसी सरकार का एक डाकूमैंटरी शिट्न होता है। इसमें सरकार के किये हुए कामों का

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]
उल्लेख किया जाता है, आगे की योजनाएं बताई जाती हैं और सरकार की नीतियों का भी उल्लेख किया जाता है। लेकिन इस सारे अभिभाषण को पढ़ने के बाद मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि यह सारा सदन इस अभिभाषण को सुन रहा था और यह अभिभाषण टोटली ही एक नीरस अभिभाषण है इसका सबूत अगले दिन के अखबारों में छपे समाचारों के माध्यम से जाहिर होता है। अभिभाषण के दौरान इस सदन के बहुत से सम्मानित सदस्य सो रहे थे। इससे जाहिर हो रहा है कि इस अभिभाषण में कोई विशेष बात नहीं है।

श्री अध्यक्ष : आपको इस बारे में कैसे पता लगा?

श्री ओमप्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपने शायद सुना नहीं, मैंने यह कहा था कि अखबार में जो समाचार लिखे थे उसके माध्यम से पता चला है।

श्री अध्यक्ष : आपने अभिभाषण को सुना था या आपका कोई एजैन्ट उसमें बैठा था।

श्री ओमप्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं अखबार पढ़ा करता हूं।

श्री अध्यक्ष : आपको किसने बताया, right of information तो होना चाहिए।

श्री ओमप्रकाश चौटाला : ******* मैंने यह कहा है कि अखबारों में छपे समाचारों से पता चला है।

(इस समय इंडियन नेशनल लोकदल के कई माननीय सदस्य एक साथ खड़े हो गये और जोर-जोर से बोलने लगे।)

श्री अध्यक्ष : आप सभी सदस्य अपनी सीटों पर जाकर बैठ जायें। (विघ्न) श्री ओमप्रकाश चौटाला जी ने जो अनपार्लियामैंटरी शब्द कहे हैं उनको रिकार्ड न किया जाए। चौटाला साहब, आप तजुर्बेकार आदमी हो, आप सात साल तक इस प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हो आप लिमिट क्रॉस कर रहे हो। आपको बोलने की तमीज और तरीका नहीं है तो क्या मैं आपको यह सब सिखाऊंगा (विघ्न) इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए।

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, इस सदन का यह बड़ा दुर्भाग्य है कि इस प्रकार की असंसदीय भाषा का एक जिम्मेवार सदस्य द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य उस समय सदन के अन्दर मौजूद भी नहीं थे। अध्यक्ष महोदय, यह भी सच है कि माननीय सदस्य कई महीनों तक सदन में आये ही नहीं (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : उस दिन 90 में से 15 मैम्बर नहीं थे। (शोर एवं व्यवधान)

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि माननीय सदस्य छेड़ डालने के लिए इस भाषा का इस्तेमाल करते हैं जो इनकी सोची समझी

*चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

नीति है। ओम प्रकाश चौटाला चेयर के अगेन्स्ट कटाक्ष करते हैं जो कि ठीक नहीं है। (शोर एवं व्यवधान) आपने उन्हें बोलने का पूरा समय दिया है इसलिए ये खुलकर बोलें। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी के कई सदस्य अपनी-अपनी सीटों पर खड़े होकर बोलने लगे।)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, *******

Mr. Speaker : Nothing is to be recorded. आप हाउस में नहीं थे, आपने किसको सोते हुए देखा आप नाम बताएं। (शोर एवं व्यवधान) आप अपने नेता को बोलने दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। सम्मानित सदस्य अपनी बात कहें क्योंकि आपने बोलने के लिए उनको खुला समय दिया है। आपने ऐसी अच्छी परम्पराओं की शुरूआत की है। 7 मार्च से 31 मार्च तक इतना लम्बा सत्र रखा है ताकि ये अपनी बात खुलकर कह सकें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलवन्त सिंह सढौरा : अध्यक्ष महोदय, इससे पहले भी लम्बे सत्र चलते रहे हैं। चौधरी देवीलाल जी के समय 19-19, 20-20 सीटिंग चलती रही हैं। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, *******

श्री अध्यक्ष : चेयर की परमिशन के बिना जो बोला जा रहा है वह रिकार्ड नहीं किया जाए। (शोर एवं व्यवधान) आप गवर्नर एड्रैस पर बोलें, बजट पर बोलें, एप्रोप्रिएशन बिल पर बोलें तथा डिमांड पर बोलें आपको बोलने की खुली छूट है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : 7 मार्च से 31 मार्च तक सैशन चलेगा यह क्या विवाद का विषय है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलवन्त सिंह सढौरा : अध्यक्ष महोदय, इससे पहले चौधरी देवीलाल जी के समय में भी लम्बे सत्र चलते रहे हैं यह एक रिकार्ड की बात है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, इतना लम्बा सत्र चलाकर अच्छी परम्पराओं की शुरूआत की जा रही है। पहले पूरे साल के अंदर कभी 20 दिन तक सत्र नहीं चला। पैंसिल के इशारे से विपक्ष के नेताओं को उठाकर हाउस से बाहर कर दिया जाता था। अध्यक्ष महोदय, आप भी सदन के सदस्य थे, किस प्रकार से एक पैंसिल के इशारे से आपको और दूसरे सदस्यों को सदन से बाहर निकाल दिया जाता था। अब प्रजातंत्र में नई परिपाटी की शुरूआती की जा रही है, इनको कम से कम इसकी तारीफ करनी चाहिए। माननीय सदस्य ने खड़े होते ही एक बात कही कि पूरा सदन महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के समय सो रहा था। यह घोर आपत्तिजनक है क्योंकि माननीय सदस्य खुद सदन में नहीं थे और न ही उन्होंने महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण सुनने की ज़हमत की। (शोर एवं व्यवधान)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, 1977 से 1989 तक चौधरी देवीलाल के समय में भी लम्बा सैशन चला है। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : I request you, please take your seats (interruptions).

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, मैं प्वाइंट आफ आर्डर पर खड़ा हुआ हूं। मेरा प्वाईट आफ आर्डर यह है कि माननीय सदस्य ओम प्रकाश चौटाला जी जिस दिन महामहिम राज्यपाल महोदय ने सदन में अभिभाषण दिया था उस दिन सदन में नहीं आये थे। पहले भी महीनों तक ऐसा होता रहा कि चौटाला जी सदन में नहीं आये। अध्यक्ष महोदय, पूरे सदन के बारे में यह कहना कि पूरा सदन राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के समय सोया हुआ था यह ऐतराज की बात है। (शोर एवं व्यवधान) महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपना पूरा अभिभाषण सदन में पढ़ा और सरकार की नीतियां रखीं। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के साथियों ने जिस तरह की भाषा का प्रयोग सदन और चेयर के प्रति किया यह अपमान की बात है। (शोर एवं व्यवधान) उनका चेयर के बारे में यह कहना कि आप कान साफ करके आया करें यह ऐतराज वाली बात है। ऐसी शब्दावली का प्रयोग वे पहले भी करते रहे हैं। लेकिन अब उनकी इस तरह की भाषा का प्रयोग सदन में नहीं चलेगा। मेरा आपसे अनुरोध है कि वे शब्द रिकार्ड न किए जायें।

श्री अध्यक्ष : ठीक है। वे शब्द रिकार्ड नहीं होंगे। (शोर एवं व्यवधान)

Agriculture Minister (Sardar H.S. Chatha) : Mr. Speaker Sir, Members of the opposition party were saying something but perhaps I could not understand what they were saying. But sir, I understood one thing that Mr. Chautala has recognized their services today क्योंकि जब चौटाला जी सदन में मौजूद नहीं थे तो इसलिए विपक्ष के लोग शोर नहीं कर पाये। (शोर एवं व्यवधान) वे लोग सुबह को नहीं बोले और अब शोर मचा रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है कि माननीय ओम प्रकाश चौटाला जी हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे हैं और सारा सदन उन्हें सुनना चाहता है। अध्यक्ष महोदय, आपने उन्हें बड़ी उदारता से राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया है। चौटाला जी, बड़ी मुश्किल से डेढ़ साल बाद विदेश से वापिस आये और जब भी सदन में आते हैं तो कोई न कोई बहाना बनाकर सदन से वापिस चले जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से चौटाला जी से अनुरोध है कि वे अपने अनुभव से सदन को ऐसे सुझाव दें जिससे प्रदेश की जनता का भला हो सके। जहां तक इन्होंने कान साफ करने वाली बात कही कि कान साफ करवायें। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील कुमार इन्दौरा : ********** (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सीता राम : ********** (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलवन्त सिंह : ********** (शोर एवं व्यवधान)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

श्री ईश्वर सिंह पलाका : ********** (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं कोई गलत बात नहीं कह रहा हूं ये बाहर जाने का बहाना ढूंढ़ रहे हैं। शोर एवं व्यवधान)

श्री शाहिदा खान : ********** (शोर एवं व्यवधान)

श्री रामफल चिड़ाना : ********** (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Nothing to be recorded. सढौरा जी, यदि आप अपनी बात कहना चाहते हैं तो आप अपनी सीट पर जाकर कहें। मैं आपको अपनी बात कहने की इजाजत देता हूं लेकिन पहले आप सभी अपनी-अपनी सीटों पर जायें। (शोर एवं व्यवधान) सढौरा जी, मैंने आपको अलाऊ कर दिया है आप अपनी सीट पर जाकर बोलें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, ये लोग सदन की कार्यवाही में व्यवधान डाल रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, सदन ठीक प्रकार से चल रहा होता है लेकिन जब भी ओम प्रकाश चौटाला जी सदन में आते हैं तो सदन की कार्यवाही में व्यवधान डल जाता है। (शोर एवं व्यवधान) जब तक ये सदन में नहीं आते तब तक सदन ठीक चल रहा होता है। (शोर एवं व्यवधान) गड़बड़ी सदन में नहीं है, इनमें है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रामफल चिड़ाना : अध्यक्ष महोदय, ******* (शोर एवं व्यवधान)।

श्री अध्यक्ष : चिड़ाना साहब, आप अपनी सीट पर जाकर बोलिए। मैं आपको अलाऊ करता हूं। आप अपनी सीट पर जाकर बोलिए। आप प्लीज अपनी सीट पर जायें।

श्री शाहिदा खान : अध्यक्ष महोदय, ******* (शोर एवं व्यवधान)।

श्री अध्यक्ष : शाहिदा जी, आपको क्या कहना है ? (शोर एवं व्यवधान)।

(इस समय इनेलो के माननीय सदस्य हाउस की वैल में आकर बोलने लगे।)

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : स्पीकर सर, यह क्या तरीका है। ये माननीय साथी बिना वजह हाउस की वैल में आ जाते हैं और कार्यवाही में बाधा डालते हैं। (शोर एवं व्यवधान)।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने का मौका दिया है मुझे अपनी बात कहने का मौका दिया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मेरा सभी इनेलो विधायकों से अनुरोध है कि वे कृपया सदन की गरिमा को बना कर रखें। I request you please take your seats. अगर आपको कुछ बोलना है तो कृपया आप अपनी सीट से बोलें।

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्यों से पूछना चाहता हूं कि वे किस बात पर नाराज हो रहे हैं। मैंने ऐसी कोई बात नहीं की है। मैंने तो आपकी मार्फत सुझाव दिया है कि (शोर एवं व्यवधान)।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, ******** (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी आप प्लीज बैठिए। दलाल साहब, आप बोलिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, इनकी सभ्यता तो देखिए ये अपने नेता के समय को बर्बाद कर रहे हैं। स्पीकर सर, मैंने कोई भी अनपार्लियामैंट्री बात नहीं की है फिर पता नहीं किस कारण से ये इतना गुस्सा हो रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मेरा सभी इनेलो विधायकों से अनुरोध है कि जब मैं उन सभी को बोलने के लिए अलाऊ कर रहा हूं तो वे कृपया अपनी सीट पर जाकर बोलें। Please take your seats. Don't compel me to take action. Please take your seats. (Noise and Interruptions).

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, इस बात पर सदन को गहराई से चिन्तन करना पड़ेगा। पहले यह सदन बड़े शांतिप्रिय तरीके से चलता है लेकिन जब श्री ओम प्रकाश चौटाला जी सदन में आते हैं तो गड़बड़ शुरू हो जाती है। जब तक श्री ओम प्रकाश चौटाला जी सदन में नहीं आते तब तक ये माननीय सदस्य भी बड़े प्रेम से अपनी बात कहते और सभी की बात ध्यान से सुनते हैं। अब इस बात पर विचार करना पड़ेगा कि गड़बड़ श्री चौटाला जी में है या सदन में है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है कि माननीय चौटाला साहब पुराने सदस्य हैं और हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे हैं। ये सदन की इज्जत करते हैं। हम तो आपकी मार्फत चौटाला जी से यही उम्मीद करते हैं कि वे कुछ ऐसे सुझाव देंगे जिससे हरियाणा प्रदेश की भलाई के जो मुद्दे और बिन्दु हमारी नजर में नहीं आये हैं उन पर हम विचार कर सकें। स्पीकर सर, इनको आपके कानों की चिंता करने के बजाए आपकी तारीफ करनी चाहिए। स्पीकर सर, क्या यह बात मैं अनपार्लियामैंटरी कह रहा हूं। स्पीकर सर, मेरा प्वांयट आफ आर्डर यह है। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, प्वायंट आफ आर्डर किसी बात पर होता हैं प्वायंट आफ आर्डर के कुछ तो कायदे-कानून भी होते हैं।

श्री अध्यक्ष : चौटाला जी, ये प्वायंट आफ आर्डर पर ही बात कर रहे हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने अभी सदन में अपने भाषण में भी कहा था कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के दिन मैं सदन में उपस्थित नहीं था। मैंने अखबारों में अगले दिन जो कुछ पढ़ा उसी के आधार पर कह रहा हूं कि राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विधायक सो रहे थे और उसी बात पर बार-बार प्वाइंट आफ आर्डर हो जाता है। (शोर एवं व्यवधान)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

श्री नरेश शर्मा प्रधान : आन ए प्वाइंट आफ आर्डर। अध्यक्ष महोदय, जो मेरे सामने लिखा हुआ है मैं उसी को पढ़ रहा हूं कि या तो सभा में प्रवेश न किया जाये और यदि प्रवेश किया जाये तो वहां स्पष्ट और सच्ची बात ही कही जाये क्योंकि सभा में गलत और झूठी बात कहने से या बिल्कुल ही न कहने से दोनों ही दशाओं में आदमी पाप का भागी बनता है। अध्यक्ष महोदय, पहले तो हमारे साथी चौटाला साहब बहुत दिनों तक सदन में ही नहीं आये और जब प्रवेश किया तो हमेशा गलत बोलते हैं, झूठ बोलते हैं। हमारे इन साथियों को तो झूठ बोलने पर भी पाप नहीं लगता। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आप बोलिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, पहले यह तय कर लें कि मुझे बोलने का समय मिल रहा है या नहीं। क्योंकि जब भी मैं बोलना शुरू करता हूं तो बेकार की बातें शुरू हो जाती हैं। आप मेरे बोलने के दौरान किसी को भी हाथ से इशारा करके खड़ा कर देते हैं।

श्री अध्यक्ष : बेकार की बातें कोई नहीं करता। ये आपके साथी ही बोल रहे हैं। आप बोलिए आपको समय दिया जाता है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ठीक है आप समय देते हैं तो मैं बोल लेता हूं। हमारी तरफ से कोई इन्टरप्शन नहीं होगा। जब मैं बोलता हूं तो बेकार की बात, फिजूल की बात उठाई जाती है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : बेकार की बातें कोई नहीं करता। ये आपकी पार्टी के ही माननीय सदस्य हैं जो बीच-बीच में बोल रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण का जिक्र कर रहा था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, आप चौटाला साहब को बोलने ही नहीं देना चाहते।

श्री अध्यक्ष : यह व्यवस्था का प्रश्न है। माननीय सदस्य डैमोक्रेटिक लैंग्वेज का इस्तेमाल होना चाहिए। चौटाला साहब 7-7 साल मुख्यमंत्री रह चुके हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, यह बिल्कुल गलत बात है आप चौटाला साहब को जानबूझ कर नहीं बोलने देना चाहते। (शोर एवं व्यवधान)

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि श्री ओमप्रकाश चौटाला ने बोलते हुए यह कहा कि आप अपने कान साफ करवा कर आया करो। कान साफ करवाने का मतलब यह है कि आपको सुनता नहीं है, आप बहरे हैं

[श्री एस०एस० सुरजेवाला]

इसीलिए आप नाइंसाफी कर रहे हैं। यह एक मुहावरा है किसी को कान साफ करवाने के लिए कहना अपमानजनक है। इनको सदन में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। दूसरी बात इन्होंने आपको एक और एस्पर्शन किया कि जब मैं बोलने के लिए खड़ा होता हूं तो आप सदस्यों को उकसाने के लिए इशारा करते हैं यह आप पर दूसरा इल्जाम इन्होंने लगाया। इसलिए या तो चौटाला जी इन दोनों बातों के लिए माफी मांगें वर्ना इनको सदन में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। इस मामले में मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आप बोलिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, तो अब क्या यह बात तय है कि मैं बोलूंगा। मैं महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर अपने विचार व्यक्त कर रहा था। गवर्नर के सारे अभिभाषण में विशेष रूप से कर्जा माफी को खासा विस्तार से चर्चित किया गया है। अध्यक्ष महोदय, जितने भी अर्थशास्त्रियों के विचार छपे हैं लोगों के जो ब्यानात आये हैं उससे अभी तक बड़ा भारी कंफ्यूजन है कि कितना कर्ज माफ हुआ है, किस क्षेत्र के लोगों का हुआ है? किन-किन लोगों को कितना फायदा पहुंचता है? हमारे मुख्य मंत्री जी इस वक्त सदन में नहीं हैं। गवर्नर महोदय के अभिभाषण में उल्लेख किया गया है कि 451 करोड़ रुपये का फायदा हरियाणा प्रदेश के किसानों को हुआ है। आज अखबार में मुख्यमंत्री जी का ब्यान छपा है कि 830 करोड़ रुपये का हरियाणा के किसानों को लाभ हुआ है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि (विघ्न)

वित्त मंत्री (चौधरी बीरेन्द्र सिंह) : अध्यक्ष महोदय, आज 830 करोड़ रुपये का किसानों का कोआपरेटिवज का ब्याज सरकार ने मुआफ किया है। 451 करोड़ रुपये का फायदा बैनिफिशरीज ने उठा लिया है (विघ्न)।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, एक ब्यान पहले छपा था कि 800 करोड़ रुपये का फायदा लोगों को मिला है और अब 30 करोड़ रुपये और बढ़ गया है। (विघ्न)

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : अखबारों में छापने वालों ने चाहे जो छाप दिया हो वह आथैंटिक नहीं होता है। आप इस बारे में सरकार का आथैंटिक रिकार्ड देखें। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : ये लोग शायद कभी अखबार पढ़ते ही नहीं हैं इसलिए इनको अखबारों में जो छपता है उसका पता ही नहीं लगता।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : 451 करोड़ रुपये का लाभ लोगों ने उठाया है (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अखबारों को हम इन्फर्मेशन का माध्यम मानते हैं। जो अखबार में छपा है इन्फर्मेशन के लिए उसको हम आधार मान सकते हैं और अखबारों में अलग-अलग फिगर्ज छपे हैं।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : जो हाउस की प्रोसीडिंग्ज हैं वे आथैंटिक हैं (विघ्न)।

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, अखबार के आधार पर हम सरकार से पूछ भी सकते हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : डॉ० साहब, आपके लीडर खड़े हुए हैं और आप बीच में खड़े होकर उनको इन्ट्रप्ट कर रहे हैं। (विघ्न) आप अपनी सीट पर बैठें। आपके लीडर खड़े हुए हैं, क्या आप जवाब देंगे। (विघ्न) अब आप बोलेंगे या आपके लीडर बोलेंगे। (विघ्न) क्या आप अब भाषण देंगे। आपके लीडर खड़े हुए हैं। (विघ्न) चौटाला साहब, आप की पार्टी के सदस्य खड़े हुए हैं और आपकी बात को इन्ट्रप्ट कर रहे हैं। मैं उनको आपके लिए बैठने के लिए कह रहा हूं। (विघ्न) मैं तो आपकी मदद ही कर रहा हूं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, आपका शुक्रिया। आप बहुत अच्छा काम कर रहे हैं (विघ्न) स्पीकर सर, मुख्यमंत्री जी का बयान अखबारों में छपा कि केन्द्र के फैसले से 10-11 लाख किसान परिवारों को इसका लाभ मिला है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भूमिहीन, सीमान्त किसान जिनके खाते हैं वे तीन लाख सात हजार हैं। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये हाउस को गुमराह कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, आप इनसे यह पूछें कि ये किस अखबार में छपा है। ये कौन से अखबार का जिक्र कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, ये हाउस को गुमराह करने के लिए अखबार का जिक्र कर रहे हैं। ये खुद भ्रष्टाचार की फसल रहे हैं। आप इनसे अखबार का नाम पूछें कि यह किस अखबार में छपा है। (विघ्न एवं शोर)

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं वर्चुअली हाउस को इनफोर्म करना चाहता हूं कि 60 हजार करोड़ रुपये का 4 करोड़ किसानों को फायदा हुआ है। खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे वाली बात यहां पर हो रही है और कई राजनैतिक दलों के गले यह बात नहीं उतर रही है। उनको समझ में नहीं आ रहा है कि वे इसकी तारीफ करें या इसकी आलोचना करें। श्रीमती सोनिया गांधी जी के नेतृत्व में इस सरकार ने जो अच्छे काम किये हैं इन लोगों को चाहिए कि वे उन कामों की खुल कर तारीफ करें। ये हमेशा से कहते रहे हैं कि ये किसानों के हितैषी हैं लेकिन माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो काम किसानों के लिए किये हैं 10-11 लाख किसान परिवारों को इससे फायदा हुआ है उसमें भी ये कौमा और फुल स्टॉप लगाने का प्रयास कर रहे हैं। यू०पी०ए० सरकार की यह मन्शा है कि हिन्दुस्तान की सरकार ने किसानों के हित में जो निर्णय लिये हैं उनके बारे में छोटी राजनीति न करें और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर उनकी तारीफ करें।

17.00 बजे

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। श्री मनमोहन सिंह जी आपकी पार्टी के प्रधान मंत्री हैं। उनकी आर्थिक सलाहकार समिति से आप पूछें कि इससे कितना फायदा किसानों को होगा।

श्री अध्यक्ष : डाक्टर साहब यह कोई डिबेट नहीं है आपका क्या प्वायंट आफ आर्डर है?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : श्री मनमोहन सिंह जी देश के प्रधान मंत्री हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : डाक्टर साहब, आपका क्या प्वायंट आफ आर्डर है?

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है कि मंत्री जी सदन को गुमराह कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये प्वायंट आफ आर्डर पर खड़े होते हैं तो आप इनको अलाऊ कर देते हैं और जब हमारी पार्टी के सदस्य प्वायंट आफ आर्डर पर बोलते हैं तो आप उनसे पूछते हैं कि क्या प्वायंट आफ आर्डर है। यह सही बात नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मैंने इनसे पूछा था और तभी उनको अलाऊ किया था। आप यहां पर बैठते हैं, आप अपनी आंखों और कानों का इस्तेमाल किया करें। आपके सदस्यों को भी बोलने के लिए अलाऊ किया जाता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आपका क्या प्वांयट आफ आर्डर है ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि चौटाला साहब के कान चैक करवाएं जाएं कि ये ठीक हैं कि नहीं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, अब ये किस तरह की बात कर रहे हैं। इनका तो पूरा हैड चैक करवाने वाला है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : फौजी साहब, आप बैठें। (शोर एवं व्यवधान) आप क्या बोलना चाहते हैं ?

श्री राम किशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैं तो आज आपकी फाखदिली का धन्यवाद करना चाहूंगा कि आज आपने सदन में एक नई बात की नींव रखी और विपक्ष के एक साथी को अध्यक्ष की कुर्सी पर बिठाया। (शोर एवं व्यवधान) इन्दौरा साहब को तो आपका धन्यवाद करना चाहिए जबकि अब ये सदन में इस तरह की बातें कर रहे है। (शोर एवं व्यवधान) इनके राज के समय में तो यहां पर विपक्ष को बोलने तक नहीं दिया जाता था। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय विपक्ष के सदस्य अपनी सीटों से उठ कर वैल में आकर खड़े होकर बोलने लग गए।)

श्री अध्यक्ष : आप सभी अपनी सीटों पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सीता राम : स्पीकर सर, इनका यह क्या प्वायंट आफ आर्डर है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय विपक्ष के सदस्यों को चाहिए कि वे अपनी सीटों पर आपकी अनुमति से बोलने के लिए खड़े हों। (शोर एवं व्यवधान) यह नहीं कि हर बात पर वैल के नजदीक आकर शोर करने लग जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप सभी अपनी सीटों पर बैठें। आपके नेता बोल रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, किसानों के सिर पर चढ़ा हुआ कर्जा माफ हो हमारे लिए इससे ज्यादा प्रसन्नता कोई और हो ही नहीं सकती है। लेकिन मैंने शुरू में भी बात कही थी कि इसमें बड़ा भारी कन्फयूजन है और इस बारे में अर्थशास्त्रियों की तरफ से निरन्तर छप रहा है यह इसलिए छप रहा है क्योंकि ये सारी चीजें क्लीयर नहीं हैं। इस बारे में यहां तक छपा है कि 60 हजार करोड़ में से 50 हजार करोड़ रुपये ऐसे हैं जो पहले ही बैंकों को चले गये थे। (शोर एवं व्यवधान) यह कोई तरीका है। यह क्यों बार-बार बीच में बोल रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, एक ऐतिहासिक फैसला भारत सरकार द्वारा लिया गया हैं अब इनके द्वारा लोगों को बरगलाने की कोशिश की जा रही है। आज ये यह कह रहे हैं कि वह बट्टे खाते का पैसा था। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य के द्वारा सदन को बहकाने की कोशिश कोई और नहीं हो सकती है। इन्हें कम से कम यहां पर जो लिखा है उसको देखना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय श्री ईश्वर सिंह पलाका, बलवन्त सिंह सढ़ौरा और डाक्टर सीता राम अपनी सीटों से उठकर वैल में आकर खड़े होकर बोलने लग गए।)

श्री अध्यक्ष : आप सभी अपनी सीटों पर जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : हम जब सदन में आते हैं तो सत्य बोलें। कम से कम अन्तरात्मा की आवाज से बोलें, हम सोच समझकर बोलें। देश की संसद के अन्दर, देश के वित्त मंत्री जी ने, देश के प्रधान मंत्री जी ने यह कहा, "चार करोड़ किसान जो कर्जे से दबे थे एक स्ट्राक आफ पैन के साथ श्रीमती सोनिया गांधी जी की सरकार ने उनको कर्जे से निजात दिलवाई।" (शोर एवं व्यवधान) अब ये यहां पर कहते हैं कि यह बट्टे खाते का पैसा था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ये जो भी बोल रहे हैं वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए।

डॉ० सीता राम : *********।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं इस विषय को छोड़कर दूसरे प्वायंट पर चलता हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रामफल चिड़ाना : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुनें (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चिड़ाना जी, आप भी अपनी सीट पर जाकर बैठें। (शोर एवं व्यवधान) साहिदा खान जी आपकी सीट कहां है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जो किसान के कर्जे की बात है, इस पर थोड़ा सा विचार किया जाए कि किसान कर्जा लेने पर मजबूर क्यों हुआ है। अगर किसान

*चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

को उसकी खेती की सारी सुविधाएं प्रदान की जाएं, अगर किसान को पूरा पानी दिया जाए, पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध हो, सबसिडाइज्ड रेट पर खाद मिले, अच्छे बीज मिलें, उसको लाभप्रद मूल्य मिलें तो इस कृषि प्रधान देश का कृषक कर्जा लेने के बजाए कर्जा देने की स्थिति में भी हो सकता है। फिर भी यदि कर्जा माफ किया जाए और उसमें यदि शर्तें लगायी जाएं छोटे किसान की या बड़े किसान की तो ठीक नहीं है। समूचे राष्ट्र के स्तर पर सीलिंग एक्ट के तहत 17 एकड़ से ज्यादा जमीन कोई नहीं रख सकता। इसमें छोटे बड़े की बात नहीं होनी चाहिए।

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात ठीक ढंग से कह रहा हूं। कोई आपत्तिजनक बात नहीं आ रही है फिर भी ये बार बार क्यों मुझे टोक रहे हैं ?

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, आपकी मेज पर जो काली पट्टी है वह आप किस लिए लाए हैं?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : काली पट्टी नहीं है बल्कि यह तो ऐनक साफ करने के लिए है क्या आपको यह चाहिए ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा। उन्होंने एक वाजिब बात कही कि किसान कर्जा लेने पर मजबूर क्यों हुआ है। अध्यक्ष महोदय, आप खुद किसान हैं। आप जानते हैं कि ये पांच सालों तक केन्द्र सरकार का समर्थन करते रहे लेकिन उस सरकार ने गेहूं का रेट केवल चालीस रुपये बढ़ाया। उस समय 370 रुपये प्रति क्विंटल केन्द्र सरकार ने कनक का रेट दिया। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, क्या यह प्वायंट आफ आर्डर है ?

Mr. Speaker : The Parliamentary Affairs Minister or any Minister can clarify his stand at any time. My ruling is that he can clarify his stand any time. वे क्लैरीफाई कर रहे हैं। एक आनरेबल मैम्बर ने एक बात कही है और उसको वे क्लैरीफाई कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : ये बार-बार इंट्रप्ट क्यों कर रहे हैं?

श्री अध्यक्ष : वे अपना स्टैंड क्लीयर कर रहे हैं?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, मैं अपनी बात कहने के लिए खड़ा हूं लेकिन ये फिर भी मुझे बोलने नहीं दे रहे हैं। (Interruptions) He has yielded and gave me time. Mr. Speaker Sir, when I requested you, Shri Om Parkash Chautala, yielded and sat on his seat. He has yielded to me more than once. मैं कोई भी एसपर्सन माननीय सदस्य पर नहीं कर रहा हूं।

डॉ० सीता राम : स्पीकर साहब, ये बार-बार की इंट्रप्शन नहीं होनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष : डॉ० साहब, आप खुद अपनी बात से हाउस को गुमराह कर रहे हैं। जब से हाउस बना है तब से बजट सैशन की हाउस की 17 सिटिंग्ज़ नहीं हुई हैं। अगर ऐसा हुआ हो तो आप दिखा दो। टोटल सिटिंग्ज़ तो हुई हैं लेकिन बजट सैशन की इतनी सिटिंग्ज़ नहीं हुई हैं। अगर ऐसा हुआ है तो आप दिखा दो।

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर साहब, मैं आपको बताना चाहूंगा कि from 28th February, 1978 to 30th March, 1978 तक बहुत सिटिंग्ज़ हुई हैं।

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : स्पीकर साहब, ये वर्ष 2000 की बात करें। इनको अपने टाईम की बात करनी चाहिए। ये 1978 की फालतू बात कर रहे हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : डॉ० साहब, मैं आपको बताना चाहूंगा कि वर्ष 2000 में बजट सैशन की 8 सिटिंग्ज़ हुई हैं, 2001 में 11 सिटिंग्ज़ हुई हैं, 2002 में 11 सिटिंग्ज़ हुई हैं, 2003 में 9 सिटिंग्ज़ हुई हैं और 2004 में 8 सिटिंग्ज़ हुई हैं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कहना चाहूंगा the Hon'ble Member had yielded. The Hon'ble Member had sat down when I was on legs. When Dr. Sita Ram and his friends intervened उस समय मैं यह बता रहा था कि माननीय सदस्य ने यह कहा कि किसान कर्जे के बोझ के नीचे दबा क्यों, वह इसलिए क्योंकि प्रैडिसैसर सरकारों ने किसान के जिंस के रेट और मार्किट के रेट की देखरेख नहीं की। जब हरियाणा प्रदेश में इनकी पार्टी की सरकार थी तब दिल्ली में एन०डी०ए० की सरकार थी। उस वक्त पांच साल के शासन काल में गेहूं के दाम मात्र 40 रुपये बढ़े थे और हमारे चार वर्ष के समय में 370 रुपये की बढ़ौतरी गेहूं के रेट में हुई है। यह एक नया रिकार्ड कायम किया गया है। इस प्रकार से किसान की सेवा की जाती है। (Interruptions) I am on a point of order and the Hon'ble Member has yielded to me.

डॉ० सुशील इन्दौरा : तब से महंगाई भी 20 गुना और 30 गुना बढ़ गई है। हर चीज के रेट बढ़ गए हैं। आटा 15 रुपये किलो हो गया है।

चौधरी अर्जन सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : अर्जुन सिंह जी, आप प्वायंट आफ आर्डर पर अपनी बात कहें।

चौधरी अर्जन सिंह : मेरी तो परम पिता परमात्मा से प्रार्थना है कि इन साथियों को सद्बुद्धि दे। ये स्वयं तो कुछ अच्छा करने की मंशा नहीं रखते लेकिन यदि कोई अच्छा काम करे तो कम से कम उसकी पीठ तो थपथपा सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

सदस्य का नाम लेना

श्री रामफल चिड़ाना : अध्यक्ष महोदय, *********

Mr. Speaker : Mr. Ram Phal Chirana, I warn you. Please take your seat. Please maintain the dignity and decorum of the House. (Interruptions) Nothing is to be recorded.

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

श्री राम फल चिड़ाना : स्पीकर साहब, *********

श्री अध्यक्ष : चिड़ाना जी की कोई बात रिकार्ड न की जाए। चिड़ाना साहब, आप कृपया बैठ जाएं।

श्री राम फल चिड़ाना : स्पीकर साहब, *********

श्री अध्यक्ष : चिड़ाना साहब, आप कृपया बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम फल चिड़ाना : स्पीकर साहब, *********

Mr Speaker : Chirana Sahib, I again warn you. (Interruptions) Please take your seat.

श्री राम फल चिड़ाना : स्पीकर साहब, *********

(At this stage, Shri Ram Phal Chirana did not resume his seat and continued speaking.)

Mr. Speaker : I name Shri Ram Phal Chirana. He may please leave the House. (Interruptions) Nothing is to be recorded.

श्री राम फल चिड़ाना : स्पीकर साहब, *********

(At this stage, Shri Ram Phal Chirana continued raising slogans and did not withdrew from the House.)

Mr. Speaker : Mr. Chirana, you have been named. You may please leave the House.

श्री राम फल चिड़ाना : स्पीकर साहब, *********

(At this stage, Shri Ram Phal Chirana continued raising slogans and did not withdrew from the House.) (Noise and interruptions)

Mr. Speaker : Marshal take him out of the House.

(At this stage, Sargeant-at-Arms with the aid of the Watch and Ward staff took Shri Ram Phal Chirana out of the House.)

वाक-आउट

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपने हमारे एक सदस्य को नेम किया है इसलिए हम इसके विरोध में वाक-आउट करते हैं।*******

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, *******

श्री अध्यक्ष : ये जो कुछ कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

(इस समय इंडियन नेशनल लोकदल के सदन में उपस्थिति सदस्य सदन से वाक-आउट कर गए)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

चौधरी अर्जन सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि वे साथी पूछ रहे थे कि ये कर्ज क्या है। अध्यक्ष महोदय, ये कर्ज इनकी देन है। खुद तो ये कहते थे कि फूलों की खेती करो। ऐसी चीजों की खेती करो कि जिसको कोई न ले। पापुलर के पौधे लगवाए और उसके रेट 600 से 150 रुपये कर दिया। गेहूं के रेट कम कर दिए। आज अगर सरकार किसानों का अच्छा सोच रही है तो इन माननीय सदस्यों को दर्द हो रहा है और इनको यह बात सहन नहीं हो रही है जबकि ये लोग अपने आपको किसानों का हितैषी और हमदर्द समझते हैं। चुपचाप रह कर ये सरकार की पीठ तो थपथपा सकते हैं।

सदस्य का निलम्बन

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, आज मैं बड़े दुखी मन से इस सदन में खड़ा हुआ हूं। जिस प्रकार की परम्परा श्री ओमप्रकाश चौटाला जी और उनकी पार्टी के सदस्य इस सदन के अन्दर डाल रहे हैं, वह गलत है। इस सदन में आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ। मैं भी दूसरी बार इस सदन का सदस्य चुनकर आया हूं। अध्यक्ष महोदय, आप तो मुझ से काफी सीनियर सदस्य हैं और कई अन्य सीनियर सदस्य यहां पर बैठे हुए हैं। आज इण्डियन नैशनल लोकदल के साथी हमारे बहुजन समाज पार्टी के सम्मानित सदस्य जो पिछड़े वर्ग से आते हैं उनके साथ हाथापाई की नौबत पर उतर आये। अध्यक्ष महोदय, जैसे मैंने बताया कि आज इन लोगों की हालत खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे वाली हो रही है। सरकार ने 60 हजार करोड़ रुपये का किसानों का कर्जा माफ करके करीब चार करोड़ किसानों को फायदा पहुंचाया है जिसके कारण अब ये लोग किसी मुद्दे की तलाश कर रहे हैं। जब तक चौटाला साहब इस सदन में नहीं आये थे तब तक यह सदन बहुत अच्छे तरीके से चल रहा था। उनकी पार्टी के सम्मानित सदस्य भी आराम से बैठे थे और अपनी बात कह रहे थे और आप भी सभी सदस्यों को बोलने के लिए खुला समय दे रहे थे। अध्यक्ष महोदय, पहली बार इतना लम्बा सत्र बुलाकर आपने एक नई परिपाटी और परम्परा इस सदन में स्थापित की है। अध्यक्ष महोदय, गाली-गलौच की भाषा इस्तेमाल करना और बहुजन समाज पार्टी के माननीय सदस्य की तरफ शारीरिक तौर पर हानि पहुंचाने के लिए दौड़ना गम्भीर अनुशासनहीनता है। अध्यक्ष महोदय, आपकी अनुमति से मैं इस हाउस से अपील करता हूं कि श्री ओम प्रकाश चौटाला जी और उनकी पार्टी के सदस्यों का जिस प्रकार का दुर्व्यवहार था, जिस तरीके से उन्होंने सदन की कार्यवाही में बाधा डाल कर संसदीय प्रणाली का हनन किया है यह हाउस यूनानीमैसली उनके इस व्यवहार को कन्डम करे।

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : अध्यक्ष महोदय, मैं केवल एक ही बात कहता हूं। आज जिस प्रकार की घटना हाउस में हुई है, वह निंदनीय है। मैं पिछले 18-19 सालों से इस सदन का सदस्य हूं मैंने पहले कभी भी किसी सदस्य के साथ ऐसा दुर्व्यवहार नहीं देखा। जिस प्रकार आज इनेलो के सदस्य श्री रामफल चिड़ाना ने बहुजन समाज पार्टी के सदस्य को एसाल्ट करने की कोशिश की है यह बहुत बुरी बात है। इस सदन को इस घटना को सीरियसली लेना चाहिए और ऐसे सदस्य के खिलाफ प्रिविलेज मोशन लाना चाहिए। इस प्रकार से किसी माननीय सदस्य की आवाज को दबाना जो तरीके से अपनी बात कह रहा है, ठीक नहीं है। आज जिस प्रकार का व्यवहार उन्होंने किया है उसकी इस सदन को निन्दा

[कैप्टन अजय सिंह यादव]
करनी चाहिए। जिस प्रकार से श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला जी ने कहा है वह ठीक है इस तरह से अगर आप लाईटली छोड़ देंगे तो अच्छी बात नहीं होगी।

श्री नरेश मलिक : अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद। जब से हम इस हाउस के मैम्बर बन कर आये हैं ऐसा कभी नहीं हुआ जो आज हुआ है। इण्डियन नेशनल लोकदल के हमारे साथियों ने जो माहौल यहां बनाया है, वह निंदनीय है। मैंने तो अध्यक्ष जी और पार्लियामैंटरी एफेयर्स मिनिस्टर महोदय से अनुरोध किया कि इनेलो के लोगों को बोलने दो। लेकिन इनकी आदत बन चुकी है कि ऐसा माहौल बनाकर इस हाउस से भागना कैसे है। आज इन्होंने इस हाउस को कैसा बना दिया। आज एक माननीय सदस्य के साथ हाथापाई करने पर उतर आए। इस सदन के लिए यह कोई छोटी बात नहीं है। इस तरह की परम्परा अगर चल पड़ी तो हमारा हाउस भी यू०पी० की तरह बन जायेगा। आज हाथापाई हुई है कल माईक भी चलेंगे। मेरा निवेदन है कि ऐसे सदस्यों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करनी चाहिए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, आपकी अनुमति से और भारतीय जनता पार्टी के हमारे साथी और कैप्टन अजय सिंह यादव ने और दूसरे साथियों ने जैसा कहा कि आज तक हरियाणा विधान सभा के सत्र के दौरान ऐसा कभी नहीं हुआ कि किसी माननीय सदस्य पर दूसरी पार्टी के किसी सदस्य ने शारीरिक हमला करने की कोशिश की हो। अगर जौनपुरिया जी, मान साहब, प्रो० छत्रपाल सिंह और कैप्टन अजय सिंह यादव जी बीच में इन्टरवीन नहीं करते तो शारीरिक हमले में नुकसान पहुंचाने की कोशिश होती और अनर्गल भाषा का इस्तेमाल किया गया होता। सदस्य के ऐसे आचरण के लिए श्री रामफल चिड़ाना जी को कम से कम इस पूरे सत्र के लिए सस्पैंड किया जाए।

श्री अध्यक्ष : ठीक है।

Parliamentary Affairs Minister (Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, I beg to move—

> That Shri Ram Phal Chirana, M.L.A. be suspended from the service of this House for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House for the remainder of the present House.

Mr. Speaker : Motion moved—

> That Shri Ram Phal Chirana, M.L.A. be suspended from the service of this House for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and his grossly disorderly conduct in the House for the remainder of the present House.

Mr. Speaker : Question is—

> That Shri Ram Phal Chirana, M.L.A. be suspended from the service of this House for his misconduct, most irresponsible behaviour,

un-becoming of the member of this august House and his grossly, disorderly conduct in the House for the remainder of the present House.

The motion was carried.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : फूल चन्द मुलाना जी, अब आप गवर्नर एड्रस पर बोलें।

श्री फूलचन्द मुलाना (मुलाना) (एस.सी.) : माननीय अध्यक्ष महोदय, जो प्रस्ताव सदन के सामने आया है, राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण सदन में दिया है मैं उस प्रस्ताव का अनुमोदन करता हूं। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले राज्यपाल महोदय ने इस बात की तारीफ की कि आपने सदन को नया रूप दिया है और इसका कायाकल्प किया है, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

श्री अध्यक्ष : धन्यवाद।

श्री फूलचन्द मुलाना : यह सदन हरियाणा की जनता का एक बहुत ही महत्वपूर्ण सदन है जिसमें लोग अपने प्रतिनिधि चुनकर भेजते हैं। दूसरी बात राज्यपाल महोदय ने जिस बात की चर्चा की वह यह है कि देश के किसानों का जो ऋण माफ किया गया है यह एक ऐतिहासिक कदम है **(इस समय सभापतियों की सूची में से एक माननीय सदस्य आई०जी० शेर सिंह पदासीन हुए)** सभापति महोदय, मैं अभी सुन रहा था लोकदल के एक नेता बोल रहे थे कि यह स्पष्ट नहीं है कि किसका ऋण माफ हुआ है जबकि वे भली भांति समझते हैं कि किसका ऋण माफ किया है और कितना ऋण माफ किया है और किन-किन लोगों का ऋण माफ किया है। उनके पास कोई मुद्दा नहीं है, कोई जवाब नहीं है कि क्या जवाब दें, जनता के सामने कैसे जाएं। कई-कई साल सत्ता में रहे, लोगों को धोखा देते रहे और कभी कह दिया कि 'ऐ किसानों, तुम बिल न भरना, मैं मुख्यमंत्री बनूंगा तो सारे ऋण माफ कर दूंगा।' किसी ने पूछा कि साहब कैसे ऋण माफ कर दोगे तो वे कहने लगे कि रिजर्व बैंक नोट छापता है उसका गवर्नर करण सिंह दलाल को लगा दूंगा और नोट छापने की मशीन ले आऊंगा और एक-एक दिन सारे गांव वाले नोट छाप लियो।

श्री सभापति : मुलाना जी, अगर किसी का गांव बड़ा हो तो।

श्री फूलचन्द मुलाना : सभापति महोदय, मान साहब जैसे किसी सयाने ने कह दिया कि 'दलाल साहब हमारा गांव थोड़ा बड़ा है' तो उन्होंने उसको कह दिया कि 'तू दो दिन छाप लियो।'

प्रो० छत्तरपाल सिंह : सभापति महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है, जिन लोगों ने नोट छापने की बात की थी, मुलाना साहब ने एज एग्जाम्पल करण सिंह दलाल और तेजेन्द्रपाल सिंह मान के नाम कोड किये हैं मैं इनको कहना चाहता हूं कि यदि वे सच्ची बात करते हैं तो एक आध चुटकला उसमें नकली न डालें क्योंकि इससे बात की गम्भीरता खत्म हो जाएगी। करण सिंह दलाल और मान साहब ये दोनों उनकी पार्टी के जलसे में कभी खड़े

[प्रो० छत्तरपाल सिंह]

नहीं हुए। चौधरी देवीलाल जो आज दुनिया में नहीं है वे उन्हीं लोगों में से किसी का नाम लेते थे जो जलसे में उनके पक्के आदमी बैठे होते थे। उसी में से किसी को कहते थे क्यों भई फलाना तू बता और उससे पब्लिक में अपनी बात की हां भरवा कर उस पर पब्लिक की मोहर लगवाते थे और जो वहां पर भोले भाले किसान बैठे होते थे, उनको उस बात का यकीन हो जाता था कि जो बात कही गई है उसको नीचे बैठे आदमी ने स्पोर्ट किया है तो यह बात बिल्कुल सही बात होगी। इस तरह चौधरी देवी लाल का सिक्का चल जाता था। इसलिए मैं मुलाना जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि जो लोग उनकी पोलटिक्स के सख्त खिलाफ रहे हैं उनका नाम लेकर वे उदाहरण कोड न करें।

श्री फूलचंद मुलाना : सभापति महोदय, मेरे साथी यह नहीं जानते कि उनके जो आदमी थे उनका यही नाम था। इनको पूरा नहीं पता है। सभापति महोदय, उनके बाद उनकी विरासत उनके पुत्र को मिल गई। उन्होंने सोचा कि मेरे बाप ने लोगों को बहकाकर सत्ता हासिल की थी, क्यों न मैं भी ऐसा ही कर लूं। उन्होंने लोगों को कहा कि 'ऐ लोगो तुम बिजली के बिल मत भरो। जब मेरी सरकार बनेगी तब मैं तुम्हारे बिजली के बिल माफ कर दूंगा। मेरी सरकार बनने पर न मीटर होगा और न ही मीटर रीडर होगा। बिजली आयेगी और बिजली का बिल नहीं आयेगा।' लोग उनके बहकावे में आ गये और बिजली के बिल नहीं भरे। एक-एक गांव का बिजली का बिल करोड़ों रुपये हो गया। जब उन लोगों को सत्ता मिल गई तो किसानों ने आंदोलन किया और कहा कि मुख्यमंत्री जी सुन लीजिए यह कैसेट रही, इसमें आपका बयान है कि मैं बिजली के बिल माफ कर दूंगा। सभापति महोदय, बिजली के बिल माफ करना तो दूर की बात, उन्होंने लोगों पर गोलियां चलवा दीं और 9 किसानों को गोलियों से भुनवा दिया तथा सैंकड़ों को घायल करवा दिया आज वे लोग सोनिया गांधी जी के बारे में बात करते हैं जिनकी सरकार ने 60 हजार करोड़ रुपये के किसानों के कर्जे माफ किए हैं।

श्री सभापति : मुलाना जी, आप बिल्कुल सही बात बोल रहे हैं। जहां पर गोलियां चली थी वहां पर स्मारक बना हुआ है और मैं वहां पर गया था।

श्री फूल चन्द मुलाना : सभापति महोदय, आज के दिन इन लोगों के पास कोई मुद्दा नहीं है। ये केवल कन्फयूज करने की चेष्टा करते हैं। मुझे यह देख कर बड़ी हैरानी हुई कि इनकी पार्टी के सदस्य सदन की कार्यवाही में विघ्न डाल रहे थे और हल्ला मचा रहे थे जिससे सदन में बहुत ज्यादती और डिस्टर्बैंस हो रही थी लेकिन उनके नेता आराम से बैठे हुए थे। बिल्कुल हिल भी नहीं रहे थे और न ही कुछ सुन रहे थे। इसका मतलब हुआ कि वे अपने साथियों को प्रोत्साहन कर रहे थे कि वे सदन में इस प्रकार की कार्यवाही करें जिससे सदन की मर्यादाएं भंग हों। इससे जाहिर होता है कि वे तो यह सोचकर सदन में आये थे कि उन्हें बाहर जाना है क्योंकि इनके पास कोई मुद्दा नहीं है। अब उलझा रहे हैं, कहते हैं यूं लिखा है कि 451 करोड़ रुपये के कर्जे माफ हुए हैं, अरे हम कह रहे हैं पढ़ने की चेष्टा कीजिए, पढ़ते तो हैं नहीं क्योंकि ये पढ़े लिखे नहीं हैं। हम कहते हैं कि सब लाभ उठाते तो 830 करोड़ रुपये का लाभ किसानों को होता और अब तक 451 करोड़ रुपये का लाभ किसान उठा चुके हैं, बाकी भी उठा सकते हैं। सभापति महोदय, इनकी पार्टी देश में ऐसी पार्टी है

जिसका काम लोगों को गुमराह करना है। मैं हमेशा जन सभाओं में यह बात कहता हूं कि अगर आप लोग राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस का समर्थन करते हैं, उसको मजबूत करते हैं तो देश मजबूत होता है, देश का हर व्यक्ति मजबूत होता है और अगर आप बापू बेटे वाली पार्टियों को मजबूत करते हैं तो इन जैसे लोग पलकर तैयार होते हैं और आम आदमी और देश का पिंजर बन जाता है। इसलिए रीजनल पार्टियों का कोई महत्व नहीं है। क्योंकि वे अपने भले के अलावा और किसी का भला नहीं कर सकतीं। सभापति महोदय, केन्द्र की सरकार ने यह जो कर्जा माफी का निर्णय लिया है यह एक ऐतिहासिक निर्णय है। यही कारण है कि आज किसान भाई खुशी से फूले नहीं समा रहे। कल दिल्ली के अंदर बहुत भारी आयोजन था। लाखों लोग हरियाणा से पगड़ियां बांधकर उसमें गये थे और प्रधान मंत्री जी का तथा सोनिया गांधी जी का धन्यवाद करके आये। आज पूरा देश उनका धन्यवाद कर रहा है। इसके साथ-साथ उन्हें एक काम और करना चाहिए था जो नहीं किया गया। मेरा अनुरोध तो हमारी राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी जी से यही है कि उन लोगों का कर्जा माफ होगा जिनके पास थोड़ी बहुत जमीन है और जो कर्जे में दबे हुए हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे हैं जो कर्जे में दबे हुए हैं और उनके पास जमीन नहीं है। जो बेजमीन हैं और उन भूमिहीन लोगों ने भी कर्जा ले रखा है। उनके द्वारा लिए गए ज्यादातर कर्जे छोटे-छोटे हैं। उनमें से कोई भी कर्जा 10 हजार रुपए से ज्यादा नहीं है। कोई कर्जा घोड़ा-गाड़ी का है, कोई रिक्शा का है, कोई रेहड़ा का है और कोई भैंस का है। हम चाहेंगे कि इस प्रकार के छोटे-छोटे कर्जों को भी समयबद्ध तरीके से कर्जा माफी स्कीम में शामिल किया जाना चाहिए। सभापति महोदय, हमारे हरियाणा प्रान्त में पर-कैपिटा इन्कम भी बढ़ी है इसमें हमारे मुख्यमंत्री और उनकी सरकार का पूरा योगदान है। आज हरियाणा प्रदेश का जो बजट पेश होने जा रहा है वह 6600 करोड़ रुपये का है। जो पुरानी सरकार थी वह सरकार 2200 करोड़ रुपए के बजट में से 1600 करोड़ रुपये भी खर्च नहीं कर पाई थीं। विपक्ष के साथियों को इस बात के लिए मौजूदा सरकार की तारीफ करनी चाहिए कि हरियाणा प्रदेश का बजट बढ़ने जा रहा है। सभापति महोदय, आज बड़े स्तर पर हरियाणा प्रदेश की भलाई की बात होने जा रही है। जिस प्रकार से डिवैल्पमैंट का दौर वर्तमान समय में हरियाणा प्रदेश में चल रहा है ऐसा इससे पहले कभी नहीं हुआ। सभापति जी, आज गांवों और शहरों के विकास के लिए जितना पैसा इस सरकार ने दिया है उतना पैसा इससे पहले कभी किसी दूसरी सरकार के समय में नहीं दिया गया। गांवों और शहरों में हम बड़े स्तर पर गलियां, सड़कें और नालियां बना रहे हैं। इसके साथ ही साथ इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि गलियों, नालियों और सड़कों की सफाई के लिए 11 हजार सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति भी वर्तमान सरकार द्वारा की गई है। यह काबिले तारीफ है क्योंकि इससे गरीब आदमी को रोजगार भी मिला है। माननीय सभापति जी, वर्ष 2004-05 और 2008-09 के दौरान जो बजट वित्त मंत्री महोदय पास करने जा रहे हैं उसमें 4-5 गुणा वृद्धि हुई है। किसान के वैलफेयर के जो काम मौजूदा सरकार ने किए हैं उनकी जितनी तारीफ की जाये वह कम है। पहले 1600 करोड़ के बिजली के बिल इस सरकार द्वारा माफ किए गए। पहली सरकारें चर्चा किया करती थी कि हम बिजली के बिल माफ करेंगे लेकिन ये बिल इस सरकार ने माफ किए हैं। ये लोग बिलों की माफी पर भी नुक्ताचीनी करते हैं और कहते हैं कि किसी को भी लाभ नहीं हुआ। सभापति महोदय, यह कैसे हो सकता है कि 1600 करोड़ रुपये में से

[श्री फूल चन्द मुलाना]

किसी को कोई लाभ नहीं हुआ हो । हमें कोई भी व्यक्ति यह कहने नहीं आया कि मुझे लाभ नहीं हुआ । हमें पता है कि बहुत सारे लोगों को इस स्कीम से लाभ हुआ है । सभापति जी, हम जो चर्चा कर रहे थे कि 830 करोड़ रुपये के जो कोआपरेटिव बैंक के लोन थे उन पर ब्याज माफ हुआ है जिससे 451 करोड़ रुपये का लाभ लोगों को हो चुका है । इस बारे में वित्त मंत्री जी ने पहले ही क्लैरीफाई कर दिया है । सभापति जी, किसान से संबंधित कुछ सुझाव हैं जो कि मैं माननीय कृषि मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहूंगा । एग्रीकल्चर इम्पलीमैंट्स पर हमारी सरकार सबसिडी देती है लेकिन वह सबसिडी थोड़े से लोगों को ही मिलती है । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय कृषि मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि वे एग्रीकल्चर इम्पलीमैंट्स पर जो सबसिडी देते हैं इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं । इसके साथ-साथ मैं एक बात यह भी उनके ध्यान में लाना चाहूंगा कि सभी किसानों को यह सबसिडी नहीं मिल पाती । दूसरी बात इस सबसिडी की राशि बहुत कम है । इसके अलावा यह सबसिडी लाटरी के द्वारा दी जाती है यानि जिसका नम्बर लग गया उसको दे दिया । इस बारे में मैं यह सुझाव देना चाहूंगा कि प्रत्येक किसान जो भी खेती-बाड़ी के औजार खरीदता है उन सभी को सबसिडी दी जानी चाहिए । इसके अतिरिक्त हम सर्टीफाईड बीज पर भी सबसिडी देते हैं लेकिन समय पर सर्टीफाईड बीज सरकारी दुकान पर उपलब्ध नहीं होता और जब हम उसको प्राईवेट दुकान से खरीदते हैं तो उस पर सबसिडी नहीं मिलती । इसलिए वह सबसिडी या तो उसको भी दे दी जाये जो प्राईवेट दुकान से खरीदता है नहीं तो समय पर वह सर्टीफाईड बीज सरकारी दुकान पर भी उपलब्ध होना चाहिए । सन-फ्लावर का और ढैंचा का बीज भी समय पर सरकारी दुकान पर उपलब्ध नहीं होता । यह भी समय पर मिलना चाहिए । इसके बाद आपके प्रान्त में खाद्यान्न का उत्पादन भी बढ़ा है । एक समय था जब खेती योग्य बहुत सारी जमीन थी लेकिन पैदावार कुछ भी नहीं होती थी और अनाज बाहर से मंगवाना पड़ता था । लेकिन आज खेती के लायक जमीन कम है इसके बावजूद भी हमारा उत्पादन बढ़ा है । आज हम अनाज बाहर भेजते हैं इसके लिए हमारी सरकार और हमारा किसान दोनों बधाई के पात्र हैं । आपका एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड सड़कें भी बना रहा है, मंडियां भी बना रहा है तो इससे बड़ा भारी लाभ हमारी हरियाणा की जनता को दिन-पर-दिन हो रहा है ।

श्री सभापति : मुलाना साहब, मैं तो यहां तक कहूंगा कि एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड के माध्यम से इस समय जितनी सड़कें बन रही हैं उतनी पिछले पांच साल में भी नहीं बनी ।

श्री फूलचन्द मुलाना : सभापति महोदय, एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड ने नई सड़कें तो बनाई हैं लेकिन जो पुरानी बनी हुई सड़कें हैं उनकी मुरम्मत नहीं हो रही है । उनकी मुरम्मत बहुत जल्दी करवाई जानी चाहिए क्योंकि उन पर भी लोग चलते हैं ।

श्री सभापति : वह एग्रीकल्चर मिनिस्टर और चेयरमैन साहब ने नोट कर लिया है और जल्द ही उनकी मुरम्मत भी हो जायेगी ।

श्री फूलचन्द मुलाना : सभापति महोदय, हमारी सिंचाई की बहुत सारी स्कीमें चल रही हैं सतलुज यमुना लिंक नहर का मामला तो अभी कोर्ट में लम्बित है लेकिन फिर भी कार्यवाही जारी है और हमारी सरकार की यह वचनबद्धता है कि हम जल्दी ही यह पानी

हरियाणा की जनता को देंगे। आपकी हांसी ब्रांच, बुटाना ब्रांच, दादूपुर नलवी प्रोजैक्ट और जैसे कौशल्या डैम और दूसरे बहुत सारे ऐसे प्रोजैक्ट हैं जो सिंचाई के सैक्टर में हमारी मदद कर रहे हैं। पीने के पानी का जहां तक ताल्लुक है, मैं याद दिलाना चाहूंगा कि पिछली सरकार के समय में एक-एक टूंटी के लिए लोग तरस जाते थे। हम लोग मांग करते थे लेकिन एक टूंटी नहीं लगती थी और इस सरकार ने सैंकड़ों ट्यूबवैल नये लगाये हैं। सैंकड़ों ट्यूबवैलों के साथ-साथ पाईपलाईन बिछाई गई है। कुछ जगह तो ट्यूबवैल चालू हो गये लेकिन कुछ जगह अभी तक चालू नहीं हो पाये हैं। बिजली विभाग को भी थोड़ा सा सहयोग देना चाहिए। बहुत सारे ट्यूबवैल ऐसे पड़े हैं जहां पर बिजली के कनैक्शन नहीं दिये गये हैं। सभापति महोदय, आप तो गांवों से आते हैं। आपको तो पता ही होगा कि यदि किसी बोर को छः महीने के लिए छोड़ दिया जाये तो उसके पाईप धर जाते हैं। यहां तो ऐसे-ऐसे ट्यूबवैल हैं जो कि 8-8 महीने से पड़े हैं लेकिन उनको एनर्जाईज़ नहीं किया जा सका। उनको एनर्जाईज़ करने की आवश्यकता है। पाईपलाईन और बिछाने की आवश्यकता है। ढाणियों तक भी पानी की सप्लाई पहुंचाने की आवश्यकता है। मैं चाहूंगा कि हमारी सरकार को इस ओर पूरा ध्यान देना चाहिए। बिजली के सैक्टर में मांग बढ़ रही है। पहले गांवों में ए०सी० नहीं होते थे लेकिन अब ए०सी० हैं। इस मामले में इस सरकार की वचनबद्धता जगजाहिर है। कितने साल से कोई बिजली का कारखाना नहीं लगा। हमें याद है कि बहुत पुराने समय में पानीपत में थर्मल प्लांट लगा था या 5 मैगावाट का दादूपुर में लगा था। उसके बाद कोई बिजली का कारखाना हरियाणा में नहीं लगा। आज यमुनानगर का प्लांट समयबद्ध तरीके से समय से पहले 300 मैगावाट बिजली दे रहा है। 300 मैगावाट अगले कुछ दिनों में देगा। 600 मैगावाट का कारखाना तैयार है। खेदड़ का प्रोजैक्ट अगले साल नवम्बर में तथा झाड़ली का प्रोजैक्ट 2010 तक बनकर तैयार हो जायेगा। बिजली की समस्या का समाधान होगा तो तभी प्रदेश में बड़े-बड़े उद्योग और कारखाने लगेंगे। यह सरकार इसके लिए प्रयासरत है लेकिन मैं हमारे बिजली के अधिकारियों के बारे में एक बात कहना चाहूंगा कि हमारे कई-कई एम०डीज० बन गये हैं उनको आपस में तालमेल रखना चाहिए। उस तालमेल के आधार पर ही जितनी बिजली उपलब्ध है उसकी सप्लाई समय पर दें। आज पता नहीं कि कब कहां पर पावर कट लग जाए। यह हमारी जनता के लिए बहुत दुखदायी है। कोशिश हो रही है। बिजली बाहर से भी खरीदी जाए। बिजली मंत्री जी बता रहे थे कि हम 8-8 रुपये युनिट के हिसाब से भी बिजली खरीदने को तैयार हैं लेकिन बिजली कहीं से मिलती नहीं है। वादा कर लेते हैं और उससे ज्यादा रेट जहां से मिलते हैं वहां पर बेच देते हैं। प्रयास जारी हैं लेकिन सभापति महोदय, आपको इस बात की पूर्ण जानकारी है कि बिजली की उपलब्धता पर ही सरकार की छवि निर्भर करती है। बिजली पानी समय पर मिलना परम आवश्यक है। सभापति महोदय, नई सड़कों के बारे में मार्कीटिंग बोर्ड का जिक्र आया कि उसने कई नई सड़कें बनाई तथा पी०डब्ल्यू०डी० ने भी कई नई सड़कें बनाईं तथा बहुत सारे पुलों के निर्माण की भी बात आई। अगर पुरानी सरकारों को याद करें तो उन सरकारों के समय में न तो नई सड़कें बनीं और न ही पुरानी बनी हुई सड़कों की मुरम्मत का कार्य ही हुआ लेकिन हमारी वर्तमान सरकार आने के बाद नई सड़कों का निर्माण हुआ तथा पी०एम०जी०एस० योजना के तहत सड़कों को चौड़ा करने का कार्य भी जारी है।

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : सभापति महोदय, मैं आपकी इजाजत से एक बात कहना चाहता हूं। अभी माननीय साथी ने सड़कों तथा आर०ओ०बीज़ के बारे में कहा है। सभापति महोदय, हरियाणा राज्य बनने से लेकर वर्ष 2005 तक हरियाणा में कुल 17 आर०ओ०बीज़ बने थे जबकि पिछले तीन साल के अरसे में 25 आर०ओ०बीज का काम चल रहा है।

Mr. Chairperson : That gives the credit to the Government and Minister concerned.

श्री फूल चन्द मुलाना : सभापति महोदय, लोगों को इम्पलॉयमैंट देने की ओर भी बहुत काम हो रहा है। आज हरियाणा देश भर में पहला राज्य है जहां पर सबसे ज्यादा वेजिज़ 3510 रुपये प्रतिमास की दर से दिये जा रहे हैं जोकि देश भर में और कहीं पर भी नहीं दिये जा रहे हैं। लेबर वैल्फेयर के लिए बहुत सारी स्कीमें बनाई जा रही हैं। सभापति महोदय, स्पैशल इक्नॉमिक जोन से इण्डस्ट्रीज का विकास होगा और लोगों को इम्पलॉयमैंट मिलेगा जिससे हरियाणा प्रदेश और आगे बढ़ेगा लेकिन कुछ लोग बेमानी आपत्तियां उठाते रहते हैं। उन आपत्तियों का कोई भी असर प्रदेश की जनता पर नहीं है। ई-गवर्नैंस यहां आ रही है, टूरिज्म को बढ़ावा मिल रहा है, इण्डस्ट्रियल क्लाईमेट बहुत अच्छा हो रहा है, अर्बन डिवैल्पमैंट भी बहुत हो रहा है। सभापति महोदय, सबसे बड़ी बात जिसके लिए मैं सरकार को बधाई देना चाहूंगा, वह यह है कि पंचकूला को भी केन्द्र सरकार ने ट्राई-सिटी में शामिल कर लिया है इससे कई करोड़ रुपये केन्द्र सरकार की ओर डिवैल्पमैंट पर खर्च होंगे। सभापति महोदय, हाउसिंग स्कीम के बारे में भी जिक्र किया गया है जिसमें स्लम डिवैल्पमैंट प्रोग्राम शामिल है जिसके तहत हरियाणा में स्लम क्लीयर होंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि देहात के अन्दर जो गरीब आदमी को दिक्कत थी वह रिहायशी प्लॉट का न होना था लेकिन चौधरी भूपेन्द्र सिंह जी का सरकार ने यह निर्णय लिया है कि हरियाणा प्रदेश में जो भी व्यक्ति बी०पी०एल० में आता है जिसके पास पीला कार्ड है उसको 100-100 गज के प्लॉट सरकार की तरफ से मुफ्त दिये जाएंगे। सभापति महोदय, वे साथी तो चले गये क्योंकि उनके पास कहने को कुछ नहीं है। प्लॉट्स देने के लिए प्रदेश में कमेटियां बन चुकी हैं, लोगों से ऐप्लीकेशन्ज़ भी मांगी जा रही हैं और सारे डिवैल्पमैंट कार्य भी बहुत जल्दी हो जाएंगे। गरीब आदमियों के सिर पर छत देने का विज़न कितना बड़ा विज़न है। सभापति महोदय, आपका जो दिल्ली-गुड़गांव मैट्रो और बहादुरगढ़ मैट्रो कितना बड़ा प्रोजैक्ट है। ग्रामीण सैनिटेशन के लिए रूरल डिवैल्पमैंट के तहत गांवों में चहुंमुखी विकास के काम हो रहे हैं और वहां पर सफाई की व्यवस्था के लिए सफाई कर्मचारी लगाए जा रहे हैं। गरीब और हरिजनों के लिए इन्दिरा गांधी पेयजल योजना के तहत मुफ्त पानी के कनैक्शन्ज़, 200 लीटर पानी की टंकी मुफ्त तथा एक-एक टूंटी भी मुफ्त दी जा रही है। जो भी व्यक्ति कनैक्शन लेना चाहे वह मुफ्त कनैक्शन ले, जो टूंटी लेना चाहे टूंटी ले। सभापति महोदय, इसके साथ ही मैं यहां पर यह कहना चाहूंगा कि शिक्षा के क्षेत्र में भी बहुत विकास हुआ है। पिछली सरकारें तो शिक्षा की तरफ ध्यान ही नहीं देती थीं। विद्यार्थियों के लिए कॉलेजों और स्कूलों में कमरे नहीं थे। पिछली सरकारों के समय में नौ सालों तक कोई भी कॉलेज नहीं बना, कितने ही स्कूल बंद हो गए लेकिन वर्तमान सरकार बनने के बाद कितने ही स्कूल नये बन गये हैं और कितने ही स्कूल अपग्रेड कर दिए गए हैं। विकास शिक्षा का आधार है। अगर आपका

नागरिक शिक्षित है तो वह उन्नति करेगा, तरक्की करेगा और आगे बढ़ेगा। सभापति महोदय, जो गरीब बच्चे बीच में ही पढ़ाई बंद करके स्कूल छोड़ कर चले जाते थे, इस सरकार ने जो नई योजना दी है उसके कारण बच्चे स्कूलों को छोड़कर नहीं जायेंगे। इस सरकार ने कक्षा 1 से 12 कक्षा तक अनुसूचित जाति के लड़कों को 100 रुपये और लड़कियों को 150 रुपए की छात्रवृत्ति शुरू करी है। ये जो योजनाएं बनाई गई हैं इनके लिए मैं गरीब वर्ग की तरफ से इस सरकार को बधाई देता हूं। हमारी सरकार टैक्नीकल एजुकेशन में तरक्की कर रही है, स्पोर्टस के अन्दर फैसिलिटीज दे रही है। शहरों में, जिला लैवल पर और बड़े तथा छोटे ब्लॉक्स लैवल पर स्टेडियम बना रही है। हैल्थ में भी काफी ध्यान दिया जा रहा है। लाडली स्कीम के तहत जो 5000 रुपए दिए जाते थे उनको बढ़ाकर 15,000 रुपए कर दिया है यह बहुत ही अच्छी बात है। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार को सुझाव देना चाहूंगा कि यह जो पैसा दिया जाता है उसे लेने के लिए उनके परिवार वालों को काफी धक्के खाने पड़ते हैं। शादी हो जाती है लेकिन उसको पैसा काफी समय तक नहीं मिलता है, इसलिए इसके बारे में सरकार को जिला स्तर पर भी एक दफ्तर खोलना चाहिए जिससे उन परिवार वालों को लाभ मिल सके। सभापति महोदय, मैं वित्त मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि इन्होंने शैडयूल्ड कास्टस सब-प्लान के लिए 1433 करोड़ रुपए अलग से रखे हैं। यह नई योजना है और यह एक ऐतिहासिक योजना है। मेरा आपसे कहना है कि इस योजना को तुरन्त ही क्रियान्वित किया जाए। प्रदेश में लॉ एंड आर्डर मैंटेन करने के लिए, शान्ति बनाए रखने के लिए पुलिस को माडर्नाईज किया जा रहा है। पहले गुण्डे क्राईम और अपहरण करके भाग जाते थे और उनको राजनैतिक संरक्षण दिया जाता था लेकिन अब इस सरकार ने उनको संरक्षण नहीं दिया और उन गुण्डों को हरियाणा से भगा दिया गया है। मुझे याद है कि अभी कुछ समय पहले एक व्यापारी का अपहरण कर दिया गया था लेकिन कुछ ही समय बाद उन गुण्डों को गिरफ्तार कर लिया गया था। सभापति महोदय, हमारी लोकतान्त्रिक सरकार ने निर्णय लिया है कि वे बी-1 के टैस्ट में रिजर्वेशन देंगे। मुझे याद है ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार ने बी-1 टैस्ट में रिजर्वेशन बंद कर दिया था। लेकिन इस सरकार ने यह घोषणा करके हमारी बहुत पुरानी और लम्बे समय से चली आ रही मांग को पूरा कर दिया है। सभापति महोदय, राज्यपाल महोदय ने सदन में आकर अपना जो अभिभाषण देने का कष्ट किया है यह सरकार की कार्यशैली, सरकार की नीति, कार्यों के रख-रखाव की भावना को प्रदर्शित करता है। इससे साफ ज़ाहिर होता है कि यह सरकार कल्याणकारी सरकार है। इस सरकार के नेता की भावना जो है वह बहुत ही बढ़िया है और यह एक कल्याणकारी सरकार है। इस सरकार में शिक्षा, स्वास्थ्य, पीने के पानी की योजना, खेतीहर मजदूर और गरीब मजदूर के लिए बहुत से अच्छे कार्य किए जा रहे हैं। सभापति महोदय, राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण इस सदन में दिया है उसके प्रति मैं अपना आभार प्रकट करते हुए अपना स्थान लेता हूं। धन्यवाद।

संसदीय सचिव (श्री दिलूराम) : चेयरमैन साहब, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। इस सरकार की बहुत उपलब्धियां हैं। जब से यह सरकार बनी है तब से उसने गरीब आदमियों को बहुत ज्यादा बैनिफिटस दिए हैं। माननीय चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने अनेकों प्रकार के फायदे लोगों को दिए हैं।

[श्री दिलूराम]

किसान, हरिजन, बैकवर्ड क्लास और छोटे जमींदारों को बहुत फायदे हुए हैं। अगर ये फायदे गिनाएं जाएं तो बहुत ज्यादा होंगे। मुख्यमंत्री जी की सोच बहुत बढ़िया सोच है। किसी परिवार का जो मुखिया है वह परिवार उस मुखिया की सोच पर चलता है। मुख्यमंत्री जी की हर वर्ग के बारे में बहुत बढ़िया सोच है। वह हर वर्ग के बारे में लगातार सोचते चले जा रहे हैं। चेयरमैन सर, तीन सालों के अंदर हमने भी देखा है और आपने भी देखा होगा कि उन्होंने इतने क्रांतिकारी काम किए हैं जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते, कभी सोच भी नहीं सकते। अभी हमारे विपक्ष के जो लोग शोर मचाकर चले गये हैं अगर वे यहां पर होते तो उनको पता चलता। तीन दफा इन लोगों की सरकार बनी और तीनों दफा इन्होंने इसी वायदे के बलबूते पर सरकार बनायी कि हम किसानों के पानी और बिजली के बिल माफ करेंगे। चेयरमैन सर, हरियाणा का किसान भोला है और वह बहकावे में आ जाता है। बहकावे में आकर उसने तीनों बार इनकी सरकार बना दी लेकिन लोग अपने वायदे से टस से मस नहीं हुए उल्टा उन पर और बोझ लाद दिया। जिस आदमी ने पचास हजार रुपये देने थे उसके ऊपर पांच लाख रुपयों का बोझ इनकी सरकार की गलत नीतियों की वजह से बन गया। किसान इनके बहकावे में आ गया। चेयरमैन सर, हमारी सरकार ने कभी भी वायदा नहीं किया था कि हम लोगों के बिजली और पानी के बिल फ्री करेंगे लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी ने सोचा कि किसान दलदल के अंदर फंस चुका है और जब तक हम बिजली के बिल माफ नहीं करेंगे तब तक किसान पनप नहीं सकता। जिस प्रदेश का बजट 2200 करोड़ रुपये हो और उसमें से यदि 1600 करोड़ रुपये माफ कर दिये जाएं तो क्या 600 करोड़ रुपये में प्रदेश चलेगा? लेकिन फिर भी मुख्यमंत्री जी ने फराखदिली दिखाकर हिम्मत दिखाकर किसान के बिजली के बिलों का पैसा माफ किया। ओम प्रकाश चौटाला साहब कभी तो 830 करोड़ रुपयों की बात कह रहे थे कभी कुछ और बात कह रहे थे। मैं बताना चाहता हूं कि 830 करोड़ रुपये के जो ऋण माफ किए हैं यह वह रुपये थे जो लोगों ने मिनी बैंक से लैंड मोर्टगेज बैंक, कोओपरेटिव बैंक से कर्जा लिया था और वह डिफाल्टर हो गये थे। चाहे वह जमीन का कर्जा था, चाहे वह ट्यूबवैल का कर्जा था या चाहे वह क्रॉप लोन था, जो लोग डिफाल्टर हो गये थे उनका यह अमाउंट 830 करोड़ रुपये बनता था। इसके अलावा हरिजन कल्याण निगम से जिन्होंने लोन ले रखा था उनका ब्याज भी सरकार ने माफ किया। जब हरिजनों ने कहा कि सरकार ने बाकी लोगों का लोन तो माफ कर दिया लेकिन हरिजन कल्याण निगम से जिन लोगों ने लोन ले रखा है और अब वापिस नहीं कर सकते आप इनका ब्याज भी माफ करो। इसके बाद वह 450 करोड़ रुपये भी हमारी सरकार ने माफ किए हैं। इस तरह से तीनों की टोटल रकम निकाली जाए तो यह 2870 करोड़ रुपये के करीब हो जाती है। 2870 करोड़ रुपये की रकम हमारे मुख्यमंत्री जी ने अपनी कलम से माफ करके बहुत क्रांतिकारी काम किया है। इसी तरह से केन्द्र सरकार ने भी किसानों के 60 हजार करोड़ रुपये के ऋण माफ किए हैं। कल जो रैली थी उसमें यह बताया गया था कि इस रकम से कितने लोगों को फायदा हुआ है। माननीय प्रधानमंत्री जी कल बता रहे थे कि चार करोड़ आदमियों को इससे फायदा हुआ है। जिन आदमियों के पास दो हैक्टेयर यानी पांच एकड़ जमीन है यदि उन्होंने लोन ले रखा है तो उनका सारा पैसा माफ कर दिया गया है चाहे वह लोन उन्होंने नेशनेलाइज्ड बैंक से लिया है या किसी दूसरे बैंक से लिया है

वह सारे का सारा लोन माफ कर दिया गया है । मैं तो एक बात अपने हल्के में भी कहता हूं और यहां भी कहता हूं कि यहां पर दो प्रकार के आदमी हैं । एक प्रकार का आदमी लेना जानता है और लेकर देना नहीं जानता और दूसरे प्रकार का आदमी देना जानता है और देकर लेना नहीं जानता । हमारे मुख्यमंत्री जी उनमें से हैं जो देना तो जानते हैं लेकिन देकर लेना नहीं जानते जबकि कई लोग ऐसे भी हैं जो सिर्फ लेना ही जानते हैं । वर्ष 2003-04 में पैड़ी का रेट 510 रुपये था लेकिन जीरी सिर्फ 350 रुपये में ही बिकी । हमारे पड़ौस में कैप्टन अमरिन्द्र सिंह जी मुख्यमंत्री थे । जब मौसम खराब हो गया और मंडियों के अंदर अनाज डालने के लिए जगह नहीं थी । किसानों का आपस में झगड़ा होने का अंदेशा होने लगा तो किसानों ने हरियाणा का सारा माल पंजाब में जाकर बेचा । बोर्डर के पार ट्राली से उतरते ही जीरी 510 रुपये में बिकी । चेयरमैन सर, आज जीरी 1600 रुपये से 2600 रुपये में बिक रही है और आज बासमती का रेट तो 3800 रुपये क्विंटल तक है । चेयरमैन सर, इन लोगों ने तो किसानों को डुबोया था । चेयरमैन सर, किसान इस देश की रीढ़ की हड्डी है अगर किसान दब गया तो यह देश कभी पनप नहीं सकता ।

जब वर्ष 1965 में कनक की कमी थी तो पी०वी० 18 नामक कनक विदेश से मंगवाया जाता था जिसकी रोटी रबड़ की तरह इतनी खिंच जाती थी कि खायी नहीं जाती थी । हमने तो वे दिन भी देखे हुए हैं जब कहीं गेहूं नहीं मिलता था । जब हमारे प्रधानमंत्री शास्त्री जी बने तो उन्होंने लोगों से यह कहा कि सोमवार को हफ्ते में एक दिन खाना नहीं खायें । आज हम बधाई देते हैं भारतीय किसानों को जिन्होंने धरती का सीना चीरकर इतना अनाज पैदा किया है कि आज हम अपना पेट तो भरते ही हैं उसके साथ ही विदेशों को भी हमारा अनाज भेजा जा रहा है । ये इन किसान लोगों की देन थी । लेकिन विपक्ष के साथी यहां क्रिटीसाईज ही करने आते हैं । लेकिन इण्डियन नेशनल लोकदल के सदस्य यहां पर कुछ भी कहते हों लेकिन उनके कार्यकर्त्ता हमें यह कहते हैं कि हमारे लिए तो इस सरकार ने कुछ छोड़ा ही नहीं । किस बलबूते पर हम इलैक्शन लड़ेंगे । क्या मुंह लेकर हम लोगों के पास जायेंगे । चेयरमैन साहब, मैं तो यह कहूंगा कि इण्डियन नेशनल लोकदल के सदस्य तो शर्म से मुंह छिपाते फिरते हैं इन्हें भी शर्म आनी चाहिए । सरकार ने किसानों के 60,000 करोड़ रुपये के कर्जे माफ किए हैं उसके लिए उन्हें माननीय प्रधानमंत्री और यू०पी०ए० अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी का धन्यवाद करना चाहिए । बजाए धन्यवाद करने के इन लोगों ने तो क्रिटीसाईज ही करना है जोकि बाल की खाल उतारने वाली बात है । आज समाज का हरेक वर्ग सुखी है । अभी मुलाना जी हरिजनों के बारे में बता रहे थे कि इस सरकार ने हरिजनों को 100 गज के प्लाट और एक घर की टूंटी देने का फैसला किया है । एक कनैक्शन पर चार हजार रुपये खर्च होंगे । मैंने ऐसे-ऐसे गांव देखें हैं जिन गांवों में 20-20 लाख रुपये के प्रोजैक्ट लगे हैं । यह सारी इस सरकार की उपलब्धि है कि जिन हरिजनों के पास रहने की जगह नहीं थी उनको 100-100 गज के प्लाट फ्री दिए हैं । यह 100 गज के प्लाट उन लोगों को मिलेंगे जिनको जरूरत है । जब उनको किसी काम के लिए बैंक से कर्ज लेना होगा तो वे इस मकान को गिरवी रखकर कर्ज ले सकते हैं । यह एक बहुत बढ़िया काम इस सरकार ने किया है । इसी प्रकार से जो हमारे एस०सी० और हरिजन भाई हैं जिनके पास डंगर हैं, गायें हैं, उन पशुओं का बीमा सरकार ने किया है । जिस डंगर की टोटल कीमत 20 हजार रुपये है उसका फ्री में बीमा किया है और उनको इसकी किश्त नहीं

[श्री दिलूराम]

देनी पड़ेगी बल्कि सरकार इस बीमे की किश्त देगी। इससे 30-35 लाख का हर हल्के में फायदा हुआ है। मेरे अपने हल्के में एस०सी० कैटेगरी के भाइयों की भैंसों का जो बीमा किया है उससे उन्हें 45 लाख रुपये का फायदा हुआ है। किसान के पास आमदनी के दो ही रास्ते हैं या तो खेत हैं या पशु हैं। आज के दिन 30-40 हजार रुपये से 18.00 बजे कम में पशु नहीं आता। चेयरमैन साहब, विवाह पर शगुन की राशि 5000 रुपये से बढ़ाकर जो 15 हजार रुपये की गई है यह एक सराहनीय कदम है इसके लिए सरकार की जितनी प्रशंसा की जाए, कम है। इसके अलावा यह जो मासिक छात्रवृत्ति योजना शुरू की गई है यह भी अनूठी है। पहली अप्रैल से अनुसूचित जाति का जो बच्चा स्कूल में दाखिल होगा अगर वह लड़का होगा तो उसको 100 रुपये पर मंथ और लड़की होगी तो 150 रुपये पर मंथ मिलेंगे। 8वीं कक्षा तक लड़के को 150 रुपये और लड़की को 200 रुपये की राशि मिलेगी व 12वीं तक लड़के को 300 रुपये व लड़की को 400 रुपये पर मंथ की दर से यह राशि मिलेगी। यह योजना इसलिए चलाई गई है कि गरीब आदमी स्टैंड कर जाए और जो आदमी बच्चे की फीस नहीं दे सकता वह उस बच्चे को बोझ न समझे, यह हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जी की सोच है। ऐसे व्यक्ति को तो इन लोगों को शाबाशी देनी चाहिए लेकिन इन लोगों को तो आदत ही बुरी पड़ी हुई है। जिस व्यक्ति की आलोचना करने की आदत ही पड़ी हुई है। उसने तो आलोचना ही करनी है। मैं तो यह कहता हूं कि मुख्यमंत्री जी हरियाणा की जनता की दिन दूनी रात चौगुनी सेवा कर रहे हैं। जमीनों के भाव किस तेजी से बढ़े हैं पहले क्या था 2 लाख या 2.5 लाख रुपये पर एकड़ के हिसाब से रेट था। आज के दिन 20 लाख रुपये पर एकड़ से कम किसी गांव में जमीन नहीं मिलेगी। इतनी ज्यादा तरक्की हो गई है कि चौकीदार की पैंशन लग गई है। मैंबर, पंचायत को पे मिल गई, सरपंच को पे मिल गई, ब्लाक समिति के मैंबर को पे मिल गई, जिला परिषद् के सदस्य को पे मिल गई, जिला परिषद् के चेयरमैन को पे मिल गई और जो बाकी के बचे हुए लोग थे वे वृद्धावस्था पैंशन में कवर हो गए। किसी को छोड़ा ही नहीं। अमेरिका बना दिया। सबको पैंशनर कर दिया। जो मेरी बहनें विडो थीं उनकी पैंशन की राशि बढ़ाकर 350 रुपये प्रति मास कर दी। अब उनके बारे में कुछ और भी सोचने में लगे हुए हैं। यह जो क्रांतिकारी कदम मुख्यमंत्री जी ने उठाए हैं उसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। मैं भी किसान हूं। किसान न दिन देखता है न रात देखता है वह अपने खेत के लिए दिन रात मंढा रहता है उसकी यदि हम दिहाड़ी लगाएं तो दस रुपये से ज्यादा नहीं बनती। किसान की हालत को देखते हुए यू०पी०ए० की चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी जी ने व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह जी ने जो यह कर्ज माफी का कदम उठाया है वह बहुत ही सराहनीय है। एक कहावत है कि बाहर का मारा घर आए और घर का मारा कहां जाए। वह क्या करेगा, खुदकशी करेगा। कोई भी आदमी खुशी से नहीं मरना चाहता। हर कोई चाहता है कि मैं जीऊं और सुख से जीऊं और अपने बच्चों की अच्छी से अच्छी परवरिश करूं। उनको अच्छी ऐजुकेशन दूं ताकि वे समाज में सिर उठाकर चल सकें। किसान की बहुत सी मजबूरियां है। इस सरकार ने किसान को उठने का मौका दिया है। हमने यह बात रखी थी कि जो नॉन ऐग्रीकल्चर वाले ने कोऑपरेटिव बैंक से लोन ले रखा है, उसके बारे में क्या होगा? मैंने इस बारे में पढ़ा है, वह भी इसमें मैंशन है। इससे गरीब आदमी को बहुत

फायदा मिलेगा। जैसे किसी ने भेड़ पालने का लोन ले रखा है या मोचीखाने का लोन ले रखा है, इससे हर वर्ग को फायदा मिलेगा। मेरे विपक्ष के साथी आंकड़ों के बारे में पूछ रहे थे। तो आंकड़े आज तो बन नहीं सकते। इतनी बड़ी रकम है एक दिन में आंकड़े कैसे बनेंगे। मैं इस सरकार को भी धन्यवाद देना चाहता हूं और मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी को भी धन्यवाद देता हूं। केन्द्रीय सरकार को भी मैं इसके लिए धन्यवाद देता हूं। सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद।

संसदीय सचिव (श्रीमती कृष्णा पंडित) : सभापति महोदय, सबसे पहले मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय और स्पीकर महोदय का धन्यवाद करती हूं कि जिन्होंने विधानसभा की रैनोवेशन करके आज हमें यहां बहुत अच्छा स्थान दिया, उसके लिए हम सब उनके आभारी हैं। हमारे राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में हमारी सरकार की जो भी उपलब्धियां हैं उनके बारे में बताया उसके लिए हम उनके आभारी हैं। हम खास तौर से प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और श्रीमती सोनिया गांधी जी के आभारी हैं जिन्होंने हमें एक कार्यकर्ता के रूप में कर्मयोगी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी जैसे मुख्यमंत्री दिए हैं। वे गरीबों के दिल में रहते हैं और उनके दिल में झांककर ऐसी स्कीमें देते हैं जो गरीब आदमी की जरूरत को पूरा करती है। आज श्रीमती सोनिया गांधी, डॉ० मनमोहन सिंह और पी० चिदम्बरम् जी ने हमें जो बजट दिया है उसमें किसानों के 60 हजार करोड़ के कर्जे माफ किए गए हैं यह अपने आप में एक ऐसी चीज है कि जिसका इजहार हरेक व्यक्ति की तेजी से चल रही दिल की धड़कन कर रही है। एक टाइम था जब लोग कहते थे कि श्रीमती सोनिया गांधी विदेशी बहू है लेकिन आज उसी विदेशी बहू ने स्वदेशी बनकर किसान के दिल में वास करके किसानों के कर्जे माफ किए हैं। यह बात कल देखने वाली थी जब हम दिल्ली में गए, किस तरह हर्षोल्लास के साथ सारा हरियाणा गुलाबी पगड़ी बांधकर यह जता रहा था कि हम उनके कितने आभारी हैं। हरेक इंसान के दिल में एक अजीब सी खुशी थी और मन में यह बात थी कि उन्होंने हमें कितना कुछ दिया है। किसान खेत मजदूर कांग्रेस के अध्यक्ष सुरजेवाला जी वहां थे और उन्होंने श्रीमती सोनिया गांधी को चांदी का हल और प्रधानमंत्री को तलवार भेंट की जो इस चीज का प्रतीक था कि हम उनके कितने आभारी हैं। इसके अलावा हम श्रीमती सोनिया गांधी जी के भी आभारी हैं जिन्होंने इतना कुछ खोने के बाद हमें एक आदर्श नेता राहुल गांधी जी हमें दिया है। आज भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने श्रीमती सोनिया गांधी और डॉ० मनमोहन जी के पास जाकर किसानों के कर्जे माफ करवाए और जब उन्होंने देखा कि हमारी सरकार में कितनी तरह की मुश्किलें आ रही हैं और किसानों को गेहूं, जीरी के रेट मिलने में बहुत दिक्कत आ रही है। मेरे से पहले बोलने वाले सभी लोगों ने बताया है कि हुड्डा साहब वहां सीधे पहुंचे और वहां पहुंच कर उनसे जीरी और गेहूं के रेट बढ़ाने के बारे में आग्रह किया उसके बाद जीरी और गेहूं के जो रेट मिले यह अपने आप में एक मिसाल है। सुनने में आता है कि हमारे मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने अपनी कुर्सी पर बैठते ही एक आम आदमी की तरह कहा था कि मैं क्या करूंगा, पैसा कहां से आएगा, कैसे कर्जे माफ करूंगा। उन्होंने 1600 करोड़ रुपये के बिजली के बिल माफ करके एक मिसाल कायम कर दी है। हमारे किसान जो हमें रोटी देते हैं और जो हमारी रीढ़ की हड्डी हैं कैसे वे उनके दिल में वास करते हैं। उन्होंने गरीबों को बहुत फायदा किया, यह उन्हीं गरीबों की दुआओं का फल है कि वे गंगा में बहकर भी बच

[श्रीमती कृष्णा पंडित]

गए। आज वे एक अच्छे नेता के रूप में हमारे बीच में मौजूद है। आज हर व्यक्ति दिल से उनकी इज्जत करता है और दिल से उनके साथ रहना चाहता है। आज मुझे बताने में हर्ष होता है कि श्रीमती सोनिया गांधी ने कई जगहों पर आए हुए लीडर्ज से यह कहा कि वे भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व से सीख लें। ये सुदृढ़ मुख्यमंत्री के रूप में उभरे हैं, ये सारे इंडिया में एक मिसाल है, उनकी गिनती सबसे अच्छे मुख्यमंत्री के रूप में की जाती है। पहले किसी भी सड़क पर जाते थे तो टूटी सड़कें नजर आती थी। बुजुर्ग टूटी सड़कों पर गिरते रहते थे, रोड एक्सीडैंट्स होते रहते थे लेकिन आज जितनी भी सड़कें हैं उन पर पैसा लगाया जा रहा है। जगह-जगह सड़कें 4 लेनिंग, 6 लेनिंग बन रही हैं उसके लिए गवर्नमैंट आफ इंडिया तो हमें पैसा दे रही हैं लेकिन स्टेट गवर्नमैंट का तो इस मामले में कोई मुकाबला ही नहीं है। कोई भी अच्छा काम करने के लिए हम मुख्यमंत्री महोदय के पास जाते हैं तो उनका आदेश होता है कि कर लीजिए, मुझसे पूछने की जरूरत नहीं है। यह बात हमारे लिए बहुत ही अच्छी है। यह हम मानते हैं कि यदि कोई इंसान एक घर चलाता है तो उसके लिए एक घर चलाना भी मुश्किल होता है। हमारे मुख्यमंत्री जी इतने बड़े हरियाणा प्रदेश को चलाते हैं और उसमें बिजली की कुछ समस्या जरूर रही है। बिजली की समस्या को दूर करने के लिए हमारे मुख्यमंत्री जी ने बहुत से पावर प्लांट्स लगाये हैं। हमारे मुख्यमंत्री जी ने सत्ता संभालते ही यमुनानगर के अंदर 300 मैगावाट का थर्मल पावर प्लांट लगाया जो दो साल के अंदर बनकर तैयार हो गया। यमुनानगर में 300 मैगावाट के थर्मल पावर प्लांट के लगने से वहां पर 20 कि०मी० तक के एरिया में 24 घंटे बिजली मिलती है। इसी तरह से यमुनानगर में 300 मैगावाट का थर्मल पावर प्लांट का दूसरा यूनिट इस वर्ष मार्च में सिंकरोनाईज होने की सम्भावना है। इसके अतिरिक्त हिसार के खेदड़ में 1200 मैगावाट का कोयला आधारित राजीव गांधी थर्मल पावर प्लांट पर कार्य शुरू हो गया है। इसके अतिरिक्त झज्जर जिले के झाड़ली गांव में 1500 मैगावाट क्षमता का कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट लगाया जायेगा। जिस समय इस प्लांट की घोषणा की गई थी उस समय हमारी अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी जी भी झाड़ली रैली में आई थी। हमारे मुख्यमंत्री जी ये सारी योजनाएं दिल से बनाते हैं। साईंटिस्टस भी हैरान हैं कि हरियाणा के मुख्यमंत्री के दिमाग में ये स्कीम्ज कहां से आती हैं, उनके दिमाग का टैस्ट करवाना पड़ेगा। रात को सोते हैं और सुबह नई स्कीम के साथ उठते हैं। ऐसी स्कीम्ज वही मुख्यमंत्री बना सकता है जिसके दिल में गरीबों के लिए दर्द हो और जो गरीबों के बारे में सोचता हो। सभापति महोदय, हमारे मुख्यमंत्री जी ने न केवल किसानों के कर्जे माफ किए हैं बल्कि महिलाओं को भी आगे बढ़ाने के लिए बहुत सी अच्छी योजनाएं महिलाओं के लिए बनाई हैं। गांवों में महिलाओं की चौपालें और सुलभ शौचालय बनाये गये हैं। जहां पहले लड़की की शादी के समय 5100 रुपये शगुन के तौर पर सरकार की तरफ से दिए जाते थे वह राशि बढ़ाकर 15,000 रुपये कर दी गई है इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देती हूं। एक गरीब आदमी के लिए अपनी बेटी की शादी करना आसान नहीं होता और हर आदमी अपनी बेटी को ज्यादा से ज्यादा सामान देना चाहता है। हमारी सरकार की तरफ से जो 15000 रुपये शगुन के तौर पर दिए जाते हैं इससे उनको बहुत सहायता मिली है। ऐसी सोच वही मुख्यमंत्री रख सकता है जिसके दिल में गरीबों के लिए हमदर्दी हो। सभापति महोदय, अभी

कुछ दिन पहले मैं अपने हल्के के एक गांव में किसी शादी में गई थी। वह परिवार नाईयों का परिवार था। जब उसने मुझे अपने घर देखा तो वह बहुत प्रसन्न हुआ और कहने लगा बहन जी, आपकी सरकार ने जो 100 गज के प्लाट दिए हैं इससे हमारा घर भी साफ सुथरा बन जाएगा और हम अच्छी जगह पर अपनी बेटियों की शादी कर पाएंगे। सरकार की तरफ से जो 15000 रुपये शगुन के तौर पर मिलते हैं इससे भी हमें बहुत लाभ मिल रहा है, यह बात भी उस परिवार के मुखिया ने स्वीकारी और हमारे मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त किया। सभापति महोदय, इसी तरह से एक योजना मुख्यमंत्री जी ने हमारे हैल्थ विभाग में चलाई कि 8 अक्तूबर, 2006 के बाद जिस गरीब परिवार में लड़की पैदा होगी उस लड़की के नाम हर साल 5000 रुपये सरकार की तरफ से दिए जायेंगे ताकि बड़ी होने पर लाख रुपये के करीब उस लड़की के नाम हो जायें और उसके घर वाले उसका घर-बार बसा सकें। सभापति महोदय, अब बाहर की स्टेट्स से भी हमारे पास फोन आते हैं। कुछ दिन पहले मेरे पास हमारे साथ लगते राज्य पंजाब से फोन आया कि किसी भाई के दूसरी लड़की हो गई, मैं क्या करूं। मैंने उसे कहा कि तुम उसे हरियाणा में भेज दो क्योंकि हमारे यहां अक्तूबर के बाद से लड़की पैदा होने पर पैसे मिलते हैं। इस तरह की योजनाएं हमारी सरकार ने गरीबों के उत्थान के लिए बनाई हैं। सभापति महोदय, हमारी सरकार ने गरीबों को जो 100-100 गज के प्लाट दिए हैं। इससे उनके मन में बहुत खुशी है। इसके अतिरिक्त जिनके पास 30-40 गज या उससे बड़े प्लाट हैं जिन पर मकान बने हुए हैं उनको वे तोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं और यह कहा गया है कि उसके लिए वो पैसे दे दें, हम उनको भी पूरे का पूरा मकान दे देंगे। इसी तरह से एक नवम्बर को हरियाणा डे पर जो रैली हुई थी उसमें मुख्यमंत्री जी ने अनाउंसमैंट की कि 11 हजार गरीब परिवारों के लोगों को नौकरियां दी जायेंगी। मुख्यमंत्री जी ने इसके लिए आदेश दिए कि हर विधायक अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर देखें कि जो नौकरी के काबिल हों उन्हीं को नौकरी मिले, कोई सूटिड-बूटिड व्यक्ति को नौकरी न मिल जाये। इसको मुख्यमंत्री जी ने पूरी तरह से सुनिश्चित किया कि संबंधित पंचायत के तीन मैंबर होंगे और वहां का विधायक भी होगा ताकि जो लोग नौकरी के हकदार हैं उन्हीं को नौकरी मिले। सभापति महोदय, आज तक कभी भी नहीं हुआ होगा कि जो महिलाएं हैं, एथेलिट हैं या गरीब लोग हैं उन्हें कभी चीफ मिनिस्टर हाउस में ऑनर किया गया हो। लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी के समय में उनके घर में ही महिलाओं, एथेलिटों और गरीबों को ऑनर किया जाता है। एक गरीब आदमी के लिए मुख्यमंत्री जी से हाथ मिलाना बहुत बड़ी बात है। लेकिन हमारे मुख्यमंत्री की तरफ से आज सभी को खुला टाईम मिल रहा है। 10.00 से 02.00 बजे तक कोई भी व्यक्ति उनके पास जाकर अपनी समस्याओं के बारे में बोल सकता है। हाल ही में हमारे मुख्यमंत्री महोदय कपाल मोचन गये थे। कपाल मोचन में सबसे ज्यादा बी०पी०एल० जीवनयापन करने वाले लोग रहते हैं। वहां पर जितने भी हमारे बी०पी०एल० वाले भाई हैं उन सबकी एक ही मुख्य मांग थी। उन्होंने मुख्यमंत्री जी से कहा कि हम गरीब हैं हमारे मंदिर की चारदीवारी नहीं है और हमारे रहने के लिए वहां पर कोई मकान भी नहीं हैं। उनकी इस प्रकार की समस्त समस्याओं के निराकरण के लिए उसी समय माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने 30 लाख रुपये देकर उन्हें भरपूर खुशी दी। इस पर उनके मन में खुशी की लहर दौड़ गई कि ऐसा मुख्यमंत्री उन्हें सौभाग्य से मिला है। वे चाहते हैं कि हमेशा ही उन्हें ऐसा ही मुख्यमंत्री मिले जो सारे कार्य

[श्रीमती कृष्णा पंडित]

जनता के हित में करता हो और जो अपनी कृपा का हाथ उनके सिर पर रखता हो। आज की एजुकेशन के बारे में मैं एक बात कहना चाहूंगी। एजुकेशन के स्तर पर जहां भी देखा जाये कितने ही स्कूल और कालेज खुल गये हैं। जहां लड़कियों का पहले सम्मान नहीं होता था वहीं आज लड़कियां सारे हरियाणा में बड़े गर्व के साथ चलती है। चाहे दिन हो या रात हो हमारे पुलिस के जो अरेंजमैंट्स हैं जो हमारे कर्मचारी और अधिकारी हैं वे बहुत अच्छी तरह से माननीय मुख्यमंत्री महोदय के आदेशों की पालना करते हैं। लड़कियों के लिए हमारी सरकार ने स्टाइपैन्ड की विशेष योजना चलाई है। लड़कियों को लड़कों के मुकाबले ज्यादा स्टाइपैन्ड मिलता है अगर लड़के को 150 रुपये स्टाइपैन्ड मिलेगा तो लड़की को 200 रुपये मिलेगा और अगर लड़के को 200 रुपये मिलेगा तो लड़की को 250 रुपये स्टाइपैन्ड मिलेगा। इसी तरह से हायर एजुकेशन के लिए भी मुख्यमंत्री जी के यह आदेश है कि किसी भी गरीब लड़की या महिला को सरकार की तरफ से भरपूर सहायता मिलेगी। अभी कुछ समय पहले महिला सशक्तिकरण वर्ष मनाया गया। कुछ महिलाओं ने मुख्यमंत्री से कहा कि उनके पास चौपाल नहीं है जहां पर बैठकर वे अपने हित के कार्यों के बारे में विचार-विमर्श कर सकें। उसी वक्त हमारे माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने पंचायत ऑफिसर्ज को महिलाओं की मांग के अनुरूप महिला चौपाल बनवाने के आदेश दिए। आज माननीय मुख्यमंत्री की छत्रछाया में महिलाओं का सिर गर्व से बहुत ऊंचा है क्योंकि वे उनकी सभी तकलीफों को समझकर उन्हें हल करने का प्रयास करते हैं। हरेक जगह स्कूलों, कालेजों और यूनिवर्सिटीज में महिलाओं का बहुत आदर सम्मान होता है। हमारे माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने हैल्थ डिपार्टमैंट को यह आदेश दे रखे हैं कि चाहे कोई भी रोगी किसी भी समय आये उसको अच्छी से अच्छी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने का इंतजाम होना चाहिए। आज हमारे पास 5 ट्रॉमा सैंटर्ज हैं और ऐसे ही हमारे पास 7 क्रिटिकल मोबाईल वैन हैं जो जगह-जगह घूमती रहती हैं और हरेक जगह इंतजाम चैक करती हैं। जो ट्रामा सैंन्टर्ज हैं उनमें सैक्टर 6, पंचकूला में एक आदर्श हॉस्पीटल बना हुआ है। जो लोग पी०जी०आई०, चण्डीगढ़ में लम्बी कतार में खड़े नहीं हो सकते वहां पर उनको हरेक तरह की स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं जैसे एम०आर०आई०, सीटी स्कैन इत्यादि मिलेगी। अभी हाल ही में माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने उसकी इनोगुरेशन की थी। येग लेजर, डेनसिटोमीटर, ऑरथोपैडिक्स के सारे इंस्ट्रूमैंट्स, जैसे सी० आर्म्ज वगैरह सभी सुविधाएं छोटे-छोटे हॉस्पीटल्ज़ में होती हैं। सबसे ज्यादा जरूरी बात यह है कि महिलाओं को विभिन्न स्कीमों के तहत जो सम्मान और पैसा मिलता है क्या वह उनको सही ढंग से और सही समय पर मिल रहा है? इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी ने सभी मंत्रियों और एम०एल०एज० को आदेश दिये हुए हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याणार्थ बनाई गई सभी योजनाएं पूर्ण रूप से क्रियान्वित हों। हरियाणा प्रदेश में पहली बार ऐसा हुआ है। पिछली सरकारों ने इससे पहले ऐसा कभी नहीं किया। बी०पी०एल० वाली जो महिलायें घर पर डिलीवरी करवाती हैं उनको हमारी सरकार द्वारा 500 रुपये दिये जाते हैं और जो महिलायें इंस्टीच्युशनल डिलीवरी करवाती हैं उनको 700 रुपये दिये जाते हैं। इसके अलावा उनको 200 रुपये खाने-पीने के लिए दिए जाते हैं ताकि जच्चा-बच्चा दोनों की सेहत ठीक रहे। इस प्रकार सरकार की तरफ से बी०पी०एल० की महिलाओं को 700 और 900 रुपये

डिलीवरी के समय दिए जाते हैं । अपनी तसल्ली के लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने यह आदेश दे रखें हैं कि इस बात की चैकिंग की जाये कि ये सुविधायें संबंधित महिलाओं को मिलती भी हैं या नहीं । मैंने सारी डिलीवरी हट्स में जाकर देखा और एग्जामिन किया और पाया कि यह काम बहुत अच्छी तरह से हो रहा है । इसमें थोड़ा बहुत सुधार अभी अपेक्षित है इसका कारण यह है कि व्यवस्था को ठीक करने के लिए थोड़ा सा समय तो लग ही जाता है । कुछेक जगह हमने जब मौके पर जाकर देखा तो पता चला कि डिलीवरी वाली महिला डिलीवरी करवाने के दो घंटे बाद ही अपने घर चली जाती है । इस बात को देखते हुए कि दो घंटे बाद कौन पैसे देने जायेगा माननीय मुख्यमंत्री जी की तरफ से यह आदेश हुए हैं कि डिलीवरी के बाद महिला को 24 घंटे तक पी०एच०सी० और सी०एच०सी० में रखा जाये ताकि उसकी डिलीवरी सेफ हो और बच्चा भी सेफ रहे । महिला को किसी प्रकार की कोई तकलीफ न हो और जो पैसा हम उनको देना चाहते हैं वह हम उनको समय पर दे सकें । इसी तरह से हम फैमिली प्लानिंग में करना चाहते हैं । फैमिली प्लानिंग प्रोग्राम के तहत टुबैक्टमीज और वेसैकट्मीज के ऑपरेशन्ज होते हैं उनके लिए सरकार ने 1000 रुपये का इनसैंटिव दिया है जो लड़के वसैक्टमीज करवाने आते हैं उनको 1000 रुपये की राशि दी जाती है और उसके साथ-साथ उनको और भी कई प्रकार के प्रोत्साहन दिये जाते हैं । इसी तरह से टुबैक्टमीज के ओपरेशन्ज के लिए लड़कियों को ट्रेनिंग की जरूरत है क्योंकि वे अच्छी तरह से इस कार्य को हैंडिल नहीं कर पा रही हैं । इसके लिए ट्रेनिंग स्कूल सभी इच्छुक ए०एन०एमज० को और डॉक्टर्स को भी ट्रेनिंग देते हैं ताकि उनको अच्छी तरह से काम समझ में आ जाये और वे जाकर लोगों की सेवा कर सकें । लोगों को हमारी नीतियों के बारे में बतायें और जो काम हम करना चाहते हैं वह लोगों तक पहुंचाएं । इसी तरह से एक हमारी सबसे बड़ी मशीन लिथोट्रिप्टर है जो कि तकरीबन 70 लाख रुपये की आती है वह मशीन पंचकूला में आ गई है लेकिन उसके लिए स्पेशलिस्ट डॉक्टर नहीं मिले । अब डॉक्टर्स को उसकी ट्रेनिंग के लिए भेजा गया है । अगर यह लिथोट्रिप्टर लग जायेगी तो जो ऑप्रेशन 40-50 हजार रुपये में हम प्राईवेट हॉस्पीटल में करवाते हैं वह ऑप्रेशन हमारे पंचकूला में 8-10 हजार के बीच हो जाएगा । बी०पी०एल० कार्ड धारक हैं वे 2-3 हजार के बीच में यह ऑप्रेशन करवा सकेंगे । इसी तरह से जो लैप्रोस्कोपिक सैन्टर्ज में गाल ब्लैडर के भी ऑप्रेशन होते हैं उसके लिए डॉक्टर्स को ट्रेनिंग दिलवा दी गई है । वे ऑप्रेशन जो अब तक 20-30 हजार रुपये में प्राईवेट हॉस्पीटल में करवाते हैं । वहां यह ऑप्रेशन 5 हजार रुपये में हो जाएगा और मरीज 24 घंटे में ऑपरेशन करवा कर अपने घर जा सकेगा । ये हमारी हैल्थ स्कीमें हैं । इसी तरह से जगह-जगह पर कैन्सर इंस्टीच्यूट हैं आजकल सबसे ज्वलन्त पी०एन०डी०टी० और अल्ट्रासाऊंड का है । सभापति महोदय, मैं सबसे बड़ी बात यह कहना चाहूंगी कि हम अल्ट्रासाऊंड को सील कर देते हैं और डॉक्टर्स को यह कह देते हैं कि हम आपके ऊपर 10 हजार रुपये जुर्माना कर देंगे, आपकी प्रैक्टिस बंद कर देंगे लेकिन मैं जरूर कहना चाहूंगी कि यह जरूरी नहीं है कि अल्ट्रासाउंड केवल पी०एन०डी०टी० के लिए ही करवाया जाये । आजकल सैक्स डिटर्मिनेशन कोई नहीं करवाता । आजकल हर मां-बाप के दो बच्चे होते हैं और लड़कियां भी उनको उतनी ही प्यारी हैं जितने कि लड़के बल्कि लड़कियां लड़कों से भी ज्यादा प्यारी हैं । वे यह अच्छी प्रकार जानते हैं कि जिस तरीके से हमारा समाज ऊपर उठ रहा है, जिस तरीके से हम ऊपर उठ रहे हैं उस समाज में लड़कें

[श्रीमती कृष्णा पंडित]

मां-बाप को चाहे न भी पूछें लेकिन लड़कियां मां-बाप की दिल की धड़कन और आंख का तारा होती हैं। कोई लड़की भ्रूण को गिराना नहीं चाहती लेकिन एक बात मैं आपसे कहना चाहूंगी कि उन लड़कियों का, उस समाज का, उन बड़े-बड़े इंस्टीटयूट्स का और उन स्कूलों का क्या होगा जहां पर इस प्रकार की शिक्षा दी जाती है। आज हमें ऐसी शिक्षा देनी चाहिए जिसमें हम यह देखें कि हमारा लक्ष्य क्या है? आज जो लड़कियों के सिर पर हाथ रखा जाता है वह या तो भाई का रखा जाये या एक बाप का रखा जाये। वे लड़कियां जो समाज में फैली कुछ कुरीतियों के कारण प्रैगनैंट हो जाती हैं तो उनका अल्ट्रासाऊंड इसलिए नहीं किया जाता कि उनका पी०एन०डी०टी० टैस्ट करना होता है। उनका अल्ट्रासाऊंड होता है तो इसलिए होता है कि अल्ट्रासाउंड के माध्यम से यह पता चल सके कि लड़की प्रैगनैंट है या नहीं और अगर प्रैगनैंट है तो उसका ऐबोर्शन होना चाहिए या नहीं। यही काम प्राईवेट डॉक्टर्स 10-20 हजार रुपये में करते हैं। जो अल्ट्रासाऊंड होते हैं वे इसलिए नहीं होते कि वे उसको गिराना चाहती हैं बल्कि इसलिए होते हैं शुरुआत में उनका पता भी नहीं चलता। वैसे तो आज के युग में डॉक्टर को करने की जरूरत भी नहीं पड़ती आप कैमिस्ट की दुकान पर जाइये आपको 500-700 रुपये में गोली मिल जाती है। अगर चैकिंग करने की जरूरत है तो इन कैमिस्टों की भी हैं मैंने 40 साल प्रैक्टिस की है। मेरा भी इस मामले में अच्छा अनुभव है। मैंने मुख्यमंत्री जी से भी इस बारे में बात की थी। ठीक है, पहले जरूरत होती थी तो हम लड़कियों के लिए पी०एन०डी०टी० एक्ट के अन्तर्गत अल्ट्रासाऊंड मशीन वगैरह सब कुछ सील कर देते थे। आज की डेट में जो एनालिसिस हो रहा है। आप देखिए विंडिक्टिव तरीके से हम देखना चाहें तो अलग बात है। डॉक्टर्स के लिखित जो कॉज होता है जो हम फिटीसाईड करते हैं वह फिटीसाईड इसलिए है कि गलत रास्ते पर चलने वाली उन लड़कियों का क्या होगा? न वे समाज में सिर उठा कर जी सकती हैं, न उनके मां-बाप सिर उठा कर जी सकते हैं आज हमें जरूरत इस बात की है कि चाहे हम पुलिस डिपार्टमैंट के माध्यम से, चाहे सरकार के माध्यम से या आप और हम सबके माध्यम से इस चीज को देखें कि हमारे स्कूलों में, कॉलेजिज में और जो पब्लिक पूलेसिज हैं, वहां पर सख्ती होनी चाहिए। मैंने एक बार पहले भी यह बात उठाई है कि कितने आई०टी०आई० हैं जहां पर बाहर से लड़कियां आती हैं, हॉस्टल में रहती हैं और कई ऐसे स्थान बने हुए हैं जहां पर कपल्स आ कर बैठेंगे वहां वे लड़कियां जाती हैं तो आप घंटों ढूंढ लीजिए वहां आपको कोई लड़की नहीं मिलेगी। क्योंकि समाज में जो लड़की है उसका दर्जा बड़ा सीधा-सादा है। उस बेचारी को पता नहीं कि उसके साथ क्या होने वाला है। उस लड़की की प्रोटैक्शन मां-बाप का फर्ज है। मैं ऐजुकेशन डिपार्टमैंट से भी यह कहूंगी कि कॉलेजिज में और स्कूलों में बहुत सख्ताई होनी चाहिए। यह देखने वाली बात है कि हम लड़कियों की प्रोटैक्शन कैसे करते हैं। आज हमारी सरकार ने गुड़गांव में एम०आर०आई० लगाया है वह एम०आर०आई० सैंटर बहुत अच्छा है। यहां पर एम०आर०आई० लगने के बाद जो मेन चीज है वह कैंसर सैंटर बनाने के लिए है। आज के दिन सारे हरियाणा प्रदेश में कोई भी कैंसर इंस्टीच्यूट नहीं है न ही कोई कैंसर डिटैक्शन सैंटर है। एम०आर०आई० सैंटर, गुड़गांव में ऐसे डॉक्टरज हैं जिन्होंने रोहतक से ट्रेनिंग प्राप्त की हुई है, उन्हें पता है कि कैंसर का इनीशियल ट्रीटमैंट क्या होता है। हम कैंसर की जांच कैसे करें कि इसको किस प्रकार का कैंसर है, क्या उसके बौरैस्ट

में कैंसर है या उसको सर्वाईकल कैंसर है उसको टैस्ट करने के लिए हमने वहां पर मशीनें लगा ली हैं। हमारी पूरी कोशिश है कि हम गुड़गांव में कैंसर यूनिट स्थापित कर सकें ताकि लोगों को उससे लाभ मिल सके। चेयरमैन सर, दूसरी सबसे बड़ी चीज मैं हैल्थ के बारे में कहना चाहूंगी। ऐड्ज आजकल हमारा बर्निंग टॉपिक है। हम सब कहते हैं कि ऐड्ज को गुप्त रखना चाहिए। यह बात बिल्कुल ठीक है कि ऐड्ज को गुप्त रखना चाहिए। हमारे जो ऐड्ज सैंटर्ज खुले हुए हैं वे रैडक्रॉस के माध्यम से सिर्फ सैंटर्ज ही चलाते हैं क्योंकि नॉर्मली वे ऐंटिनेटल कैंसर को देखते हैं। नॉर्मली होस्पीटल में लेडीज दिखाने के लिए आती हैं। रूटीन में हम भी रैगुलर एच०आई०वी० टैस्ट करते थे लेकिन आज हम एच०आई०वी० टैस्ट के लिए पेशैंट्स को रैडक्रॉस में भेज देते हैं। वे लेडीज टैस्ट के लिए रैडक्रॉस सैंटर में जाते-जाते रास्ते में से घर वापिस हो जाती हैं और अगर वे एच०आई०वी० पोजिटिव हैं भी तो वे इस बारे में किसी को नहीं बताती हैं। मैं यह मानती हूं कि यह टैस्ट सब के लिए मैंडेट्री होना चाहिए। ट्रेनिंग के लिए नर्सिज को स्कूलों में भेज कर चैक करवाना चाहिए, जितने भी हमारे बस-स्टैंड हैं, जहां पर कण्डोम वगैरा होते हैं उनको भी देखें कि वे बहुत अच्छी स्थिति में हों और उन पर एक्सपायरी डेट भी प्रोपर्ली लगी हुई हो। होस्पीटल्ज में जितने भी डिलीवरी केसिज करते हैं वहां हम पर यह ऐन्श्योर करें कि ये सारी चीजें जो फ्री ऑफ कॉस्ट मिलती हैं **(इस समय माननीय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)** वे सारी डिस्पोजेबल मिलनी चाहिएं ताकि हम उनको रि-यूज न कर सकें। अध्यक्ष महोदय, ऐड्ज और एच०आई०वी० का यह भी एक सबसे बड़ा कारण है कि लड़कियों को यह पता नहीं होता कि अगर हम उन चीजों को री-यूज करते हैं तो उसकी सर्कलिंग होती रहती है इसलिए हमें इन चीजों के बारे में सावधान रहने की जरूरत है। अध्यक्ष महोदय, इन शब्दों के साथ मैं अपने माननीय मुख्यमंत्री जी, जिन्होंने हमें इतनी बढ़िया योजनाएं दी हैं, सड़कों का निर्माण करवाया है, पब्लिक हैल्थ के तहत हरेक जगह पर ट्यूबवैल्ज लगवाए हैं, गवर्नमैंट ऑफ इण्डिया से इतनी बढ़िया सड़कों का निर्माण करवाया है, हैल्थ में इतने प्रोजैक्ट्स दिये हैं, का आभार प्रकट करना चाहती हूं। खासतौर से हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने सबसे बड़ी योजना चलाई है। उन्होंने यह कह दिया है कि गरीब आदमी की जरूरत पूरी करने के लिए आप लोग सीधे मेरे पास आइये। यदि उसको कुछ चाहिए या उसको हैल्थ में कुछ दिक्कत है तो आप इमिजियेटली उसके लिए इन्तजाम करें। मैं इसके लिए अपने माननीय मुख्यमंत्री जी की आभारी हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी भी अति आभारी हूं कि टाईम टू टाईम आप हमें हिसाब-किताब बता कर हमारी मदद करते रहते हैं। हमें अपनी सरकार से जो पॉलिसीज मिली हैं उनके लिए भी मैं सरकार का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं अपने दिल से एक बात कहती हूं कि हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी जैसे मुख्यमंत्री सदियों में एक आध ही मिलते हैं। वे विशेष कर यह कहते हैं कि आज का जो एम०एल०ए० है वह अपने एरिया का मुख्यमंत्री है। उनका यह आदेश है और वे हरेक विधायक को यह कहते हैं कि वे सारे अपनी-अपनी जगह के मुख्यमंत्री हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करती हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। मैं हाथ जोड़कर इतनी विनती जरूर करती हूं कि हमारे जितने भी सरकारी होस्पीटल्ज हैं वहां पर ट्रॉमा की प्रॉब्लम है। जितने भी ट्रॉमा सैंटर्ज हैं, वहां पर किसी भी जगह पर सीटी स्कैन नहीं है। ट्रॉमा सैंटर का मतलब यह है कि इसमें सीटी स्कैन जरूर होना चाहिए, सैंटरली ऑक्सीजेशन जरूरी होना चाहिएं।

[श्रीमती कृष्णा पंडित]
इसके अतिरिक्त दो चीजें और जरूर होनी चाहिएं। एक तो एम०डी० गायनोकोलॉजी, एक सर्जन और एक न्यूरो सर्जन जरूर होने चाहिएं। जो ट्रॉमा होता है उसमें पेट के सारे ऑर्गन्ज चाहे वह किडनी है, लीवर है, स्पलीन है, यूटरस है, चाहे चैस्ट है उनको चैक करना होता है।

श्री अध्यक्ष : अब आप वाईड-अप करें।

श्रीमती कृष्णा पण्डित : स्पीकर सर, अगर हम 24 ऑवरज पूरे कर लें और पेशैंट को ठीक करके भेजें तो उसके हिसाब से पेशैंट सेफ चला जाएगा। इन शब्दों के साथ मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया।

श्रीमती गीता भुक्कल (कलायत) (एस.सी.) : अध्यक्ष महोदय, माननीय महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण प्रस्तुत किया है मैं उसका समर्थन करती हूं।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, Mrs. Gita Bhukkal will remain on her legs and will continue tomorrow.

Now the House stands adjourned till 9.30 A.M. tomorrow, the 11th March, 2008.

*18.30 Hrs. (The Sabha then *adjourned till 9.30 A.M. on Tuesday, the 11th March, 2008.)

44539—H.V.S.—H.G.P., Chd.